दिनमान तापमान

सूर्योदय 4.58 सूर्यास्त 6.07 अधिकतम 33° न्यूनतम 25°

वर्ष 18, अंक 322 पृष्ठ 12
कोलकाता, रविवार, 10 मई 2026
ज्येष्ठ, कृष्णपक्ष, अष्टमी, वि.सं. 2083

मूल्य: ₹3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण www.yuvashaktinews.com

ऐतिहासिक ब्रिगेड समारोह में पश्चिम बंगाल में पहली बार बनी भाजपा सरकार

शुभेंदु अधिकारी के साथ 5 मंत्रियों ने ली शपथ

बंगाल की जनता को साष्टांग नमन किया पीएम मोदी ने ■ दिलीप, अग्निमित्रा, अशोक, क्षुदिराम और प्रमाणिक ने ली शपथ

कोलकाताः तारीख 9 मई , दिन शनिवार... ये दिन और तारीख पश्चिम बंगाल के लिए यादगार बन गई. आजादी के बाद ये पहला मौका है जब राज्य में बीजेपी की सरकार बनी. राजधानी कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया. बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी ने बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर इतिहास रच दिया. नई सरकार बनने के साथ ही राज्य में शुभेंदु युग की शुरुआत हो गई. इस यादगार पल की गवाह बंगाल की जनता बनी.

शुभेंदु अधिकारी के पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही 5 अन्य नेताओं ने भी मंत्री पद की शपथ ली है. इनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदिराम टुडू और निसिथ प्रमाणिक के नाम शामिल हैं. अधिकारी के बाद दूसरे नंबर पर दिलीप घोष ने मंत्री पद की शपथ ली. शपथ लेने के बाद सभी ने पीएम मोदी समेत सभी नेताओं का आभार जताया.पश्चिम बंगाल की नई सरकार में ब्राह्मण, महिला, आदिवासी, और मतुआ सभी को जगह दी गई है.इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन समेत कई नेताओं ने शिरकत की. कार्यक्रम में एनडीए शासित राज्यों के तमाम मुख्यमंत्री भी शामिल हुए. यूपी के सीएम योगी, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता, हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी, असम के सीएम हिमंत विस्वा सरमा समेत कई सीएम कार्यक्रम में पहुंचे. इसके साथ ही कई सांसद और विधायक भी शामिल हुए.

इस भव्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक वाहन में सवार होकर शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे. इस दौरान उनके साथ शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद थे. खास बात ये है कि शुभेंदु अधिकारी इस खास मौके पर पूरी तरह से भगवा रंग में रंगे नजर आए. उन्होंने गेरुए रंग के कपड़े पहने थे. इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने के लिए समारोह में भारी तादाद में बीजेपी समर्थक और कार्यकर्ता पहुंचे. पीएम मोदी ने अपने वाहन से हाथ हिलाकर कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया. शपथ ग्रहण समारोह के दौरान पीएम मोदी ने समर्थकों और कार्यकर्ताओं को दंडवत प्रमाण किया.

बंगाल सरकार के शपथ ग्रहण के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिंसा में मारे गए भाजपा कार्यकर्ताओं के परिजनों से

मुलाकात की. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगाल सरकार के शपथ ग्रहण के बाद सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, '9 मई 2026 का दिन इतिहास में एक बेहद महत्वपूर्ण दिन के रूप में अंकित किया जाएगा. यह तारीख हमारी स्मृतियों में एक ऐसे दिन के रूप में बना रहेगा, जो अपने साथ नियति का बोझ और आशा, गरिमा और सुशासन के एक नए अध्याय का वादा लेकर आया. कोलकाता के प्रतिष्ठित 'ब्रिगेड परेड ग्राउंड' में, भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण हुआ.

बीजेपी ने शपथ ग्रहण के लिए 9 मई का दिन चुना है, इस दिन गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती भी थी. मंच पर पहुंच कर पीएम मोदी और शुभेंदु अधिकारी ने गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. इसके बाद वो पल आया जिसका सभी को बेसब्री से इंतजार था. पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर.एन.रवि ने शुभेंदु अधिकारी को बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई. सीएम पद की शपथ लेने के बाद उन्होंने पीएम मोदी के पैर छुए और उनका आशीर्वाद लिया. इस दौरान पीएम मोदी ने उन्हें गले लगाकर शुभकामनाएं दी.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार काो शुभेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी. उन्होंने कहा कि शुभेंदु जनता से गहराई से जुड़े रहे हैं और लोगों की आकांक्षाओं को करीब से समझते हैं. शुभेंदु अधिकारी ने ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली. प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में शुभेंदु अधिकारी को राज्य के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं. प्रधानमंत्री ने अपने संदेश के साथ देवी दुर्गा की एक तस्वीर और मंच पर शुभेंदु अधिकारी को बधाई देते हुए अपनी एक तस्वीर भी साझा की.

एक समय टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के करीबी माने जाने वाले शुभेंदु अधिकारी टीएमसी से नाता तोड़कर बीजेपी का दामन थामा था. 2026 के विधानसभा चुनाव में अधिकारी अपने गृह जिले पूर्वी मिदनापुर की नंदीग्राम सीट से और दक्षिण कोलकाता की भवानीपुर सीट से मैदान में उतरे थे और दोनों ही सीट पर उन्होंने शानदार जीत दर्ज की. भवानीपुर में उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को 15,000 से ज्यादा वोटों के अंतर से हराया. इस तरह उन्होंने ममता बनर्जी को उनके ही गढ़ में शिकस्त दी और आज बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपद ली. पीएम मोदी ने मंच से दोनों हाथों को हिलाकर जनता का अभिवादन किया और फिर दंडवत होकर प्रणाम किया. पीएम मोदी को ऐसा करता देख मंच पर बैठे बड़े-बड़े दिग्गज भी हैरान रह गए.

पीएम ने माखन लाल सरकार के पैर छुए

कोलाताः शपथ ग्रहण के मंच पर प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल में बीजेपी के सबसे वरिष्ठ कार्यकर्ताओं में से एक माखन लाल सरकार का आशीर्वाद लिया. पीएम मोदी ने माखन लाल के पैर छुए और फिर उन्हें गले लगा लिया. इसके बाद पीएम मोदी ने उन्हें शॉल भेंट करके सम्मानित किया. यह दृश्य देख वहां मौजूद सभी नेता और कार्यकर्ता जोर-जोर से तालियां बजाने लगे. पीएम मोदी ने इसके बाद मंच पर मौजूद सभी नेताओं से मुलाकात की . अमित मालवीय ने माखन लाल को लेकर अपने एक्स पर जानकारियां साझा की है. उन्होंने लिखा कि 98 वर्ष की आयु में भी माखनलाल सरकार आजादी के बाद के भारत में राष्ट्रवादी आंदोलन से जुड़े शुरुआती जमीनी स्तर के नेताओं में से एक हैं. 1952 में, उन्हें कश्मीर में गिरफ्तार किया गया था, जब वे वहां भारतीय तिरंगा फहराने के आंदोलन के दौरान श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ थे. 1980 में इगझ के गठन के बाद, वे पश्चिम दिनाजपुर, जलपाईगुड़ी और दार्जिलिंग ज़िलों के संगठनात्मक समन्वयक बने. सिर्फ एक साल के भीतर, उन्होंने लगभग 10,000 सदस्यों को पार्टी में शामिल करवाने में मदद की. 1981 से, उन्होंने लगातार सात वर्षों तक जषला अध्यक्ष के रूप में सेवा की. यह उस समय एक असाधारण उपलब्धि थी, जब आम तौर पर भाजपा के नेता एक ही संगठनात्मक पद पर दो साल से ज्यादा नहीं रह पाते थे.

तमिलनाडु में सरकार बनाने का रास्ता साफ

राज्यपाल से मिले विजय, आज लेंगे सीएम पद की शपथ

नई दिल्लीः तमिलनाडु में कई दिनों से जारी राजनीतिक अनिश्चितता शनिवार को खत्म हो गई. टीवीके प्रमुख सी. जोसेफ विजय ने 120 विधायकों के समर्थन के साथ राज्यपाल के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया है. कांग्रेस, लेफ्ट, वीसीके और आईयूएमएल के समर्थन से टीवीके गठबंधन के पास 121 सीटें हो गई हैं. विजय कल चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे. सबसे बड़ी पार्टी के नेता के रूप में विजय ने शनिवार को चेन्नई के लोक भवन में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात की. इस मुलाकात के दौरान उन्होंने 234 सदस्यों वाली विधानसभा में 120 विधायकों के मजबूत समर्थन के साथ सरकार बनाने का अपना दावा आधिकारिक तौर पर पेश कर दिया.

सीएम शुभेंदु ने शीर्ष पुलिस अफसरों के साथ बैठक की

शुभेंदु के निजी सचिव नियुक्त हुए डॉ. सुब्रत गुप्ता

कोलकाताः आईएएस (सेवानिवृत्त) डॉ. सुब्रत गुप्ता को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी का सलाहकार नियुक्त किया गया है. वहीं, दक्षिण 24 परगना के प्रशासनिक अधीक्षक आईएएस शांतनु बाला को अधिकारी का निजी सचिव नियुक्त किया गया है.

बंगाल के नए सीएम शुभेंदु सरकार शपथ लेने के बाद ही एक्शन में आ गए हैं. सीएम सरकार ने डीजीपी, कमिश्नर समेत बंगाल के शीर्ष पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की और कानून व्यवस्था की समीक्षा की. पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सीएम बनने के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा, 'यह दिन देश और पश्चिम बंगाल, दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है. प्रधानमंत्री की यह इच्छा थी कि नई सरकार का गठन रवींद्र जयंती के अवसर पर हो. यही कारण है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में, गुरु रवींद्रनाथ को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ. जोड़ासांको में नमन करने के बाद मेरे काम की शुरुआत होगी.'

डॉ. सुब्रत गुप्ता बंगाल में मुख्य केंद्रीय चुनाव पर्यवेक्षक के तौर पर काम कर

चुके हैं. विधानसभा चुनावों के बाद राज्य में सत्ता परिवर्तन हुआ है. बीजेपी को पहली बार सत्ता मिली है तो वहीं दूसरी तरफ अभी तक सत्ता में काबिज टीएमसी विपक्ष में बीजेपी वाली जगह पर चली गई है. डॉ. सुब्रत गुप्ता बंगाल के रहने वाले हैं. उन्होंने अपने सेवाकाल में 27 अलग-अलग दायित्व संभाले हैं.डॉ. सुब्रत गुप्ता ने 2026 पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से राज्य में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान बड़ी जिम्मेदारी निभाई थी. उन्हें केंद्रीय चुनाव आयोग ने विशेष रोल पर्यवेक्षक बनाया था. आयोग ने उन्हें नवंबर 2025 में, पश्चिम बंगाल के लिए 'विशेष रोल पर्यवेक्षक' नियुक्त किया था, ताकि 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूचियों के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' की देखरेख की जा सके. डॉ. सुब्रत गुप्ता 1990 बैच के आईएएस अधिकारी हैं. वे 35 सालों तक सिविल सेवा में रहे. उन्हें बंगाल की अच्छी समझ है. उन्होंने वामदलों और फिर टीएमसी की सरकारों के दौरान प्रशासनिक जिम्मेदारियां संभाली हैं.

उन्होंने कहा कि उनकी सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता बंगाल का पुनर्निर्माण होगी. उनके मुताबिक राज्य की शिक्षा व्यवस्था और सांस्कृतिक पहचान को पिछले कुछ वर्षों में काफी नुकसान पहुंचा है, जिसे अब सुधारने की जरूरत है. शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद अब वह किसी एक दल के नेता नहीं बल्कि पूरे पश्चिम बंगाल के लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं. उन्होंने कहा कि उनकी सरकार हर नागरिक के लिए बिना किसी भेदभाव के काम करेगी. उन्होंने यह भी कहा कि बंगाल को विकास, बेहतर प्रशासन और नई दिशा देने के लिए उनकी सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ेगी.

शुभेंदु अधिकारी की मां की बड़ी उम्मीद, कहा

आरजी कर पीड़िता को न्याय दिलाएं नए सीएम

कोलकाताः बंगाल के नवनियुक्त मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की मां गायत्री अधिकारी ने शनिवार को कहा कि वह चाहती हैं कि उनका बेटा आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल की दुष्कर्म-हत्या पीड़िता को न्याय दिलाने की दिशा में काम करे. उन्होंने अपने पति और पूर्व सांसद शिशिर अधिकारी के साथ कहा कि बंगाल में पहली भाजपा सरकार बनने पर जितनी खुशी उन्हें है, उससे अधिक खुशी राज्य की जनता को है. उल्लेखनीय है कि नौ अगस्त 2024 को आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी, जिससे पूरे देश में अक्रोश फैल गया था. पीड़िता की मां ने पानीहाटी विधानसभा सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव जीता है. वह चाहती हैं कि मुख्यमंत्री रोजगार, महिला सुरक्षा और समाज के गरीब तबकों के हितों की रक्षा जैसे मुद्दों पर भी विशेष ध्यान दें. उन्होंने कहा कि शुभेंदु ने अपने पिता से संघर्ष की भावना सीखी है.

शुभेंदु के शपथग्रहण पर कोलकाता में बीजेपी वर्कर्स का जोश हाई

किसी ने आपबीती सुनाई तो कोई बोला 'अपना टाइम आ गया'

कोलकाताः बंगाल में बीजेपी की पहली सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान कोलकाता भगवामय नजर आया. शपथ ग्रहण समारोह स्थल ब्रिगेड परेड ग्राउंड और उसके आस-पास के इलाके में रविंद्र संगीत की मधुर धुन के साथ-साथ 'जय श्री राम' के नारे गूंज रहे थे. हाथों में तिरंगा और पार्टी का झंडा लिए बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पूरे जोश में नजर आए. क्या बच्चे, क्या बुढ़े, महिला कार्यकर्ताएं भी पार्टी की जीत के बाद खासा उत्साहित नजर आईं. इस दौरान कई कार्यकर्ताओं ने अपनी आपबीती सुनाई तो कई ने कहा- 'अब अपना टाइम आ गया'. भारतीय जनता पार्टी के नेता शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शनिवार को शपथ ली जो एक ऐसा महत्वपूर्ण क्षण है जिसने भगवा राजनीति के प्रति दशकों के प्रतिरोध के बाद राज्य के राजनीतिक परिदृश्य को बदल दिया और इसी के साथ राज्य में पहली बार भाजपा की सरकार बनी. शपथ ग्रहण के दौरान 12वीं की एक छात्रा भी वहां मां के साथ नजर आई. जब उस बच्ची से पूछा कि आप तो अभी वोटर भी नहीं हैं, फिर यहां क्यों आई हैं. तो उसने कहा मैं बीजेपी को सपोर्ट करने आई हूं. बीजेपी को क्यों वोट करोगे तो इस पर 12वीं की छात्रा ने कहा कि बीजेपी को क्यों नहीं वोट करना चाहिए. बीजेपी सभी के भले के लिए काम करती है. वहां मौजूद छात्रा की मां ने कहा- राष्ट्रभावना इसके अंदर जगाना है. बीजेपी के अंदर राष्ट्रभावना दिखती है. शपथ ग्रहण समारोह में शामिल बीजेपी की महिला कार्यकर्ताओं ने कहा ब्रिगेड परेड ग्राउंड आज से हमारे लिए पुण्य भूमि बन गई है. हमने बहुत अत्याचार सहे, लेकिन आज हमारी सरकार सत्ता में आ गई. यह हमारे लिए बहुत खुशी की बात है. बीजेपी ने शपथग्रहण समारोह के लिए ब्रिगेड परेड मैदान को चुना, जो कभी वाम दलों की विशाल रैलियों का गढ़ था और बाद में तृणमूल कांग्रेस के लिए भी एक प्रमुख राजनीतिक मैदान रहा. पश्चिम बंगाल में भाजपा के उदय के प्रमुख शिल्पकारों में शामिल शुभेंदु अधिकारी ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शपथ ली. इस दौरान भाजपा के हजारों समर्थक समारोह स्थल पर पहुंचे. उन्होंने भगवा झंडे लहराए और ''जय श्रीराम'' के नारे लगाए. शपथ ग्रहण के दौरान दर्शक दीघा में मौजूद बीजेपी की एक महिला कार्यकर्ता इस मौके पर रोने लगी. बातचीत में उस महिला ने कहा कि मैं स्थानीय चुनाव में यहां जीती थी. लेकिन मुझे जीत का सर्टिफिकेट नहीं दिया. विरोध करने पर मारा-पीटा, मैं कोमा में थी. आज बीजेपी की सरकार बनने पर मेरी आंखों से आनंद जल (खुशी के आंसू निकल रहे. एक बीजेपी समर्थक ने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में आज पूरा बंगाल भगवामय होने जा रहा है. सनातनियों की सरकार बन गई है... आम लोग काफी खुश है. शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बनने वाले भाजपा के पहले नेता हैं. राज्यपाल आर. एन. रवि ने यहां ब्रिगेड परेड मैदान में आयोजित भव्य समारोह में अधिकारी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई. इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता मौजूद थे. शुभेंदु अधिकारी के शपथ लेने के तुरंत बाद भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पार्टी की प्रदेश इकाई के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष ने नयी मंत्रिपरिषद में मंत्री के रूप में शपथ ली. भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, निशीथ प्रामाणिक और खुदीराम टुडू को भी मंत्री पद की शपथ दिलाई गई.

ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती से बातचीत की.

सीने पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी, सिर पर शुभेंदु की तस्वीर...

बंगाल में बीजेपी की पहली सरकार पर ऐसा दिखा जोश

कोलकाता: बंगाल में बीजेपी की पहली सरकार के शपथ ग्रहण को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में गजब का जोश देखने को मिल रहा था. कोलकाता के ऐतिहासिक परेड ग्राउंड मैदान में केंद्रीय मंत्री, एनडीए शासित राज्यों के सीएम, डिप्टी सीएम के साथ-साथ बड़ी संख्या में स्थानीय नेता और कार्यकर्ता भी शामिल हुए. शुभेंदु अधिकारी के शपथ ग्रहण में शामिल बीजेपी नेताओं-कार्यकर्ताओं का जोश वहां से सामने आई तस्वीरें और वीडियो में देखने को मिला है. शुभेंदु अधिकारी में शपथ ग्रहण में शामिल भाजपा के एक बुर्जुग कार्यकर्ता ने सभी का ध्यान अपनी ओर खिंचा. उनकी तस्वीर भी सामने आई. बीजेपी के इस बुर्जुग कार्यकर्ता ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तस्वीर वाली सफेद टी-शर्ट पहन रखी थी. जबकि सिर पर शुभेंदु की तस्वीर वाली टोपी पहन रखी थी. बुजुर्ग कार्यकर्ता की इस तस्वीर ने जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की याद ताजा की. साथ ही बंगाल में बीजेपी की पहली सरकार की खुशी का भी सहज ही अंदाजा हो रहा है. शपथ ग्रहण को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में गजब का जोश देखने को मिल रहा था. कोलकाता के ब्रिगेड ग्राउंड में शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए देश भर से बीजेपी और एनडीए के नेता पहुंचे थे. बंगाल के स्थानीय नेता, कार्यकर्ता के साथ-साथ बड़ी संख्या में साधु-संत भी वहां पहुंचे.

घर की छत पर कमल खिलते ही शुभेंदु की मां को बंगाल में भी कमल खिलने का संकेत मिल गया था

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के नौंवे मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की माता गायत्री देवी ने अपने बेटे के बचपन की यादे ताजा करते हुए उन्हें विवेक से काम करने की नसीहत दी है. गायत्री देवी ने कहा कि कुछ दिन पहले घर की छत पर बड़े-बड़े कमल के फूल खिले थे, जिसे देखकर उन्हें पहले ही संकेत मिल गया था कि राज्य में कमल खिलेगा. उनके अनुसार, उसी समय उन्हें लगा था कि इस बार राजनीतिक बदलाव तय है. उन्होंने अपने बेटे शुभेंदु अधिकारी के बचपन को याद करते हुए बताया कि माध्यमिक स्तर तक वह अधिकतर घर के भीतर ही रहते थे, लेकिन बाद में कॉलेज जीवन से ही सक्रिय राजनीति में जुड़ गए. उन्होंने कहा कि बचपन में शुभेंदु बागवानी में काफी रुचि लेते थे और घर के बगीचे में समय बिताते थे. गायत्री देवी ने यह भी बताया कि शुभेंदु को पांता भात (पानी में भिगोए हुए चावल) बेहद पसंद है और गर्मियों की रातों में वह अक्सर हल्के भोजन की मांग करते हैं, जिसमें आलू भुजिया, मछली या अंडे का आमलेट शामिल रहता है. अपने बेटे से अपेक्षाओं पर उन्होंने कहा कि वह जो भी निर्णय ले, अपने विवेक से काम करे. हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें अपने बेटे की गतिविधियों की जानकारी मिलती रहती है. गायत्री देवी ने बताया किया कि शुभेंदु बचपन से ही धार्मिक प्रवृत्ति के रहे हैं और स्वामी विवेकानंद के बड़े भक्त हैं.

बंगाल में 'कमल' को भाजपाइयों ने अपने 'लहू' से सींचा: बाबूलाल मरांडी

कोलकाताः कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड शनिवार को बंगाल पहली बार भाजपा सरकार के गठन का साक्षी बना. ऐसे में झारखंड विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत पर सवाल उठाने वाले विपक्षी दलों को कड़ा जवाब दिया है. मरांडी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक विस्तृत पोस्ट साझा करते हुए दो टूक कहा कि 'बंगाल में कमल' चुनाव आयोग के गिफ्ट से नहीं, बल्कि भाजपा कार्यकर्ताओं के 'लहू' से सींचा गया है. बाबूलाल मरांडी ने पार्टी के उतार-चढ़ाव भरे सियासी सफर और कार्यकर्ताओं की शहादत का जिक्र करते हुए इसे एक 'रक्तरंजित संघर्ष' बताया. उन्होंने लिखा कि जो लोग इसे ईवीएम या केंद्रीय बलों की जीत कह रहे हैं, वे बंगाल की जमीनी हकीकत से वाकिफ नहीं हैं. बंगाल में सत्ता तक पहुंचने का सफर लाशों के अंबार और जलते हुए आशियानों के बीच से होकर गुजरा है. उन्होंने वामपंथियों के 34 साल के दमन और तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के कथित खौफनाक शासन की चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने फर्जी मुकदमे, जेल की सलाखें और सामाजिक बहिष्कार को अपनी छाती पर झेला है. मरांडी ने सोशल मीडिया पोस्ट में पार्टी की 15 साल की तपस्या का उल्लेख किया. उन्होंने 2011 में महज एक विधायक से लेकर 2026 में प्रचंड बहुमत तक के सफर को उन माताओं के आंसुओं का हिसाब बताया, जिनके बेटों ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति दी. उन्होंने कहा कि नंदीग्राम से बीरभूम तक सिर्फ भाजपा को वोट देने के अपराध में गांव के गांव खाक कर दिए गए. उन्होंने पोस्ट में एक भावुक उदाहरण देते हुए लिखा, जिस बूथ अध्यक्ष की लाश सुबह पेड़ पर लटकी मिलती है, दोपहर को उसका बेटा कलेजे पर पत्थर रखकर उसी बूथ पर पोलिंग एजेंट बनकर खड़ा हो जाता है. यह हिम्मत चुनाव आयोग नहीं, बल्कि स्वाभिमान देता है. मरांडी ने विपक्षी दलों को चेतावनी देते हुए कहा कि इस जीत को 'मेहरबानी' कहना उन शहीदों का अपमान है, जिन्होंने फांसी के फंदों और बम के धमाकों के बीच भाजपा का झंडा थामे रखा. उन्होंने इसे बंगाल के आत्मसम्मान और कार्यकर्ताओं के बलिदान की जीत करार दिया.

श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना हुआ साकार : दिलीप घोष

कोलकाताः आजादी के बाद पहली बार राज्य की सत्ता में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आई है. तृणमूल कांग्रेस के 15 साल लंबे शासन का अंत हो गया है. इस ऐतिहासिक क्षण पर भाजपा नेता दिलीप घोष ने कहा कि श्यामाप्रसाद मुखर्जी का सपना पूरा हो गया है. शनिवार सुबह पत्रकारों से बातचीत करते हुए दिलीप घोष ने कहा कि हमने लंबे समय तक संघर्ष किया और आखिरकार जनता ने बदलाव के पक्ष में वोट दिया. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का सपना पूरा हुआ है. तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस को जनता ने नकार दिया क्योंकि उन्होंने अपनी सत्ता का दुरुपयोग कर लोगों पर अत्याचार किया. जनता ने उन्हें करारा जवाब दिया और भारतीय जनता पार्टी को चुना. कोलकाता. आजादी के बाद पहली बार राज्य की सत्ता में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आई है. तृणमूल कांग्रेस के 15 साल लंबे शासन का अंत हो गया है. इस ऐतिहासिक क्षण पर भाजपा नेता दिलीप घोष ने कहा कि श्यामाप्रसाद मुखर्जी का सपना पूरा हो गया है. शनिवार सुबह पत्रकारों से बातचीत करते हुए दिलीप घोष ने कहा कि हमने लंबे समय तक संघर्ष किया और आखिरकार जनता ने बदलाव के पक्ष में वोट दिया. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का सपना पूरा हुआ है. तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस को जनता ने नकार दिया क्योंकि उन्होंने अपनी सत्ता का दुरुपयोग कर लोगों पर अत्याचार किया.

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता (दाएं), हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी (बाएं) और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पश्चिम बंगाल में भाजपा की पहली सरकार बनने के उपलक्ष्य में शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने पहुंचे.

जरूरत पड़ी तो भाजपा को रोकने के लिए वाम दलों से भी सहयोग लेने में परहेज नहीं : ममता बनर्जी

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर अपने बयान से राज्य की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है. उन्होंने कहा है कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए यदि जरूरत पड़ी तो वह वाम दलों से सहयोग लेने में भी कोई आपत्ति नहीं करेंगी. ममता बनर्जी ने यह बयान कोलकाता के कालीघाट स्थित अपने आवास के निकट आयोजित रवीन्द्रनाथ टैगोर जयंती समारोह के दौरान दिया. इस अवसर पर वह अपनी पार्टी के कई विधायकों के साथ कार्यक्रम में शामिल हुईं. पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा और बंगाल के हितों की सुरक्षा के लिए सभी राजनीतिक दलों को वैचारिक मतभेदों से ऊपर उठकर काम करना होगा. उन्होंने भाजपा विरोधी दलों से एकजुट होने की अपील करते हुए संकेत दिया कि राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए अति वामपंथी विचारधारा के साथ भी संवाद संभव है, यदि उसका उद्देश्य भाजपा को रोकना हो. ममता बनर्जी ने दावा किया कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित कई विपक्षी नेताओं ने उन्हें फोन कर समर्थन का भरोसा दिया है. उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में राजनीतिक कार्यक्रमों में भीड़ कम दिखाई दे सकती है, लेकिन जनता का समर्थन उनके साथ है. मुख्यमंत्री ने छात्र संगठनों, गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ), सामाजिक संस्थाओं और स्वयंसेवी समूहों से भी इस अभियान में शामिल होने की अपील की.

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन को प्राथमिकता

बीजेपी ने ओबीसी, मतुआ, महिला, राजबंशी और आदिवासी समुदायों को मंत्रिमंडल में शामिल कर दिया राजनीतिक संदेश

कोलकाता: शुभेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही पश्चिम बंगाल की नई सरकार ने अपने पहले राजनीतिक संदेश में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन पर खास जोर दिया है. मुख्यमंत्री के साथ शपथ लेने वाले पांच मंत्रियों का चुनाव सिर्फ राजनीतिक अनुभव के आधार पर नहीं, बल्कि बंगाल के अलग-अलग प्रभावशाली सामाजिक समूहों को प्रतिनिधित्व देने की रणनीति के तहत किया गया दिखाई दे रहा है. राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह टीम भारतीय जनता पार्टी की सबका साथ, सबका विश्वास की नीति को बंगाल के सामाजिक समीकरणों के साथ जोड़ने की कोशिश है. नई कैबिनेट में दिलीप घोष को शामिल कर बीजेपी ने ओबीसी समुदाय को मजबूत संदेश दिया है. दिलीप घोष लंबे समय से बंगाल बीजेपी का बड़ा चेहरा रहे हैं और ग्रामीण तथा हिंदुत्व समर्थक वोटरों के बीच उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है. ओबीसी समुदाय राज्य की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाता है और बीजेपी पिछले कुछ वर्षों से इस वर्ग में लगातार अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही है. अशोक कीर्तनिया मतुआ समुदाय से आते हैं. मतुआ समुदाय पश्चिम बंगाल की लगभग 70 विधानसभा सीटों पर असर रखने वाला महत्वपूर्ण वोट बैंक माना जाता है. ऐसे में अशोक कीर्तनिया को मंत्रिमंडल में शामिल कर बीजेपी ने मतुआ समुदाय को बड़ा संदेश दिया है. नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए के मुद्दे पर बीजेपी लंबे समय से इस समुदाय को अपने साथ

जोड़ने की कोशिश करती रही है. अशोक कीर्तनिया का मंत्रिमंडल में शामिल होना उसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है. महिला प्रतिनिधित्व और शहरी मध्यवर्गीय समाज को साधने के लिए अग्निमित्रा पॉल को मंत्रिमंडल में जगह दी गई है. कायस्थ समुदाय से आने वालीं अग्निमित्रा पॉल बंगाल बीजेपी की फ्रायरब्रांड नेता हैं, जिनकी तुलना ममता बनर्जी से भी की जाती रही है. फैशन डिजाइनर से राजनीति में आईं अग्निमित्रा को पार्टी आधुनिक, शिक्षित और महिला मतदाताओं के बीच प्रभावी चेहरे के रूप में पेश करती रही है. शुभेंदु कैबिनेट में उनका शामिल होना महिला सशक्तिकरण और बंगाल के शहरी वर्ग को साधने की रणनीति माना जा रहा है. उत्तर बंगाल के समीकरणों को ध्यान में रखते हुए निसिथ प्रमाणिक को जगह दी गई है. राजबंशी समुदाय उत्तर बंगाल की राजनीति में बेहद प्रभावशाली माना जाता है. बीजेपी पिछले चुनावों में उत्तर बंगाल में मजबूत प्रदर्शन कर चुकी है और पार्टी इस क्षेत्र में अपनी पकड़ बनाए रखना चाहती है. निसिथ प्रमाणिक को मंत्री बनाकर बीजेपी ने यह संकेत दिया है कि उत्तर बंगाल उसकी राजनीतिक प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा. आदिवासी समुदाय को प्रतिनिधित्व देने के लिए खुदीराम टुडू को मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है. जंगलमहल और आदिवासी बहुल इलाकों में बीजेपी पिछले कुछ वर्षों में तेजी से उभरी है. खुदीराम टुडू के जरिए पार्टी ने आदिवासी समाज को सत्ता में भागीदारी का संदेश देने की कोशिश की है. मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी खुद ब्राह्मण समुदाय से आते हैं. पश्चिम बंगाल में ब्राह्मण मतदाता कुल आबादी का लगभग 5% से 8% के आसपास मानी जाती है. हालांकि, यह समुदाय राज्य के कुल 70% हिंदू आबादी के अंतर्गत आता है और बंगाल की राजनीति में उच्च जाति के हिस्से के रूप में अत्यधिक प्रभावशाली है. पश्चिम बंगाल की राजनीति के जानकारों का मानना है कि यह मंत्रिमंडल केवल प्रशासनिक टीम नहीं, बल्कि बंगाल के सामाजिक और जातीय समीकरणों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया राजनीतिक संदेश है. बीजेपी ने ब्राह्मण, ओबीसी, महिला, मतुआ, राजबंशी और आदिवासी समुदाय को प्रतिनिधित्व देकर यह दिखाने की कोशिश की है कि पार्टी राज्य के हर वर्ग को साथ लेकर चलना चाहती है.

CONGRATULATIONS TO THE
New Era of Develpoment in West Bengal

Heartiest Congratulations
to the Newly Formed
Government of BJP

The Lake View Hotel

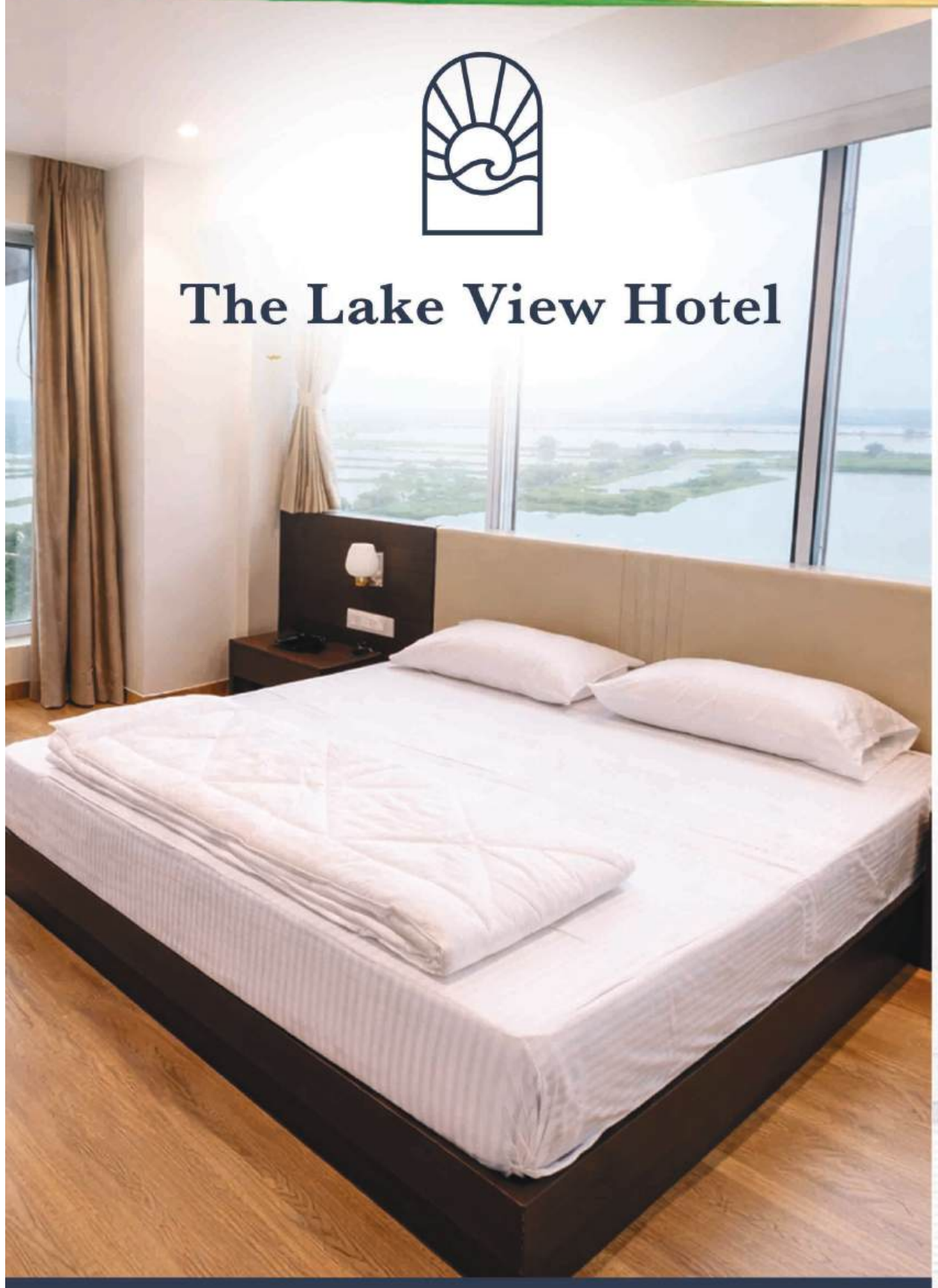

COMPLIMENTARY

SLS Tower, 11th & 12th Floor, Plot no. F-1, GP Block,
Sector V, Salt Lake, Kolkata 700091

+91 62920 52853/58, +91 98310 15818

hotellakeview06@gmail.com

MEL

Quality you can trust

Wide range of products

Contact us now : +91 98744 14007

भाजपा नेता ध्रुव अग्रहरि के नेतृत्व मे हुआ लाइव प्रसारण

हावड़ा :शनिवार 9 अप्रैल को शपथ समारोह पर भाजपा नेता ध्रुव अग्रहरि के नेतृत्व मे हावड़ा बंधाघाट चौराहे पर लाइव प्रसारण किया गया, लोंगो के बीच लड्डू खिला कर मुँह मीठा किया गया, कार्यक्रम मे पंकज अग्रहरि, रोहित अग्रवाल,टिंकू बेरी, नीरज सिंह,सौरव, संदीप सिंह, सुभाष यादव, संग सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे .

रिसड़ा नगरपालिका ने रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती मनायी

रिसड़ा : शनिवार सुबह, 9 मई को, रिसड़ा नगरपालिका की पहल पर रवींद्रनाथ टैगोर की 165वीं जयंती बड़े उत्साह के साथ मनाई गई. इस कार्यक्रम में नगरपालिका प्रमुख विजय सागर मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे. उन्होंने स्वागत भाषण दिया, दीप जलाया और रवींद्रनाथ टैगोर की तस्वीर पर माल्यार्पण किया. कार्यक्रम में मनोज साव, नगर पालिका की श्रीमती उषा देवी साव और पार्षद प्रकाश साव, मनोज गोस्वामी, पार्षद और अन्य नगर पालिका सदस्य और कई प्रतिष्ठित लोग शामिल हुए.

मुख्यमंत्री नहीं, दोस्तों के लिए आज भी बुबाइ दा हैं शुभेंदु अधिकारी

पूर्व मेदिनीपुर : पश्चिम बंगाल की कमान संभालने वाले शुभेंदु अधिकारी आज भले ही सूबे के सबसे ताकतवर नेता बन गये हों, लेकिन उनके पुराने मित्रों के लिए वे आज भी वही सरल और मिलनसार बुबाइ दा हैं. पूर्व मेदिनीपुर के रहने वाले शुभेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री बनने की खबर से उनके कॉलेज के साथियों और पुराने मित्रों में जबर्दस्त उत्साह है. उनके स्कूल के मित्र गोपाल कृष्ण दास ने पुरानी यादें ताजा करते हुए बताया कि शुभेंदु छात्र जीवन से ही सुलझे हुए और समस्याओं को जड़ से खत्म करने वाले व्यक्तित्व के धनी रहे हैं.शुभेंदु अधिकारी के दोस्त गोपाल कृष्ण दास के मुताबिक, कॉलेज के दिनों में शुभेंदु काफी शर्मीले थे, लेकिन उनकी कार्यशैली ऐसी थी कि वे छात्रों और प्रोफेसरों, दोनों के बीच समान रूप से लोकप्रिय थे. उनकी स्मरण शक्ति का हर कोई कायल था. वे उस दौर में भी सैकड़ों फोन नंबर मौखिक सुना दिया करते थे. कॉलेज आते-जाते समय उनका बायां हाथ हमेशा जेब में रहता था. उनकी नेतृत्व क्षमता का

मित्रों ने बताया- अद्भुत थी याददाश्त

ही परिणाम था कि वे लगातार दो कार्यकाल तक कॉलेज के जनरल सेक्रेटरी (जीएस) रहे.शुभेंदु अधिकारी की राजनीति की नींव उनके छात्र जीवन में ही पड़ गयी थी. छात्र जीवन में जब भी कोई साथी उनके पास समस्या लेकर आता था, तो बुबाइ दा तब तक चैन से नहीं बैठते थे, जब तक उसका समाधान न मिल जाये. उस दौर में जब बंगाल में वाममोर्चा का दबदबा था, शुभेंदु ने छात्र काउंसिल बनायी और एसएफआई के साथ अक्सर उनके वैचारिक मतभेद रहते थे. उनके सीखने की क्षमता और नेतृत्व कौशल ने कई साथियों को राजनीति में आने की प्रेरणा दी.दोस्तों का कहना है कि कद और पद बढ़ने के बावजूद शुभेंदु अधिकारी के व्यवहार में रत्ती भर भी बदलाव नहीं आया है. गोपाल कृष्ण दास बताते हैं कि आज भी अगर वे कहीं मिल जाते हैं, तो अपनी कार रुकवाकर पुराने दोस्तों से बात करते हैं और विचार साझा करते हैं. वे व्हाट्सएप्प के जरिये पुराने साथियों के संपर्क में रहते हैं.उनके साथियों को गर्व है कि उनका अपना बुबाइ दा अब राज्य की कमान संभालने जा रहा है. दोस्तों का मानना है कि शुभेंदु चाहे कितनी भी ऊंचाइयों को छू लें, वे अपनी जड़ों और पुराने दोस्तों को कभी नहीं भूल सकते.

तीस्ता किनारे मिला लापता चाय श्रमिक का शव, इलाके में सनसनी

जलपाईगुड़ी : तीस्ता नदी के किनारे से लापता चाय बागान श्रमिक का सड़ा-गला शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई. मृतक की पहचान रतिया उरांव के रूप में हुई है. वह जलपाईगुड़ी के भांडिगुड़ी चाय बागान के श्रमिक बताए जा रहे है.स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मतदान के बाद से ही रतिया उरांव लापता थे. परिजनों ने उनकी काफी तलाश की, लेकिन कोई पता नहीं चल पाया. शनिवार सुबह तीस्ता नदी के किनारे मवेशी चराने गए कुछ स्थानीय लोगों ने एक सड़ा-गला शव पड़ा हुआ देखा. उन्होंने पुलिस को सूचना दी. सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.प्रारंभिक तौर पर शव की पहचान रतिया उरांव के रूप में की गई है. उनकी मौत कैसे हुई, इसका पता लगाने के लिए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है.

पनता भात और हिल्सा के शौकीन हैं बंगाल के नये मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, मां ने खोले नंदीग्राम के लाल के राज

पूर्व मेदिनीपुर : पश्चिम बंगाल के नये मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की मां गायत्री देवी ने उनके निजी जीवन और खान-पान के बारे में बड़े खुलासे किये हैं. जानें हिल्सा मछली और पनता भात पसंद करने वाले शुभेंदु घर पर कैसे रहते हैं.

पश्चिम बंगाल के नये मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी राजनीतिक मैदान में तीखे तेवर और धारदार भाषण के लिए जाने जाते हैं. लेकिन, घर की चहारदीवारी के भीतर वह एक बेहद सामान्य और सरल इंसान हैं. शुभेंदु अधिकारी की मां गायत्री अधिकारी ने अपने बेटे के व्यक्तित्व और खान-पान से जुड़े कई राज खोले हैं. उन्होंने बताया कि सूबे का नया मुख्यमंत्री खाने-पीने के मामले में आज भी पूरी तरह से देसी और बंगाली संस्कृति में रचा-बसा है.गायत्री देवी बताती हैं कि अधिकारी परिवार के बड़े बेटे शुभेंदु शुरू से ही बहुत ठंडे स्वभाव के रहे हैं. मां ने

बताया कि उनके अन्य बेटे भले ही शरारती थे और उन्हें डांट खानी पड़ती थी, लेकिन शुभेंदु इतने शांत थे कि उन्हें कभी डांटने की जरूरत ही नहीं पड़ी. छात्र राजनीति (जीएस) से शुरू हुआ उनका सफर, नगरपालिका चेयरमैन, विधायक और सांसद के बाद अब मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंच गया है, लेकिन उनकी सादगी नहीं बदली.मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी का डाइट प्लान पूरी तरह से पारंपरिक बंगाली भोजन पर आधारित है. शुभेंदु को मछली बेहद पसंद है. खासकर भापा हिल्सा (भाप में पकी हिल्सा) या हिल्सा फ्राई (तली हुई हिल्सा) उनका सबसे पसंदीदा व्यंजन है. भीषण गर्मी के दिनों में वे रात के समय आलू-चावल या बंगाल का मशहूर पनता भात (फरमेंटेड राइस) खाना पसंद करते हैं.घर पर होने पर वे नाश्ते में बहुत सामान्य चीजें लेते हैं. सब्जी, रोटी और फल उनके नाश्ते का अहम हिस्सा होते हैं. हालांकि, मां ने हंसते हुए यह भी कहा कि बाहर जाने पर वे क्या खाते हैं, इसकी उन्हें जानकारी नहीं है, लेकिन घर पर वे बहुत सादा भोजन ही करते हैं.वरिष्ठ राजनेता शिशिर अधिकारी के बेटे होने के बावजूद शुभेंदु ने अपनी एक अलग पहचान बनायी है. मां गायत्री देवी के अनुसार, शुभेंदु का जीवन हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है. आज जब वे बंगाल के सबसे बड़े पद की शपथ लेने जा रहे हैं, तब भी उनका मिजाज एक आम बंगाली जैसा ही है. सादगी, ठंडा स्वभाव और अपनी जड़ों (बंगाली खान-पान) से जुड़ाव ही उन्हें अन्य नेताओं से अलग बनाता है.

शुभेंदु अधिकारी के शपथ ग्रहण के जश्न के बीच भाजपा बूथ अध्यक्ष की मिली लाश, मचा हड़कंप

पूर्व मेदिनीपुर : पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के ऐतिहासिक दिन पुरुलिया में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बूथ अध्यक्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी. इससे पूरे जिले में सनसनी फैल गयी. जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कानाली गांव के पास शनिवारआड़सा थाने के बेलड़ी गांव निवासी हाबूलाल शुक्रवार रात शादी समारोह में जाने के लिए निकले थे. भाजपा नेताओं का आरोप है कि तृणमूल के गुंडों ने ही बाबूलाल की हत्या की है. तृणमूल की ओर से अब तक इस आरोप पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी है.खबर मिलते ही पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए पुरुलिया गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया. पुलिस ने पूरे मामले की छानबीन शुरू कर दी है. परिवार तथा भाजपा के ओर से दावा किया गया है मृतक के शरीर पर चोट के कई निशान मिले हैं

न्यूज़ कॉर्नर

कोन्नगर में 137 साल पुरानी शकुंतला काली की पूजा में उमड़ी भक्तों की भीड़

कोन्नगर : शनिवार को कोन्नगर में 137 साल पुरानी जागृत मां शकुंतला काली की पूरी रात पूजा हुई. यहां लाखों भक्तों की भीड़ उमड़ी. भक्तों ने शुक्रवार को पूरी रात मां की वेदी पर जल चढ़ाया. जल चढ़ाने का यह कार्यक्रम शनिवार दोपहर 1 बजे तक चलता रहा. दूर-दूर से भक्त यहां मां की पूजा करने आये. उन्होंने मां की वेदी पर जल चढ़ाया और जिन्होंने मन्नत मांगी. इस पूजा के मौके पर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम किए हैं. गौरतलब है कि यह पूजा ब्रिटिश काल में होती थी. जहां अब शकुंतला मां का काली मंदिर है, वहां पहले जंगल था. कहा जाता है कि उस समय शाम को एक ब्राह्मण वहां से गुज़र रहा था, तभी उसने अचानक दूर से एक सुंदर जवान लड़की को नहाकर खड़े देखा. जब ब्राह्मण थोड़ा और पास गया तो पलक झपकते ही लड़की गायब हो गई. रात में ब्राह्मण को सपना आया कि माँ काली खुद उसे उस जगह पर पूजा करने का आदेश दे रही हैं. ब्राह्मण ने जंगल साफ करके माँ की पूजा के लिए एक झोपड़ी बनाई और वहां मां की पूजा होने लगी. धीरे-धीरे वहां एक मंदिर बन गया. वहाँ ऊंचे बरगद और अन्य थे, जहां गिद्ध रहते थे, इसलिए माँ का नाम मां शकुंतला पड़ा. आबादी बढ़ी और मां का मंदिर भी विस्तृत हो गया. मां की पूजा बैशाख महीने के कृष्ण पक्ष के आखिरी शनिवार को होती रही है. शनिवार को माँ की मूर्ति मंदिर में लाई जाती है और शाम से पूजा होती है. इस पूजा की खासियत यह है कि यहां एक हज़ार से ज़्यादा बकरों की बलि चढ़ाई जाती हैं. मां को सूरज उगने से पहले विसर्जित कर दिया जाता है और साल भर मंदिर की वेदी पर घट पूजा होती है. कोन्नगर मा शकुंतला काली मां पूजा कमिटी के सेक्रेटरी पांचू गोपाल ने बताया कि यहां मां की पूजा बहुत पुरानी है और इसे 137 साल हो गए हैं. इस मौके पर यहां दस दिन का मेला भी लगता है.

कोलकाता मशीन – टूल्स 2026 का भव्य शुभारम्भ

कोलकाता : लोहा और इस्पात, कोयला, माइनिंग और भारी उद्योगों में भारत की स्वाधीनता के बाद से अग्रणी रहा पूर्वी भारत अब एक विनिर्माण केन्द्र के रूप में विकसित हो रहा है . के एण्ड डी कम्यूनिकेशंस लिमिटेड की ओर से कोलकाता मशीन टूल्स 2026 प्रदर्शनी में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों और विनिर्माण प्रक्रिया के लिये आवश्यक इंजीनियरिंग उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला को प्रदर्शित किया गया है . विश्व बांग्ला मेला प्रांगण में 8 से 11 मई तक आयोजित प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में उद्योगपति के के सेकसरिया, अर्जुन धवन, सुशील पोद्दार, रमेश शोभासरिया, अमिताभ दस्सानी, प्रदीप नैयर एवम् अतिथियों ने पश्चिम बंगाल में निरन्तर औद्योगिक विकास की आशा व्यक्त की तथा मशीनरी - टूल्स के निर्माताओं, विक्रेताओं को शुभकामना दी . प्रदीप नैयर ने बताया प्रदर्शनी में करीब 150 मशीन - टूल्स के निर्माता, विक्रेता व्यापारी हिस्सा ले रहे हैं . पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, झारखण्ड, असम एवम् अन्य राज्यों में लौह-इस्पात, एल्यूमीनियम, खनिज, बिजली उत्पादन, सीमेंट, पेट्रोकेमिकल्स और रसायन, ऑटोमोबाइल - ऑटोकम्पोनेंट्स, दवा, वस्त्र - परिधान एवं कई उद्योग तेजी से विकसित हो रहे हैं . पश्चिम बंगाल की औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है तथा कोलकाता पोर्ट एवं हल्दिया जैसे बंदरगाहों की सुविधा से यह भारत में व्यापारिक दृष्टि से और विदेश में निर्यात के लिये प्रवेश द्वार है .

आधी रात बीमार कार्यकर्ता के लिए अस्पताल पहुंचे विधायक संतु पाल

तारकेश्वर : मध्यरात्रि में भी कर्तव्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए तारकेश्वर के नवनिर्वाचित भाजपा विधायक संतु पाल ने एक बार फिर लोगों के साथ खड़े रहने का संदेश दिया. देर रात बीमार पड़े एक पार्टी कार्यकर्ता की सहायता कर उन्होंने मानवीयता का उदाहरण प्रस्तुत किया.मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार देर रात तारकेश्वर क्षेत्र के एक भाजपा कार्यकर्ता की तबीयत अचानक गंभीर रूप से बिगड़ गई. परिजन उन्हें तुरंत तारकेश्वर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे. वहां चिकित्सकों ने हालत नाजुक देखते हुए बेहतर उपचार के लिए मरीज को कोलकाता रेफर करने की सलाह दी.इस घटना की सूचना जैसे ही विधायक संतु पाल को मिली, वे स्वयं कोलकाता के मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे और बीमार कार्यकर्ता को भर्ती कराने की व्यवस्था कराई. साथ ही उन्होंने चिकित्सकों से भी मरीज की स्थिति को लेकर बातचीत की.

शुभेंदु के गृह जिले मेदिनीपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं का जुलूस और जश्न

मेदिनीपुर : राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में सुवेंदु अधिकारी के नाम की घोषणा के बाद पूर्व मेदिनीपुर जिले के कांथी, नंदीग्राम और बेलदा में भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच शुक्रवार देर रात तक भारी उत्साह देखा गया. जगह-जगह जुलूस निकालकर और मिठाई बांटकर जीत का जश्न मनाया गया.कांथी और नंदीग्राम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता सुवेंदु अधिकारी के घर के सामने एकत्र हुए. इस दौरान अबीर खेला गया, पटाखे फोड़े गए और समर्थकों ने जय श्रीराम के नारे लगाते हुए खुशी व्यक्त की. कई स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकालकर भाजपा की जीत का उत्सव मनाया.इसी तरह पश्चिम मेदिनीपुर के बेलदा इलाके में भी नारायणगढ़ के भाजपा कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकाला. कार्यकर्ता सुवेंदु अधिकारी की तस्वीर हाथ में लेकर पूरे शहर में घूमे और लोगों को बधाई दी. इस कार्यक्रम में नारायणगढ़ क्षेत्र के भाजपा नेता गौरी शंकर अधिकारी, रामलाल जाना सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे.भाजपा विधायक रमा प्रसाद गिरी ने कहा कि यह जीत पश्चिम बंगाल में राजनीतिक परिवर्तन की नई शुरुआत का संकेत है.

चुनाव हारते ही टीएमसी में बगावत!

विधायकों ने भतीजे अभिषेक के खिलाफ खोला मोर्चा

कोलकाता: पश्चिम बंगाल की राजनीति में बड़ा भूचाल आता नजर आ रहा है. चुनावी हार के बाद ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर बगावत खुलकर सामने आने लगी है. जो नेता अब तक पार्टी नेतृत्व की तारीफ करते नहीं थकते थे, वही अब खुलकर संगठन की कमियों, भ्रष्टाचार और फैसलों पर सवाल उठा रहे हैं. सबसे बड़ा हमला ममता बनर्जी के भतीजे और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पर हो रहा है.

सूत्रों के मुताबिक, कई विधायक और नेता मानते हैं कि पार्टी की हार के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार अभिषेक बनर्जी की कार्यशैली है. आरोप लगाया जा रहा है कि उन्होंने पार्टी को राजनीतिक संगठन की बजाय कॉर्पोरेट कंपनी की तरह चलाने की कोशिश की. इससे पुराने नेताओं और जमीनी कार्यकर्ताओं की आवाज दब गई और संगठन जनता से कटता चला गया.

हावड़ा के बागनान से चार बार के विधायक अरूणाभ सेन ने नेतृत्व पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर वह मुख्यमंत्री होते, तो ऐसी हार के बाद तुरंत इस्तीफा दे देते. इस बयान को सीधे तौर पर ममता बनर्जी के नेतृत्व पर हमला माना जा रहा है. वहीं कई नेताओं का कहना है कि हार की

जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय पद पर बने रहना पार्टी की छवि को और नुकसान पहुंचा रहा है.

मुर्शिदाबाद के एक विधायक ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि पार्टी को हार स्वीकार कर नए सिरे से शुरुआत करनी चाहिए. उनका कहना है कि जब शीर्ष नेतृत्व जिम्मेदारी लेने से बचता है, तो जमीनी कार्यकर्ताओं में गलत संदेश जाता है. पार्टी के भीतर अब यह सवाल जोर पकड़ रहा है कि आत्ममंथन की जगह अहंकार क्यों हावी हो गया.

कई नेताओं ने चुनावी रणनीति संभालने वाली एजेंसियों और लॉबी सिस्टम पर भी निशाना साधा है. उनका कहना है कि सोशल मीडिया प्रचार, डेटा और तकनीक पर जरूरत से ज्यादा भरोसा किया गया

, जबकि जमीनी हकीकत और कार्यकर्ताओं की राय को नजरअंदाज कर दिया गया. इसी वजह से पार्टी का पारंपरिक वोट बैंक भी कमजोर पड़ गया.

इस बीच पार्टी के कुछ बड़े चेहरे भी नाराज दिख रहे हैं. पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने सरकार को भ्रष्ट बताते हुए तीखा हमला बोला, जबकि सांसद और अभिनेता देव ने नेतृत्व पर झूठे वादों का आरोप लगाया.

चुनावी हार के बाद टीएमसी में उठी यह बगावत ममता बनर्जी के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है. अब सवाल यह है कि क्या ममता पार्टी को फिर से एकजुट कर पाएंगी या अंदरूनी कलह बंगाल की राजनीति में नया मोड़ लेगी.

तृणमूल नेता कृष्णेंदु नारायण चौधरी ने शुभेंदु को दी बधाई

मालदा : बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद राजनीतिक शिष्टाचार के नये नये उदाहरण सामने आ रहे हैं. शनिवार सुबह शुभेंदु अधिकारी के शपथ ग्रहण के तृणमूल नेताओं की तरफ से उन्हें बधाई मिलने लगी है. राज्य के पहले भाजपा मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को इंग्लिश बाजार नगर पालिका के तृणमूल चेयरमैन और वरिष्ठ नेता कृष्णेंदु नारायण चौधरी ने शुभकामनाएं दी हैं.इस बारे में कृष्णेंदु नारायण चौधरी ने कहा, बहुत कम उम्र में शुभेंदु मुख्यमंत्री बने है. मैं उन्हें लंबे समय से जानता हूं. उनके पिता शिशिर अधिकारी के साथ हमने राजनीति की है.उन्होंने यह भी याद किया कि जब शुभेंदु तृणमूल के मालदा जिला पर्यवेक्षक थे, तब उनके साथ काम करने का अनुभव रहा है. उन्होंने उम्मीद जताई कि शुभेंदु के नेतृत्व में बंगाल सामाजिक, आर्थिक, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुएगा.हालांकि, कृष्णेंदु की इस पहल ने राजनीतिक हलकों में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है. हाल ही में उन्होंने अभिषेक बनर्जी के खिलाफ कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा था कि उन्होंने पार्टी को धीरे-धीरे खत्म कर दिया है.

ऐसे में अब भाजपा मुख्यमंत्री को औपचारिक बधाई भेजना नई अटकलों को हवा दे रहा है.

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह सिर्फ औपचारिकता नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति भी हो सकती है. उत्तर बंगाल की राजनीति में कृष्णेंदु का प्रभाव काफी मजबूत माना जाता है.

ऐसे में उनके इस रुख से मालदा जिले में तृणमूल के भीतर संभावित बदलाव की अटकलें तेज हो गई है.

अब सबकी नजर इस बात पर है कि क्या आने वाले समय में इंग्लिश बाजार नगर पालिका में भी राजनीतिक बदलाव देखने को मिलेगा.

आदिकर्ण फाउंडेशन एनजीओ, सीतारामपुर की ओर से भव्य प्रभात फेरी का आयोजन हुआ

कुल्टी : 25 वैशाख एवं विश्वकवि रविंदर नाथ टैगोर की जन्मजयंती के पावन अवसर पर आदिकर्ण फाउंडेशन एनजीओ, सीतारामपुर की ओर से एक भव्य प्रभात फेरी का आयोजन किया गया. इस ऐतिहासिक प्रभात फेरी में सैकड़ों की संख्या में महिला, पुरुष, युवा एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. और कविगुरु के आदर्शों, साहित्य एवं सांस्कृतिक विरासत को याद किया.सुबह लगभग 7:30 बजे नियामतपुर क्षेत्र से प्रभात फेरी की शुरुआत हुई, जो विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए अमृत भारत सीतारामपुर स्टेशन परिसर पहुंचकर संपन्न हुई. पूरे मार्ग में एकला चोलो रे,तथा गुरुदेव की रचनाओं और देशभक्ति नारों से वातावरण भक्तिमय एवं सांस्कृतिक

रंग में रंगा रहा. स्थानीय लोगों ने भी जगह-जगह रैली का स्वागत किया.आदिकर्ण फाउंडेशन के चेयरपर्सन संतोष कुमार वर्मा ने कहा कि कविगुरु रविन्द्रनाथ टैगोर केवल बंगाल ही नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक हैं. उनके गीत, कविता, नाट्य एवं विचार आज भी समाज को नई दिशा और प्रेरणा प्रदान करते हैं.उन्होंने कहा कि यह दिन पश्चिम बंगाल के लिए ऐतिहासिक महत्व का भी है, क्योंकि आज राज्य में भारतीय जनता पार्टी की नई सरकार ने शपथ ग्रहण किया है, शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली. वहीं पश्चिम बर्दवान जिले से अग्निमित्रापाल को भी मंत्रिमंडल में शपथ दिलाई गई. श्री वर्मा ने इसे लोकतंत्र की जीत एवं जनता के विश्वास का परिणाम बताया.उन्होंने कहा कि आदिकर्ण फाउंडेशन की ओर से राज्य की नई सरकार को शुभकामनाएं देते हुए सभी प्रदेशवासियों के सुख, शांति और विकास की कामना की गई है. साथ ही प्रभात फेरी में शामिल मातृशक्ति एवं बहनों की सहभागिता को उन्होंने समाज की जागरूकता और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बताया.यह प्रभात फेरी सामाजिक सौहार्द, सांस्कृतिक गौरव और लोकतांत्रिक उत्सव का अद्भुत संगम बनकर क्षेत्र में चर्चा का विषय रहा.

सुवेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री पद की शपथ के बाद उत्तर विधानसभा कार्यालय में उत्साह और जश्न का माहौल

आसनसोल, : आसनसोल,पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार गठन और सुवेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री पद की शपथ के बाद आसनसोल के कोर्ट मोड़ स्थित भाजपा उत्तर विधानसभा कार्यालय में उत्साह और जश्न का माहौल देखने को मिला. भाजपा कार्यकर्ताओं ने भगवा गुलाल उड़ाकर होली खेली, आतिशबाजी कर दिवाली जैसा उत्सव मनाया और एक-दूसरे को मिठाइयाँ खिलाकर खुशी साझा की.इस दौरान भाजपा की उत्तर विधानसभा मंडल अध्यक्ष अमिता श्री ने कहा कि पिछले 50 वर्षों से बंगाल में चल रहे कुशासन से जनता को मुक्ति मिली है. अब राज्य में भाजपा की सरकार बनी है, और सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल विकास की नई दिशा में आगे बढ़ेगा. भाजपा का सपना 'सोनार बांग्ला' अब साकार होगा.उन्होंने कहा कि उत्तर विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार कृषनेन्दु मुखर्जी को जनता ने ऐतिहासिक जनसमर्थन देकर विजयी बनाया है. यह जीत केवल एक विधानसभा की नहीं बल्कि पूरे राज्य में परिवर्तन की भावना का प्रतीक है.भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि नई सरकार राज्य में विकास, रोजगार, बेहतर कानून व्यवस्था और पारदर्शी प्रशासन स्थापित करने का कार्य करेगी. कार्यालय परिसर में देर तक जय श्रीराम और सोनार बांग्ला के नारों के साथ जश्न का माहौल बना रहा.

कोलकाता, 10 मई 2026
SUNDAY
युवा शक्ति
Yप्लस
www.yuvashaktinews.com

धर्मशक्ति 6-7 जीवन शक्ति 8

माता सीता ने किया महाराज दशरथ का पिंडदान

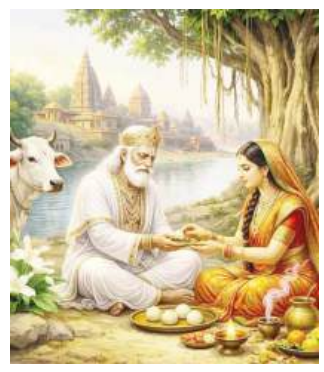

हनुमान जी को क्यों चढ़ाया जाता है सिंदूर

सख्त या नरम, पेट की कौन सी चर्बी है ज्यादा खतरनाक?

लड़े और जीते शुभेंदु अधिकारी, अब सीएम का ताज!

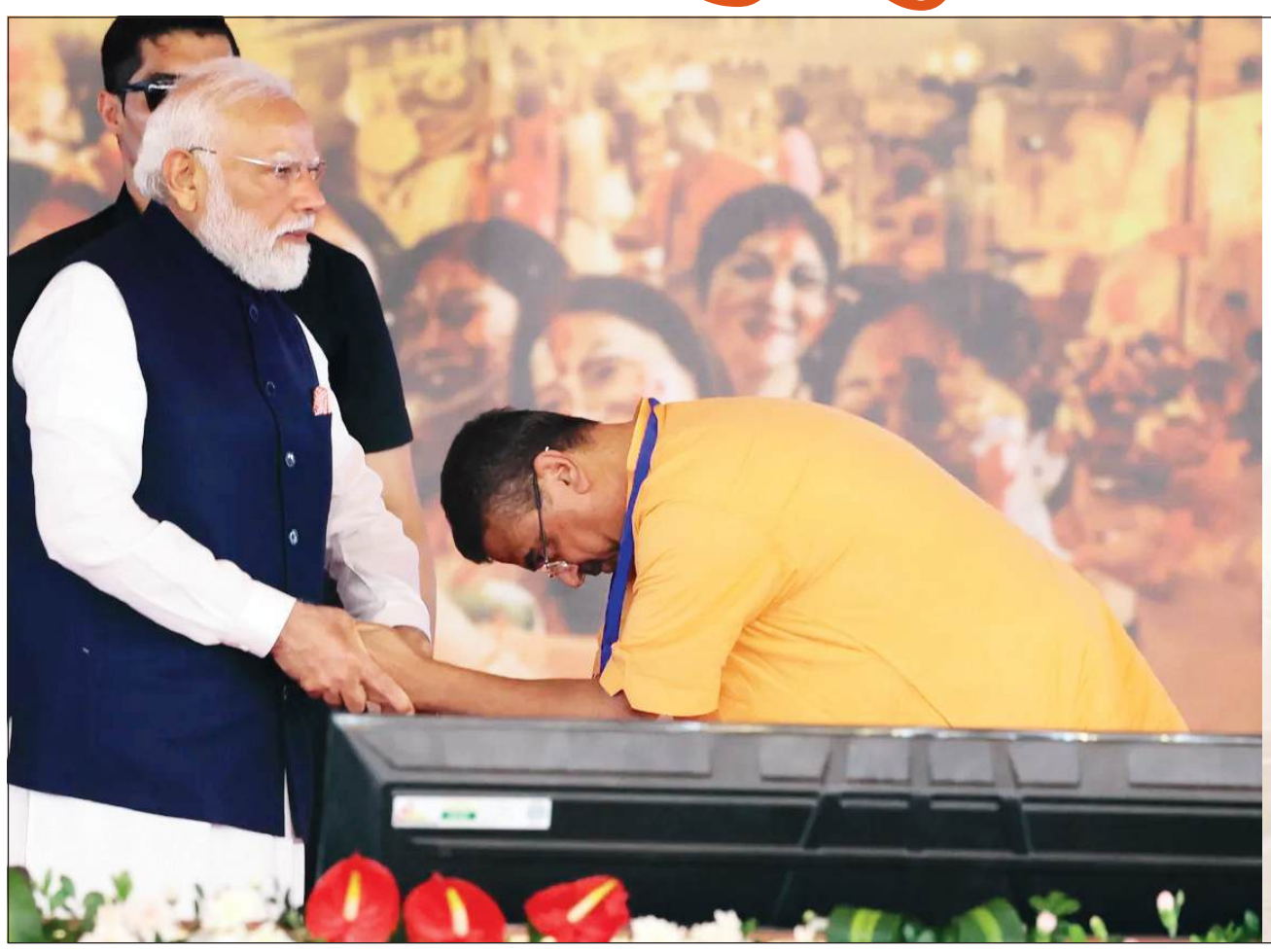

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी की बड़ी जीत के नायकों में से एक शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को ब्रिगेड परेड मैदान में 4 मंत्रियों के साथ सीएम पद की शपथ ली. इसके पहले बंगाल में वो नेता विपक्ष थे. कभी ममता बनर्जी के वफादार रहे शुभेंदु अधिकारी का बीजेपी को 3 सीटों से 77 और अब दो तिहाई बहुमत तक पहुंचने में बड़ा योगदान है.

सुधांशु शेखर

विधानसभा चुनाव में बीजेपी की पहली बार सरकार बनह है और ममता बनर्जी का 15 साल का किला ढह गया है. बीजेपी को महाविजय के लिए बंगाल में ही किसी कद्दावर नेता की तलाश थी और ममता बनर्जी के सिपहसालार शुभेंदु अधिकारी को पाले में लाकर वो कमी पूरी की गई. टीएमसी की चुनावी रणनीति को बखूबी समझने वाले शुभेंदु अधिकारी ने संदेशखाली, आरजीकर और उलबेड़िया-हावड़ा में दुर्गा पूजा हिंसा जैसे मुद्दे पर ममता को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी. पूरे बंगाल को कई यात्राओं से मथ डाला. कांग्रेस से सियासी सफर शुरू करने वाले अधिकारी ने ममता के साथ ही 1998 में तृणमूल कांग्रेस का दामन थामा था. शुभेंदु अधिकारी अविवाहित हैं और उत्कल ब्राह्मण समुदाय से ताल्लुक रखते हैं.

राजनीतिक विरासत में आगे बढ़े

शुभेंदु अधिकारी का जन्म 15 दिसंबर 1970 को पूर्वी मेदिनीपुर के कांथी में एक समृद्ध राजनीतिक परिवार में हुआ था.उनके पिता शिशिर अधिकारी बंगाल की राजनीति में सम्मानित और कद्दावर नाम हैं. उनके पिता, शिशिर अधिकारी राज्य के एक प्रमुख नेता हैं जो मनमोहन सिंह सरकार में केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री रह चुके हैं. पूर्व मेदिनीपुर क्षेत्र में उनके परिवार का इतना गहरा प्रभाव है कि उन्हें अक्सर इलाके का सियासी सम्राट कहा जाता है. शुभेंदु के भाई दिब्येंदु और सौमेंदु भी सांसद और नेता के रूप में सक्रिय हैं. मेदिनीपुर के पूरे क्षेत्र पर दशकों से अधिकारी परिवार का प्रभाव रहा है. शिक्षा के क्षेत्र में, शुभेंदु ने रवींद्र भारती विश्वविद्यालय से कला में स्नातकोत्तर की डिग्री ली है.

शुभेंदु ने राजनीति की शुरुआती बारीकियां उन्हीं से सीखीं. उन्होंने अपना राजनीतिक करियर 1989 में कांग्रेस की छात्र परिषद से शुरू किया.उस दौर में पूरे बंगाल में वामपंथी छात्र संगठनों का एकछत्र दबदबा था, ऐसे में एक विपक्षी छात्र नेता के रूप में उन्हें पहचान बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा. शुभेंदु अधिकारी की राजनीति में एंट्री कांग्रेस के जरिए हुई थी 1995 में उन्होंने अपने पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए कांग्रेस जॉइन की. इसी साल वह पहली बार कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में पूर्वी मेदिनीपुर की कांथी नगर पालिका में पार्षद चुने गए थे. हालांकि, शुभेंदु और कांग्रेस का साथ ज्यादा लंबा नहीं चला. 1998 में जब ममता बनर्जी ने कांग्रेस से अलग होकर अपनी नई पार्टी तृणमूल कांग्रेस का गठन किया, तो शुभेंदु और उनका पूरा परिवार भी टीएमसी का हिस्सा बन गया. इसी के चलते अधिकारी परिवार के कोई बार टीएमसी के सह-संस्थापकों के तौर पर भी जाना जाता है. साल 2006 में वह कांथी दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में जीतकर पहली बार पश्चिम बंगाल विधानसभा पहुंचे.

नंदीग्राम और जननेता का उदय

ममता बनर्जी ने 1998 में तृणमूल कांग्रेस की नींव रखी तो शुभेंदु अधिकारी और उनका परिवार ममता के साथ जुड़ गया. लेकिन शुभेंदु के जीवन का सबसे अहम मोड़ साल 2007 में आया, जब वामपंथी सरकार ने नंदीग्राम में केमिकल हब बनाने के लिए किसानों की जमीन अधिग्रहित करने का फैसला किया, उस समय लेफ्ट सरकार इतनी शक्तिशाली थी कि कोई भी उनके खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत नहीं कर सकता था. लेकिन यहीं पर शुभेंदु अधिकारी ने वो कर दिखाया, जिसने उन्हें एक आम नेता से 'जननेता' बना दिया. ममता बनर्जी बेशक इस पूरे आंदोलन का सबसे बड़ा चेहरा थीं. वह कोलकाता से लेकर दिल्ली तक मीडिया में नंदीग्राम की आवाज उठा रही थीं, लेकिन कैमरों से दूर असली लड़ाई नंदीग्राम की संकरी पगडंडियों और खेतों में लड़ी जा रही थी.

नंदीग्राम आंदोलन के असली नायक

जन आंदोलन खड़ा करने, लोगों को हिम्मत देने और लेफ्ट के मजबूत काडर से सीधी टक्कर लेने का काम शुभेंदु अधिकारी कर रहे थे.उन्होंने गांव वालों को एकजुट करके 'भूमि उच्छेद प्रतिरोध कमेटी' बनाई. शुभेंदु का काम करने का तरीका बाकी नेताओं से बिल्कुल अलग था. वह सिर्फ रैलियों में भाषण देकर वापस कोलकाता लौटने वाले नेता नहीं थे.वह रात को नंदीग्राम के गांवों में रुकते, लोगों से ठेठ स्थानीय भाषा में बात करते और उनके डर को दूर करते. जहां लेफ्ट सरकार पुलिस और अपने काडर के दम पर लोगों को डरा रही थी, वहीं शुभेंदु किसानों के लिए एक मजबूत ढाल बनकर खड़े हो गए थे. इसी जमीनी जुड़ाव की वजह से गांव वाले उन पर आंख मूंदकर भरोसा करने लगे थे. 14 मार्च 2007 की पुलिस फायरिंग के बाद जब पूरा प्रदेश खौफ में था, शुभेंदु ने पीछे हटने के बजाय घायलों को अस्पताल पहुंचाया और डरे हुए परिवारों का संबल बने. राजनीतिक जानकार मानते हैं कि नंदीग्राम की असली चाबी शुभेंदु के हाथों में थी, जिससे 2011 में 34 साल पुरानी वामपंथी सरकार का पतन सुनिश्चित हुआ.

मोदी लहर में भी लोकसभा चुनाव जीते

तृणमूल कांग्रेस की 2011 की बंपर जीत ने यह साबित कर दिया कि शुभेंदु अधिकारी अब केवल एक विधायक नहीं बल्कि बंगाल की राजनीति के एक स्तंभ बन चुके हैं. उन्होंने 2009 के लोकसभा चुनाव में तमलुक सीट से लड़ा और लेफ्ट के दिग्गज नेता लक्ष्मण सेठ को 1 लाख से ज्यादा वोटों से हराकर अपनी ताकत दिखाई. 2014 के लोकसभा चुनाव में मोदी लहर के बावजूद उन्होंने अपनी सीट बरकरार रखी.

> विवादों के बावजूद वो बंगाल में बीजेपी का सबसे मुखर चेहरा रहे. शुभेंदु और ममता की यह सियासी दुश्मनी इस बात का सटीक उदाहरण है कि राजनीति में न कोई पक्का दोस्त होता है और न ही कोई पक्का दुश्मन. नंदीग्राम का यह नायक, जिसने लेफ्ट को गिराया और फिर 'दीदी' को चुनौती दी, उसने बंगाल की सत्ता का समीकरण बदल दिया.

ममता के दाहिने हाथ बने शुभेंदु

ममता बनर्जी को बंगाल के प्रशासनिक ढांचे और संगठन को और अधिक धार देने के लिए शुभेंदु की जरूरत महसूस हुई. उन्हें राज्य की राजनीति में बुलाया गया और परिवहन और सिंचाई जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालय दिए. इन विभागों के जरिए शुभेंदु का सरकारी मशीनरी और जमीनी ढांचे पर नियंत्रण और भी मजबूत हो गया. इस दौरान उन्होंने मुर्शिदाबाद, मालदा और जंगल महल जैसे उन क्षेत्रों में भी टीएमसी को खड़ा किया, जहां पहले विपक्ष का कब्जा था.पूरे बंगाल के हर कार्यकर्ता के लिए 'दादा' बन चुके थे. टीएमसी में रहते हुए शुभेंदु ने ग्रामीण बंगाल में गहरी पैठ बनाई. उनके नेतृत्व को देखते हुए ममता बनर्जी ने उन्हें 'जंगल महल' क्षेत्र- पश्चिम मेदिनीपुर, पुरुलिया और बांकुड़ा का प्रभारी बनाया. इन सभी जगहों पर उन्होंने टीएमसी का सफलतापूर्वक विस्तार किया. इसके अलावा, मुर्शिदाबाद और मालदा जैसे जिलों में भी कांग्रेस को कमजोर कर टीएमसी को मजबूत करने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई. यही वजह है कि जब शुभेंदु भाजपा में शामिल हुए तो भले ही उन्होंने टीएमसी छोड़ दी, लेकिन इन क्षेत्रों पर उनका प्रभाव लगातार बना रहा.

शुभेंदु अधिकारी की छवि पर 2016 के बाद कुछ विवादों के बाद असर पड़ा, लेकिन असली भूकंप 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद आया. बीजेपी के बेहतरीन प्रदर्शन ने ममता बनर्जी को परेशान कर दिया, जिसके बाद चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की एंट्री हुई. ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी का पार्टी में वर्चस्व बहुत तेजी से बढ़ा. शुभेंदु जैसे 'ग्राउंड लीडर' को महसूस होने लगा कि पार्टी में कॉर्पोरेट स्टाइल के दखल के कारण उनके जैसे पुराने कार्यकर्ताओं की उपेक्षा की जा रही है. यह असंतोष महीनों तक सुलगता रहा और आखिरकार नवंबर 2020 में कैबिनेट से इस्तीफे के साथ बाहर आ गया. टीएमसी में खलबली मच गई और पार्टी आलाकमान को समझ आ गया कि एक बहुत बड़े कद का नेता उनके हाथ से फिसल रहा है. टीएमसी के वरिष्ठ नेता सौगत रॉय और खुद प्रशांत किशोर ने शुभेंदु को मनाने की बहुत कोशिश की, लेकिन शुभेंदु अपना मन बना चुके थे. इन मतभेदों के चलते उन्होंने पार्टी के कार्यक्रमों और कैबिनेट की बैठकों से दूरी बनानी शुरू कर दी थी. 10 नवंबर 2020 को उन्होंने नंदीग्राम में एक रैली आयोजित की थी, जिसमें टीएमसी का कोई बैनर नहीं लगाया गया था और न ही उन्हें वहां एक मंत्री के रूप में संबोधित किया गया. इसी रैली में उन्होंने खुले मंच से कहा था, 'मैदान-ए-जंग में मिलेंगे', जिससे उनके बागी होने के साफ संकेत मिल गए थे. टीएमसी नेतृत्व की ओर से उन्हें मनाने के प्रयास लगातार नाकाम रहे और नवंबर-दिसंबर 2020 में उन्होंने एक-एक करके अपने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया.

> ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी का जब पार्टी में वर्चस्व बहुत तेजी से बढ़ा. शुभेंदु जैसे 'ग्राउंड लीडर' को महसूस होने लगा कि पार्टी में कॉर्पोरेट स्टाइल के दखल के कारण उनके जैसे पुराने कार्यकर्ताओं की उपेक्षा की जा रही है. यह असंतोष महीनों तक सुलगता रहा और आखिरकार नवंबर 2020 में कैबिनेट से इस्तीफे के साथ बाहर आ गया.

26 नवंबर 2020: शुभेंदु ने हुगली रिवर ब्रिज कमीशन के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया.

27 नवंबर 2020: ममता सरकार में परिवहन और सिंचाई मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया.

16 दिसंबर 2020: विधायक के पद से अपना इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष को सौंपा.

17 दिसंबर 2020: आखिरकार तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्राथमिक सदस्यता से भी पूरी तरह से इस्तीफा दे दिया.

बगावत और बीजेपी में शामिल होना

शुभेंदु अधिकारी ने दिसंबर 2020 में तृणमूल कांग्रेस और विधायक पद से इस्तीफा दे दिया. यह एक 20 साल पुराने रिश्ते का अंत था. 19 दिसंबर 2020 को मेदिनीपुर में अमित शाह की रैली में उन्होंने भगवा चोला ओढ़ लिया. टीएमसी के लिए यह एक बड़ा झटका था, जबकि बीजेपी के लिए यह बंगाल में सत्ता के द्वार खोलने जैसा था. टीएमसी ने उन पर ईडी और सीबीआई के डर का आरोप लगाया, जबकि शुभेंदु ने पार्टी को 'प्राइवेट लिमिटेड कंपनी' बताकर अपनी नाराजगी जाहिर की. टीएमसी से सारे नाते तोड़ने के बाद, 2021 के बंगाल विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले 19 दिसंबर 2020 को शुभेंदु अधिकारी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में आधिकारिक रूप से भाजपा में शामिल हो गए. यहां उन्हें सीधे 2021 के चुनाव में भाजपा को जीत दिलाने की अहम भूमिका सौंपी गई. हालांकि, तब तक बंगाल में भाजपा के कुछ और चेहरे भी सक्रिय भूमिका में थे. इनमें एक नाम दिलीप घोष और दूसरा नाम- कैलाश विजयवर्गीय का था. ऐसे में 2021 के चुनाव में शुभेंदु को उतना दायरा नहीं मिला, जितना उन्हें 2026 के चुनाव में मिला है.

नंदीग्राम से गुरु को हराया

ममता बनर्जी ने 2021 के चुनाव में अपनी सुरक्षित भवानीपुर सीट छोड़कर शुभेंदु के गढ़ नंदीग्राम से लड़ने का फैसला किया. यह चुनावी मुकाबला नहीं, बल्कि साख और अहंकार का युद्ध बन गया था. नंदीग्राम में शुभेंदु ने ममता बनर्जी को हराकर पूरे देश को चौंका दिया. इस जीत ने उन्हें रातों-रात बीजेपी का सबसे बड़ा चेहरा बना दिया और उन्हें 'लीडर ऑफ अपोजिशन' का पद मिला.आज शुभेंदु अधिकारी ममता सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती हैं. उन पर कई मुकदमे दर्ज हैं (जैसे पूर्व बॉडीगार्ड की मौत का मामला और राहत चोरी के आरोप), जिन्हें वे बदले की राजनीति का हिस्सा मानते हैं.

2021 में नंदीग्राम सीट से जब उन्होंने चुनाव लड़ने की घोषणा की और इस सीट पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें चुनौती दी तो शुभेंदु ने जीत हासिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ी. उन्होंने ममता बनर्जी को 1956 वोटों के अंतर से हरा दिया. ममता को इस सीट पर हार के बाद भवानीपुर सीट से चुनाव लड़ना पड़ा और इसके बाद ही उनकी सीएम कुर्सी उनके पास रही. शुभेंदु की इस जीत के बाद उन्हें जायंट किलर के तौर पर पहचाना गया और भाजपा में उनका कद तेजी से बढ़ा.

बंगाल भाजपा को कैसे जिताया चुनाव?

विपक्ष के नेता की भूमिका: नंदीग्राम की जीत के बाद, मई 2021 में उन्हें पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किया गया. इस पद के मिलने के बाद से ही माना जाने लगा था कि अगर भाजपा बंगाल में सत्ता हासिल करती है, तो उन्हें मुख्यमंत्री पद के सबसे मुख्य दावेदार होंगे.

पार्टी के अंदर एकजुटता बढ़ाने वाले मुख्य रणनीतिकार

2021 के चुनाव में हार के बाद गुटबाजी से जूझ रही बंगाल भाजपा इकाई में शुभेंदु ने नेताओं को एकजुट करने का काम किया है. विश्लेषकों के मुताबिक, 2026 के चुनाव में टिकट बंटवारे से लेकर चुनावी रणनीतियों तक में उनका सीधा प्रभाव है. केंद्रीय नेतृत्व खासकर अमित शाह के साथ उनके करीबी समीकरणों ने राज्य इकाई में उनके प्रभाव को और मजबूत किया है.

> 2021 के चुनाव में हार के बाद गुटबाजी से जूझ रही बंगाल भाजपा इकाई में शुभेंदु ने नेताओं को एकजुट करने का काम किया है. विश्लेषकों के मुताबिक, 2026 के चुनाव में टिकट बंटवारे से लेकर चुनावी रणनीतियों तक में उनका सीधा प्रभाव है. केंद्रीय नेतृत्व खासकर अमित शाह के साथ उनके करीबी समीकरणों ने राज्य इकाई में उनके प्रभाव को और मजबूत किया है.

भ्रष्टाचार और चुनाव बाद हिंसा पर आक्रामक रुख

2 मई 2021 को चुनाव परिणाम आने के बाद बंगाल में हुई राजनीतिक हिंसा के खिलाफ शुभेंदु ने कलकत्ता उच्च न्यायालय में सबूतों के साथ याचिकाएं दायर कीं. नतीजतन अदालत ने मामले में एफआईआर दर्ज करने और जांच के आदेश दिए. इसके अलावा, वह सारदा चिट फंड घोटाले और अन्य भ्रष्टाचार मामलों में टीएमसी नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए सीबीआई और ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियों पर लगातार दबाव बनाते रहे हैं.

घुसपैठ और सीएए पर मुखर रुख

भाजपा के वैचारिक रुख के तहत उन्होंने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता देने का पुरजोर समर्थन किया है. साथ ही, उन्होंने बंगाल में रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया है और टीएमसी सरकार पर फर्जी वोटर आईडी बनाने में मदद करने का आरोप लगाया.

ममता बनर्जी को सीधी चुनौती

2026 के चुनावों में शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को उनकी ही सीट भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र से भी हराया. इसके जरिए उन्होंने खुद को पार्टी के प्रमुख चेहरे के तौर पर स्थापित किया और सीएम पद का दावेदार होने के संकेत भी दिए.

अब मुख्यमंत्री बने अधिकारी

विवादों के बावजूद वो बंगाल में बीजेपी का सबसे मुखर चेहरा रहे. शुभेंदु और ममता की यह सियासी दुश्मनी इस बात का सटीक उदाहरण है कि राजनीति में न कोई पक्का दोस्त होता है और न ही कोई पक्का दुश्मन. नंदीग्राम का यह नायक, जिसने लेफ्ट को गिराया और फिर 'दीदी' को चुनौती दी, उसने बंगाल की सत्ता का समीकरण बदल दिया.

प्रदोष व्रत से सभी मनोकामनाओं की पूत के साथ-साथ जीवन में सुख, समृद्धि व खुशहाली मिलती है तथा जीवन के समस्त दोषों का शमन भी होता है.प्रदोष व्रत के दिन व्रतकर्ता को मन-वचन-कर्म से बचते हुए शुचिता का विशेष ध्यान रखना चाहिए तथा दिन में शयन नहीं करना चाहिए. अपनी सामर्थ्य के अनुसार ब्राह्मण को दान तथा जरूरतमंद एवं असहायों की सेवा व सहायता अवश्य करते रहना चाहिए.

सप्ताह के व्रत-त्यौहार

11 मई से 17 मई 2026 तक
(ज्येष्ठ/कृष्ण पक्ष - ग्रीष्म ऋतु)

13 मई (बुधवार) अचला एकादशी व्रत.
14 मई (गुरुवार) प्रदोष व्रत, पंचगी का त्रिदिनात्मक वट सावित्री व्रत का प्रथम संयम.
15 मई (शुक्रवार) मास शिवरात्रि व्रत, वट सावित्री व्रत का द्वितीय संयम.
16 मई (शनिवार) स्नान-दान-श्राद्धादि की शनि अमावस्या, शनि जयन्ती, वट सावित्री व्रत का तृतीय संयम.

माता सीता ने किया महाराज दशरथ का पिंडदान

मथुरा बाबू की परीक्षा और रामकृष्ण की दिव्यता

...कि ईश्वर प्राप्ति के लिए मन का 'बालक' की तरह निर्मल होना अनिवार्य है. इस घटना के बाद मथुरा बाबू ने स्वीकार किया कि श्री रामकृष्ण कोई साधारण साधु नहीं, बल्कि ईश्वर के अवतार हैं. जिसके मन में काम का लेशमात्र भी अंश नहीं है, उसके लिए पूरा संसार ही ब्रह्ममय है.

विष्णु भगवान ने दिया देवर्षि नारद जी को श्राप

जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी

...श्रीराम बोले, पुत्र, जब तुमने मुझे राजाधिराज के रूप में याद किया, तो मैं सामान्य व्यक्ति की भांति दौड़कर कैसे आ सकता था? राजा के आने के लिए पहले सवारी तैयार होती है, लश्कर सजता है और पूरी राजसी व्यवस्था की...

...जब भगवान ने चीर बढ़ाकर उनकी लाज बचा ली, तब बाद में द्रौपदी ने पूछा कि प्रभु, आपको आने में कुछ पलों का विलंब क्यों हुआ? भगवान ने बड़ी मार्मिक बात कही, हे देवी! तुमने मुझे 'द्वारकावासी' कहकर पुकारा. मैं तो तुम्हारे हृदय में ही था, पर तुम्हारी पुकार के मान...

...और यदि हम उन्हें अपने भीतर या अपने पास मानेंगे, तो वे पलक झपकते ही उपलब्ध हैं.
निष्कर्ष: ईश्वर को पाने के लिए नियम नहीं, प्रेम की शुद्धता चाहिए. भक्त जिस रूप और स्थान पर उन्हें बुलाता है, भगवान उसी मर्यादा का पालन करते हुए वहां पहुँच जाते हैं.

हनुमान जी को क्यों चढ़ाया जाता है सिंदूर

...लगा लूँ तो प्रभु की आयु और भी अधिक बढ़ जाएगी, वे अजर-अमर हो जाएँगे!
यह सोचकर हनुमान जी तुरंत उठे. उन्होंने माता सीता से अनुमति ली और सिंदूर की पूरी डिबिया लेकर बगीचे में चले गए. वहाँ उन्होंने पूरे शरीर पर - सिर से पैर तक -...

...कि सिंदूर लगाने से पति की आयु बढ़ती है. मैंने सोचा, यदि माता केवल मांग में लगाती हैं तो मैं आपका सेवक हूँ. इसलिए मैंने पूरे शरीर पर लगा लिया है ताकि आपकी आयु बहुत लंबी हो जाए और आप सदा स्वस्थ रहें.यह सुनकर सभा में सन्नाटा छा गया.

...कहलाओगे और युगों-युगों तक लोग तुम्हारी इस भक्ति की गाथा गाएँगे.
उस दिन से हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाने की परंपरा शुरू हुई. आज भी भक्त हनुमान जी के मंदिर में सिंदूर चढ़ाते हैं और उनकी बाल-भक्ति को याद करते हैं.

गुरु प्रदोष व्रत : 14 मई को

देवाधिदेव महादेव की पूजा-अर्चना से सुख-समृद्धि का सुयोग

ज्योतिवद् श्री विमल जैन

हिन्दू सनातन धर्म में अपनी-अपनी रीति-रिवाज के अनुसार हर आस्थावान धर्मावलम्बी मनोरथ की पूत के लिए भगवान् शिवजी की पूजा-अर्चना करके लाभ उठाते हैं. तैंतीस कोटि देवी-देवताओं में भगवान शिवजी को देवाधिदेव महादेव माना गया है. इनकी पूजा-अर्चना से जीवन में अलौकिक शान्ति के साथ ही सुख-समृद्धि, खुशहाली का सुयोग बनता है. व्रत उपवास रखकर विधि-विधानपूर्वक भगवान शिवजी की पूजा-अर्चना करने की विशेष महिमा है. वैसे तो भगवान शिवजी की पूजा कभी भी की जा सकती है, लेकिन प्रदोष व्यापिनी त्रयोदशी तिथि के दिन पूजा-अर्चना का विशेष महत्व है. प्रत्येक मास के दोनों पक्षों की त्रयोदशी तिथि के दिन प्रदोष व्रत रखने की धामक परम्परा है. इस बार 14 मई, गुरुवार को प्रदोष व्रत रखा जाएगा. कलियुग में प्रदोष व्रत को शीघ्र फलदायी माना गया है. प्रख्यात ज्योतिषविद् श्री विमल जैन ने बताया कि ज्येष्ठ कृष्णपक्ष की त्रयोदशी तिथि 14 मई, गुरुवार को दिन में 11 बजकर 21 मिनट पर लगेगी, जो कि अगले दिन 15 मई, शुक्रवार को प्रात: 8 बजकर 32 मिनट तक रहेगी. रेवती नक्षत्र 13 मई, बुधवार को अर्द्धरात्रि के पश्चात् 12 बजकर 18 मिनट से 14 मई, गुरुवार की रात्रि 10 बजकर 34 मिनट तक रहेगा. आयुष्मान योग 14 मई, गुरुवार को सायं 5 बजकर 54 मिनट से 15 मई, शुक्रवार को दिन में 2 बजकर 22 मिनट तक रहेगा. जिसके फलस्वरूप प्रदोष व्रत 14 मई, गुरुवार को रखा जाएगा. प्रदोषकाल का समय सूर्यास्त से 48 मिनट या 72 मिनट का माना जाता है. सम्पूर्ण दिन निराहार रहते हुए सायंकाल पुन: स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करके प्रदोषकाल में उत्तराभिमुख होकर भगवान शिवजी की पूजा-अर्चना करने का विधान है.

प्रत्येक दिन के प्रदोष व्रत का लाभ ज्योतिषविद् श्री विमल जैन जी ने बताया कि प्रत्येक दिन के प्रदोष व्रत का अलग-अलग प्रभाव है. जैसे रवि प्रदोष-आयु एवं आरोग्य लाभ, सोम प्रदोष-शान्ति एवं रक्षा, भौम प्रदोष-कर्ज से मुक्ति, बुध प्रदोष-मनोकामना की पूत, गुरु प्रदोष-विजय प्राप्ति, शुक्र प्रदोष-आरोग्य, सौभाग्य एवं मनोकामना की पूत, शनि प्रदोष-पुत्र सुख की प्राप्ति. मनोरथ की पूत के लिए 11 प्रदोष व्रत या वर्ष के समस्त त्रयोदशी तिथियों का व्रत अथवा अभीष्ट की पूत होने तक प्रदोष व्रत रखने की धामक मान्यता है.

प्रदोष व्रत का विधान ज्योतिषविद् श्री विमल जैन जी ने बताया कि व्रतकर्ता को प्रात:काल सूर्योदय के पूर्व ब्रह्ममुहूर्त में उठकर समस्त दैनिक कार्यों से निवृत्त होकर स्वच्छ (धुले हुए) वस्त्र धारण करना चाहिए. अपने आराध्य देवी-देवता की पूजा-अर्चना के पश्चात् दाहिने हाथ में जल, पुष्प, फल, गन्ध व कुश लेकर प्रदोष व्रत का संकल्प लेना चाहिए. दिनभर निराहार रहकर सायंकाल पुन: स्नान करके प्रदोष काल में भगवान शिवजी की विधि-विधान पूर्वक पंचोपचार, दशोपचार अथवा षोडशोपचार श्रद्धा-भक्तिभाव के साथ पूजा-अर्चना करनी चाहिए.

भगवान शिवजी को क्या करें अपत देवाधिदेव महादेवजी का अभिषेक करके उन्हें वस्त्र, यज्ञोपवीत, आभूषण, सुगन्धित द्रव्य के साथ बेलपत्र, कनेर, धतूरा, मदार, ऋतुपुष्प, नैवेद्य आदि अपत करके धूप-दीप के साथ पूजा-अर्चना करनी चाहिए. ऐसी धामक मान्यता है कि व्रतकर्ता अपने मस्तिष्क पर भस्म और तिलक लगाकर देवाधिदेव शिवजी की पूजा करें तो पूजा शीघ्र फलित होती है. देवाधिदेव महादेव जी की महिमा में प्रदोष स्तोत्र का पाठ एवं स्कन्दपुराण में वणत प्रदोष व्रत कथा का पठन या श्रवण अवश्य करना चाहिए. प्रदोष व्रत से सम्बन्धित कथाएँ भी सुननी चाहिए. यह व्रत महिला एवं पुरुष दोनों के लिए समानरूप से फलदायी है. प्रदोष व्रत से सभी मनोकामनाओं की पूत के साथ-साथ जीवन में सुख, समृद्धि व खुशहाली मिलती है तथा जीवन के समस्त दोषों का शमन भी होता है.प्रदोष व्रत के दिन व्रतकर्ता को मन-वचन-कर्म से बचते हुए शुचिता का विशेष ध्यान रखना चाहिए तथा दिन में शयन नहीं करना चाहिए. अपनी सामर्थ्य के अनुसार ब्राह्मण को दान तथा जरूरतमंद एवं असहायों की सेवा व सहायता अवश्य करते रहना चाहिए.

जब सुदामा ने संपूर्ण सृष्टि के कल्याण के लिए स्वयं का दरिद्र होना स्वीकार किया

...को देखकर इतने मगन हो गए कि बिना कुछ भी विचार किये उन्हे समस्त त्रिलोक की संपदा एवं समृद्धि देने जा रहे थे. कृष्ण ने अपनी उसी आमोदित अवस्था में कहा, वह मेरे बालपन का मित्र है रुक्मिणी.
परंतु उन्होंने तो बचपन में आपसे छुपाकर वो चने भी खाये थे जो गुरुमाता ने उन्हे आपसे बाँटकर खाने को कहे थे? अब ऐसे मित्र के लिए इतनी भावुकता क्यों?, सत्यभामा ने भी अपनी जिज्ञासा रखी.
कृष्ण मुस्कुराये, सुदामा ने तो वह कार्य किया है सत्यभामा, कि समस्त सृष्टि को उसका आभार मानना चाहिए. वो चने उसने इसलिए नही खाये थे कि उसे भूँख लगी थी बल्कि उसने इसलिए खाये थे क्योंकि वो नही चाहता था कि उसका मित्र कृष्ण दरिद्रता देखे.
उसे ज्ञात था कि वे चने आश्रम में चोर छोड़कर गए थे, और उसे...

...हृदय भर आया रुक्मिणी. उसके पाँवों में ऐसे घाव और जीवन में उसकी ऐसी दशा मात्र इसलिए हुई क्योंकि वह अपने इस मित्र का भला चाहता था.
पता है रुक्मिणी, परिवार को छोड़कर किसी और ने कभी इस कृष्ण का इतना भला नही चाहा. लोग बाग तो मुझसे उनका भला करने की अपेक्षा रखते हैं. बस सुदामा जैसे मित्र ही होते हैं जो अपने मित्र के सुख के लिए स्वेच्छा से दरिद्रता एवं कष्ट का आवरण ओढ़ लेते हैं.
ऐसे मित्र दुर्लभ होते हैं और न जाने किन पुण्यों के फलस्वरूप मिलते हैं. अब ऐसे मित्र को यदि त्रिलोक की समस्त संपदा भी दे दी जाए तो भी कम होगा., कृष्ण अपने भावुकता से भर्राये हुए स्वर में बोले.
इधर कक्ष में समस्त रानियों के नेत्र सजल थे और उधर कक्ष के बाहर खड़े सुदामा के नेत्रों से गंगा यमुना बह रही थीं.

सांसारिक सुख और सम्मान से सावधान रहना चाहिए

...जो कुछ चाहता है, उसे दे दिया जाता है; वैसे ही यह भेड़ा भी मरणासन्न है. उसे मारने के लिए ही पुष्ट किया जा रहा है. हमारे सूखे तृण ही हमारे लिए शुभ हैं.कुछ दिन बीत गए. एक संध्या को जब गाय वन से चरकर लौटी, तब उसने देखा कि उसका बछड़ा भय से काँप रहा है. वह न दौड़ रहा है, न बोल रहा है. दीवार से सटा दुबका खड़ा है. पास जाने पर भी उसने दूध पीने का कोई प्रयत्न नहीं किया. गाय ने उसे चाटते हुए पूछा-
बेटा! आज तुझे क्या हो गया है?
बछड़ा बोला- माँ! मैंने देखा कि उस भेड़े को पहले तो खूब सजाया गया, फूल-माला पहनाई गई; किंतु बाद में एक मनुष्य ने उसका मस्तक काट दिया. बेचारा केवल एक बार ही चीत्कार कर सका. उसने थोड़ी ही देर पैर पटके. उसके शरीर के भी हत्यारों ने टुकड़े-टुकड़े कर दिए. अब भी वहाँ आँगन में भेड़े का रक्त पड़ा है. यह सब देखकर मैं बहुत डर गया हूँ.गाय ने बछड़े को पुचकारते हुए कहा- मैंने तो तुमसे पहले ही कहा था कि संसार के सुख और सम्मान से सावधान रहना चाहिए. इनके पीछे ही रोग, शोक, पतन और विनाश दबे पाँव चले आते हैं.

अचला (अपरा) एकादशी : 13 मई, बुधवार

श्रीहरि विष्णु की आराधना से मिलेगी सुख-समृद्धि, खुशहाली

...मिलता है कि महाभारत काल में युधिष्ठिर के आग्रह करने पर श्रीकृष्ण भगवान ने अचला (अपरा) एकादशी व्रत के महत्व के बारे में पांडवों को बताया था. इस एकादशी के व्रत के प्रभाव स्वरूप पांडवों ने महाभारत का युद्ध जीत लिया. मान्यता है कि अपरा एकादशी व्रत रखने से अपार धन की प्राप्ति होती है.
पूजा का विधान ज्योतिषविद् श्री विमल जैन जी ने बताया कि व्रत के दिन सूर्योदय के पूर्व ब्रह्म मुहूर्त में उठकर अपने समस्त दैनिक कृत्यों से निवृत्त होकर गंगा-स्नानादि करना चाहिए. गंगा-स्नान यदि सम्भव न हो...

...अधिकतम संख्या में जप करना चाहिए. आज के दिन ब्राह्मण को यथा सामर्थ्य उपयोगी वस्तुओं का दान दक्षिणा के साथ करना चाहिए. अपने जीवन में मन-वचन कर्म से नियमित संयमित रहते हुए यह व्रत करना विशेष लाभदायी रहता है. भगवान् श्रीविष्णु जी की श्रद्धा, आस्था भक्तिभाव के साथ आराधना कर पुण्य अजत करना चाहिए, जिससे जीवन में सुख-समृद्धि, आरोग्य व सौभाग्य में अभिवृद्धि बनी रहे.
अचला एकादशी की प्रचलित कथा प्राचीनकाल में महीध्वज नामक एक धर्मात्मा राजा था. उसका छोटा भाई वज्रध्वज बड़ा ही क्रूर अधर्मी तथा अन्यायी था. वह अपने बड़े भाई से द्वेष रखता था. उस पापी ने एक दिन रात्रि में अपने बड़े भाई की हत्या करके उसकी देह को एक जंगली पीपल के नीचे गाड़ दिया. इस अकाल मृत्यु से राजा प्रेतात्मा के रूप में उसी पीपल पर रहने लगा और अनेक उत्पात करने लगा. एक दिन अचानक धौम्य नामक ऋषि उधर से गुजरे. उन्होंने प्रेत को देखा और तपोबल से उसके अतीत को जान लिया. अपने तपोबल से प्रेत उत्पात का कारण समझा. ऋषि ने प्रसन्न होकर उस प्रेत को पीपल के पेड़ से उतारा तथा परलोक विद्या का उपदेश दिया. दयालु ऋषि ने राजा की प्रेत योनि से मुक्ति के लिए स्वयं ही अचला (अपरा) एकादशी का व्रत किया और उसे अगति से छुड़ाने को उसका पुण्य प्रेत को अर्पित कर दिया. इस पुण्य के प्रभाव से राजा की प्रेत योनि से मुक्ति हो गई. वह ऋषि को धन्यवाद देता हुआ दिव्य देह धारण कर पुष्पक विमान में बैठकर स्वर्ग को चला गया. अचला एकादशी की कथा पढ़ने अथवा श्रवण मात्र से मनुष्य के पापों का शमन हो जाता है. इस विशेष दिन पर दान और पुण्य के विभिन्न कार्य करने से, भक्त अपने पूर्वजों और देवताओं के दिव्य आशीर्वाद से धन्य हो जाते हैं.

भगवान शिव की पूजा-अर्चना से होगी सौभाग्य में अभिवृद्धि

भगवान भोलेनाथ की महिमा अनन्त है. हर आस्थावान धर्मावलम्बी भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना करके लाभ उठाते हैं. तैंतीस कोटि देवी-देवताओं में भगवान शिवजी को देवाधिदेव महादेव माना गया है. अपनी अभिलाषा की पूत के लिए महिलाएँ भी मास शिवरात्रि का व्रत रखती हैं. इस व्रत के प्रभाव से व्रतकर्ता मोह-माया के बंधन से मुक्त होता है और उसे शिव कृपा से मोक्ष की प्राप्ति होती है. वैसे तो शिवजी की पूजा-अर्चना कभी भी की जा सकती है, लेकिन तिथि-विशेष पर की पूजा पूजा-अर्चना विशेष फलदायी होती है. प्रत्येक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि के दिन मास शिवरात्रि का व्रत रखा जाता है. इसे शिव चतुर्दशी भी कहा जाता है. महाशिवरात्रि की तरह इस व्रत में भी रात्रि में पूजन का विधान है. इस बार मास शिवरात्रि व्रत 15 मई, शुक्रवार को रखा जाएगा. प्रख्यात ज्योतिषविद् श्री विमल जैन जी ने बताया कि ज्येष्ठ मास के कृष्णपक्ष की चतुर्दशी तिथि 15 मई, शुक्रवार को प्रात: 8 बजकर 32 मिनट पर लगेगी, जो कि उसी दिन अर्द्धरात्रि के पश्चात् 5 बजकर 12 मिनट तक रहेगी. अश्विनी नक्षत्र 14 मई, गुरुवार को रात्रि 10 बजकर 34 मिनट से 15 मई, शुक्रवार को रात्रि 10 बजकर 15 मिनट तक रहेगा. आस्थावान शिवभक्त शिवजी की कृपा प्राप्ति के लिए 15 मई, शुक्रवार को मास शिवरात्रि का व्रत रखेंगे.

शिवजी की आराधना का विधान ज्योतिषविद् श्री विमल जैन जी ने बताया कि व्रतकर्ता को चतुर्दशी तिथि के दिन व्रत उपवास रखकर भगवान शिवजी की पूजा-अर्चना करनी चाहिए. व्रतकर्ता को तिल, बेलपत्र व खीर से हवन करने के पश्चात् अपने व्रत का पारण करना चाहिए.

क्या करें शिवजी को अपत भगवान शिवजी का दूध व जल से अभिषेक करके उन्हें वस्त्र, चन्दन, यज्ञोपवीत, आभूषण, सुगन्धित द्रव्य के साथ बेलपत्र, कनेर, धतूरा, मदार, ऋतुपुष्प, नैवेद्य आदि अपत करके धूप-दीप के साथ पूर्वाभिमुख या उत्तराभिमुख होकर ही पूजा करनी चाहिए. शिवभक्त अपने मस्तिष्क पर भस्म और तिलक लगाकर शिवजी की पूजा करें तो पूजा का विशेष फल मिलता है.

मास शिवरात्रि व्रत का विधान ज्योतिषविद् श्री विमल जैन जी ने बताया कि व्रतकर्ता को प्रात:काल सूर्योदय से पूर्व ब्रह्म मुहूर्त में उठकर अपने समस्त दैनिक कृत्यों से निवृत्त होने के उपरान्त अपने इष्ट

मास शिवरात्रि व्रत : 15 मई, शुक्रवार को
ज्योतिवद् श्री विमल जैन

देवी-देवताओं की पूजा अर्चना के पश्चात् शिवजी की प्रसन्नता के लिए मास शिवरात्रि के व्रत का संकल्प लेना चाहिए. ज्योतिषविद् श्री विमल जैन जी के अनुसार दिनभर निराहार रहना चाहिए. रात्रि में पुन: स्नान करके यथासम्भव धुले हुए या स्वच्छ वस्त्र धारण कर श्रद्धा भक्ति व आस्था के साथ भगवान शिवजी की विधि-विधान पूर्वक पंचोपचार, दशोपचार अथवा षोडशोपचार पूजा-अर्चना करनी चाहिए. शिवभक्त अपने मस्तिष्क पर भस्म और तिलक लगाकर शिवजी की पूजा करें तो पूजा विशेष फलदायी मानी गई है. शिवजी की महिमा में श्रीशिव चालीसा, श्रीशिव स्तुति, अमोघ शिवकवच, शिव महिम्न स्तोत्र, शिव सहस्रनाम, शिव अष्टोत्तर शतनाम, शिवतांडव स्तोत्र, रुद्राष्टक आदि पाठ करना चाहिए तथा शिवजी से सम्बन्धित मन्त्रों का जप करना लाभदायी रहता है. भगवान् शिवजी की महिमा में स्कन्दपुराण में वणत शिव चतुर्दशी व्रत की कथा का पठन या श्रवण करना चाहिए. जिससे शिवजी शीघ्र होकर मनोकामना की पूत का आशीर्वाद देते हैं. व्रतकर्ता को दिन में शयन नहीं करना चाहिए. इस दिन नियमित संयमित रहते हुए भगवान शिव की पूजा-अर्चना करके पुण्यलाभ प्राप्त करना चाहिए. शिवजी की महिमा में रखे जाने वाला मास शिवरात्रि व्रत से शिवजी की अपार अनुकम्पा के साथ ही सुख-सौभाग्य में अभिवृद्धि होती है.

स्नान-दान-श्राद्धादि की शनैश्चरी अमावस्या : 16 मई, शनिवार को

भगवान शिव, श्रीविष्णु जी तथा पीपल वृक्ष की पूजा से सुख-सौभाग्य में अभिवृद्धि

सृष्टि के संचालक प्रत्यक्षदेव भगवान् सूर्यदेव के सुपुत्र श्रीशनिदेव जी की आराधना का विशेष महत्व है. वैसे तो शनिदेव जी की पूजा प्रत्येक शनिवार को विधि-विधानपूर्वक की जाती है. यदि शनिवार के दिन अमावस्या तिथि का संयोग मिल जाए तो पूजा अधिक पुण्य फलदायी होती है. प्रख्यात ज्योतिवद् श्री विमल जैन जी ने बताया कि इस बार अमावस्या शनिवार, 16 मई को पड़ रही है. ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि शुक्रवार, 15 मई को अर्द्धरात्रि के पश्चात् 5 बजकर 12 मिनट पर लगेगी जो कि अगले दिन शनिवार, 16 मई को अर्द्धरात्रि के पश्चात् 01 बजकर 31 मिनट तक रहेगी. भरणी नक्षत्र शुक्रवार, 15 मई को रात्रि 8 बजकर 15 मिनट से शनिवार, 16 मई को सायं 5 बजकर 31 मिनट तक रहेगा. सौभाग्य योग शुक्रवार, 15 मई को दिन में 2 बजकर 22 मिनट से शनिवार, 16 मई को प्रात: 10 बजकर 26 मिनट तक रहेगा, तत्पश्चात् शोभन योग सम्पूर्ण दिन रहेगा. शनैश्चरी अमावस्या के दिन शनिग्रह की विधि-विधानपूर्वक की गई पूजा सुख, समृद्धिकारक होती है, साथ ही शनिग्रहजनित दोषों से मुक्ति भी मिलती है. पितृदोष की शान्ति के लिए भी अमावस्या तिथि श्रेयस्कर मानी गई है. शनैश्चरी अमावस्या के दिन शनिग्रह की विधि-विधान से की गई पूजा सुख, समृद्धिकारक होती है.

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार शनैश्चरी अमावस्या कठिन व विषम प्रभाव दिखानेवाली होती है. शनैश्चरी अमावस्या से प्राकृतिक एवं दैविक आपदाएँ अधिक आती हैं. विश्व के प्रशासकों को शासन चलाने में मुश्किलें आ सकती हैं. इससे छत्रभंग की आशंका भी रहती है. राजनेताओं में आपसी मतैक्य का अभाव बना रहेगा. सम्भव है कि राजनीति में नये समीकरण सामने आएँ. शेयर मार्केट, वायदा व धातु बाजार में विशेष उथल-पुथल देखने को मिलेगी.राशि के अनुसार वर्तमान समय में सिंह एवं धनु राशि पर शनिग्रह की अढैया तथा कुम्भ, मीन एवं मेष राशि पर साढेसाती है.ऐसे करें शनिदेव को प्रसन्न श्री विमल जैन जी ने बताया कि आस्थावान व्रतकर्ता को प्रात:काल स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करना चाहिए. तत्पश्चात् अपने आराध्य देवी-देवता की पूजा-अर्चना के बाद शनिव्रत का संकल्प लेना चाहिए. सम्पूर्ण दिन निराहार रहकर सायंकाल पुन: स्नान करके शनिदेव की विधि-विधान से पूजा करने के पश्चात् उनको काले रंग की वस्तुएँ जैसे काला वस्त्र, काला साबूत उड़द, काला तिल, सरसों का तेल या तिल का तेल, काला छाता, लोहे का बर्तन एवं अन्य काले रंग की वस्तुएँ अपत करना लाभकारी रहता है. इस दिन शनिदेव के मंदिर में सरसों के तेल से शनिदेव का अभिषेक करना तथा तेल की अखण्ड ज्योति जलाना उत्तम फलदायी माना गया है. सायंकाल शनिदेव के मन्दिर में पूजा करके दीपक प्रज्वलित करना चाहिए.

शनिग्रह के मन्त्रों का जप करना रहेगा लाभदायक
1. ॐ शं शनैश्चराय नम:.
2. ॐ प्रां प्रीं प्रौं स: शनये नम:.
3. ॐ प्रां प्रीं प्रौं सं शनैश्चराय नम:.
4. ॐ नमो भगवते शनैश्चराय सूर्यपुत्राय नम:.
5. ॐ ऐं ह्रीं श्रीं शनैश्चराय नम:.

शनि भगवान् से सम्बन्धित राजा दशरथ कृत शनिस्तोत्र, शनि चालीसा का पाठ व उनकी आरती करनी चाहिए. इस दिन काले उड़द के दाल की खिचड़ी गरीबों में अवश्य वितरित करनी चाहिए. साथ ही काले रंग की वस्तुओं का दान भी करना चाहिए. शनिग्रहजनित दोषों के शमन के लिए आज अमावस्या तिथि के दिन शनिदेव की विशेष पूजा-अर्चना करके गरीबों में काले रंग की वस्तुओं का दान करना चाहिए. दान का विधान शनिग्रह से सम्बन्धित काले रंग की वस्तुओं का दान सायंकाल किया जाता है. दानकर्ता को अपना मुख पश्चिम दिशा की ओर रखना चाहिए. दान करने से शनिदेव प्रसन्न होकर भक्त को मंगल कल्याण के आशीर्वाद से अभिभूत करते हैं. जन्मकुण्डली में शनिग्रह की उत्तम स्थिति ऐश्वर्य एवं वैभव प्रदाता होती है. व्यक्ति को समस्त भौतिक सुख मिलते हैं. जिन्हें जन्मकुण्डली के अनुसार शनिग्रह प्रतिकूल हों या शनिग्रह की महादशा का अनुकूल फल न मिल रहा हो, उन्हें शनिवार या शनि अमावस्या के दिन अपने आराध्य देवी-देवता की पूजा-अर्चना करने के पश्चात् शनिदेव की पूजा का संकल्प लेकर व्रत उपवास रखकर शनिदेव की आराधना अवश्य करनी चाहिए. जिससे उसका जीवन सुखमय होता है. इस दिन पीपल के वृक्ष के पूजा एवं पीपल वृक्ष की 108 परिक्रमा करने का विधान है. भगवान् शिवजी व श्रीविष्णु जी की पूजा-अर्चना करने से आरोग्य व सुख-सौभाग्य में अभिवृद्धि का सुयोग बनता है.

साप्ताहिक राशिफल

दिनांक 11 मई से 17 मई 2026 तक
पं. बिमल जैन, 9451893987

मेष-(चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ)

सप्ताह में 11 से 12 मई की रात्रि 7/25 बजे तक आशाएँ फलीभूत होंगी. कार्य-व्यवसाय में सफलता का मार्ग प्रशस्त होगा. नवसमाचार मिलने से प्रसन्नता होगी. मान-सम्मान में वृद्धि होगी. पारिवारिक उत्तरदायित्व का निर्वाह होगा. 14 की रात्रि 10/34 बजे तक उलझनों का सामना करना पड़ेगा. आर्थिक पक्ष से असंतोष रहेगा. घरेलू समस्याओं से परेशान रहेंगे. अकेलेपन की अनुभूति महसूस होगी. किसी से वाद-विवाद की आशंका रहेगी. वाहन से भय रहेगा. शेष 17 मई तक समय बेहतर रहेगा. नवीन योजना के प्रति रुचि जागृत होगी. मांगलिक आयोजन संपादित होगा. अध्यावसाय की ओर अभिरुचि रहेगी. परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा. नौकरी में पदोन्नति विषयक मसला हल होगा. किसी खास व्यक्ति से सहयोग मिलेगा. समस्या का समाधान होगा.उपाय राशि के अधिपति ग्रह मंगल ग्रह के मंत्र 'ॐ अं अंगारकाय नम:' का जप करें. साथ ही लाल रंग की वस्तुओं दान करें. उपयोगी टिप्स देव कक्ष में देवी-देवता की तस्वीर या मूर्ति सम्पूर्ण एवं शुद्ध रूप से होना चाहिए.

वृषभ-(ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)

सप्ताह में 11 से 14 मई की रात्रि 10/34 बजे तक प्रगति का सुयोग रहेगा. भाग्योन्नति के नवीन आयाम सुलभ होंगे. आर्थिक उलझनों से मुक्ति मिलेगी. यशमानप्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. जीवनसाथी से अपेक्षित सहयोग मिलेगा. आमोद-प्रमोद के साधन सुलभ होंगे. मित्रों से गलतफहमियाँ दूर होने को होगी. सुख साधन के निमित्त अधिक खर्च करना पड़ेगा. यात्रा का मार्ग प्रशस्त होगा. मन प्रसन्न रहेगा. 16 की रात्रि 10/47 बजे तक तनाव के दौरान गुजरना पड़ेगा. आशा के विपरीत घटनाघटित होगी. सामयिक सिद्धि का प्रयास असफल होगा. किसी बात को लेकर मन व्यथित रहेगा. व्यर्थ के भ्रमण से समय नष्ट होगा. सजगता अपेक्षित है. शेष 17 मई तक समय उन्नति में सहायक रहेगा. सफलता का मार्ग प्रशस्त होगा. व्यक्तिगत कार्य क्षमता में वृद्धि होगी. स्वजनों के माध्यम से कुछेक समस्याएँ सुलझेंगी. उपाय शुक्रवार के दिन श्री महालक्ष्मी जी का दर्शन-पूजन करें तथा शुक्र ग्रह से सम्बन्धित वस्तुओं का दान करें. उपयोगी टिप्स पूजा घर में धन सम्पत्ति छिपाकर नहीं रखना चाहिए.

मिथुन-(का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा)

सप्ताह में 11 से 16 मई की रात्रि 10/47 बजे तक अनुकूलता की स्थिति रहेगी. विचाराधीन योजना को मूर्त रूप में परिणित कर सकेंगे. दूसरों के आश्वासनों से मानसिक राहत मिलेगा. व्यापारिक वातावरण मनोनुकूल रहेगा. व्यक्तिगत जीवन में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल होगी. सद्विचारों का उदय होगा. सुसमाचार मिलने को होंगे. धन संचय की अभिरुचि रहेगी. राजकीय पक्ष से लाभान्वित होंगे. मंगल आयोजन संपादित होंगे. यात्रा से मन प्रसन्न रहेगा. परोपकार की भावना जागृत होगी. अपनी प्रतिभा का सदुपयोग कर सकेंगे. बौद्धिक क्षमता का विकास होगा. शेष 17 मई तक योजना अधूरी रह जायेगी. लाभ में कमी रहेगी. धन संपत्ति विषयक मसला उलझेगा. क्रोध की अधिकता रहेगी. जोखिम से नुकसान होगा. शत्रु हानि पहुँचाने में सफल रहेंगे. मान-सम्मान में कमी महसूस होगी. उपाय श्रीगणेशजी का दर्शन-पूजन करें, मोदक का भोग लगावें तथा गाय को हरा घास खिलावें. उपयोगी टिप्स पूजा घर पर मंदिर के समान कलश या गुंबज, गोमुख, ध्वजा, विजय स्तम्भ या सुरंग न हो.

कर्क-(ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

सप्ताह में 11 से 12 मई की रात्रि 7/25 बजे तक परिस्थितियाँ प्रतिकूल रहेगी. इच्छित प्राप्ति में अड़चनें रहेगी. आय में न्यूनता की स्थिति रहेगी. स्पष्टवादिता आपके लिए घातक सिद्ध होगी. अपनी प्रतिभा का सदुपयोग करने से वंचित रहेंगे. यात्रा का मार्ग अवरुद्ध रहेगा. शेष 17 मई तक समय शुभ रहेगा. आत्मसंयम से संकल्प सिद्धि होगी. कार्य-व्यवसाय में उन्नति का सुअवसर मिलेगा. किसी के माध्यम से बकाए धन की प्राप्ति होगी. प्रतिष्ठित व्यक्तियों से सम्पर्क होगा. कुछेक मसला सुलझने को होंगे. सहयोगियों से विचार-विमर्श होगा. प्रतियोगिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी. सामाजिक कृत्यों की ओर अभिरुचि रहेगी. मंगल आयोजन संपादित होगा. सफलता का सुयोग बनेगा. भाग्योन्नति के नवीन आयाम सुलभ होंगे. विचारित कार्यों में प्रगति होगी. सुख के निमित्त व्यय होगा. उपाय सोमवार का व्रत सौभाग्यप्रदायक है. चन्द्रमा के मन्त्र 'ॐ सों सोमाय नम:' का जप करें. सफेद चीजों का दान भी करें. उपयोगी टिप्स पूजा घर में महाभारत की प्रतिमाएँ, प्राणि तथा पक्षियों का चित्र नहीं होना चाहिए.

सिंह-(मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)

सप्ताह में 11 से 12 मई की रात्रि 7/25 बजे तक ग्रहस्थिति पक्ष में रहेगी. स्वास्थ्य सुधार पर होगा. व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार होगा. वैमनस्यता का समापन होगा. घरेलू वातावरण सुखद रहेगा. 14 की रात्रि 10/34 बजे तक समस्याओं से परेशान रहेंगे. मानसिक अशांति रहेगी. व्यावसायिक पक्ष के प्रति चिंतित रहेंगे. वैचारिक अस्थिरता रहेगी. अधिकारियों से असहयोग मिलेगा. शिक्षा के क्षेत्र में असफलता मिलेगी. हानि भी संभव है. शेष 17 मई तक समय शुभ रहेगा. किसी योजना का श्रीगणेश होगा. साहसिक प्रयास प्रगति पर होगा. स्वजनों-परिजनों के माध्यम से कछेक समस्याओं का समाधान होगा. निजी जिन्दगी में लाभ का सुअवसर प्राप्त होगा. समझदारी से लिया गया निर्णय भाग्य के पक्ष में रहेगा. स्थान-परिवर्तन की दिशा में कार्यक्रम बनेगा. उपाय भगवान भास्कर की पूजा-अर्चना करें. रविवार के दिन अपनी सुविधानुसार अपाहिजों व कुष्ठ रोगियों को भोजन करावें. उपयोगी टिप्स आवास या प्रतिष्ठान के दरवाजे खोलते और बन्द करते समय उसमें किसी प्रकार का आवाज न हों.

कन्या-(टो, पा, पी, पू, प, ण, ठ, पे, पो)

सप्ताह में 11 से 14 मई की रात्रि 10/34 बजे तक समय उन्नतिकारक रहेगा. आत्मसंयम से संकल्प सिद्धि होगी. व्यावसायिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी. किसी के माध्यम से बकाए धन की वसूली होगी. मनोविनोद के अवसर सुलभ होंगे. किसी आयोजन में सम्मिलित होने का सुअवसर मिलेगा. नौकरी में स्थानान्तरण संबंधी विषयक मसला सुलझने को होगा. नवसम्पर्क का सुयोग बनेगा. चित्त प्रफुल्लित रहेगा. 16 की रात्रि 10/47 बजे तक उलझनें रहेगी. कार्यों में गतिरोध रहेगा. आरोग्य सुख में व्यवधान रहेगा. शत्रु सक्रिय रहेंगे. प्रियजनोंमित्रों से मनमुटाव रहेगा. राजकीय पक्ष से कष्ट होगा. बढते हुए खर्च से परेशान रहेंगे. शेष 17 मई तक समय अच्छा रहेगा. किसी समस्या के समाधान हेतु मित्रों-परिजनों से अपेक्षित सहयोग मिलेगा. मानसम्मानपरक कृत्य सम्पन्न होगा. सामाजिक कृत्यों की ओर अभिरुचि रहेगी. उपाय राशि अधिपति ग्रह बुध से संबंधित राशी रत्न पन्ना सदैव धारण करें, साथ ही मन्त्र का जप करें. उपयोगी टिप्स देवकक्ष में देवीदेवता की पूजा-अर्चना नियमित रूप से करें.

तुला-(रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)

सप्ताह में 11 से 16 मई की रात्रि 10/47 बजे तक स्थिति भाग्य के पक्ष में रहेगी. परिश्रम के अनुरूप परिणाम प्राप्त होंगे. समस्या विशेष के समाधान में स्वयं का निर्णय सार्थक होगा. मनोकामना पूर्ण होने से हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा. किसी के माध्यम से धनागम का मार्ग प्रशस्त होगा. नवसमाचार मिलेगा. भौतिक सुख के जरूरी साधन समय पड़ने पर सुलभ हो जायेंगे. प्रेम संबंध में अत्यधिक प्रगाढ़ता रहेगी. भौतिक सुख साधन हेतु प्रयत्नशील रहेंगे. वाहन से खुशी होगी. अध्यावसाय की ओर अभिरुचि रहेगी. विशिष्टजनों से सम्पर्क का सुपरिणाम प्राप्त होगा. संतान पक्ष से उत्कर्ष रहेगा. शेष 17 मई तक समय प्रतिकूल रहेगा. संकल्प-विकल्प की स्थिति रहेगी. उलझनों से मन व्यथित रहेगा. विशेष परिश्रम के बावजूद आंशिक सफलता ही मिलेगी. विचारों में उग्रता रहेगी. किसी से विश्वासघात की आशंका रहेगी. उपाय शुक्रवार के दिन श्री महालक्ष्मीजी का पूजन करें तथा बड़ों का आशीर्वाद लें. उपयोगी टिप्स बेडरूम की दिवारों पर हल्के रंग जैसे हरा, गुलाबी, हल्का क्रीम शुभद रहेगा.

वृश्चिक - (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)

सप्ताह में 11 से 12 मई की रात्रि 7/25 बजे तक कठिनाइयाँ प्रभावी रहेगी. आर्थिक पक्ष से निराशा रहेगी. विरोधियों का वर्चस्व रहेगा. आरोप-प्रत्यारोप का सामना करना पड़ेगा. मित्रों-परिजनों से तनाव रहेगा. वाहन से दुर्घटना संभव है. शेष 17 मई तक समय संतोषजनक रहेगा. शुभ भावनाओं का उदय होगा. आत्मिक शांति मिलेगी. परिवार में आपसीजनों का व्यवहार आशानुकूल रहेगा. वैमनस्यता का समापन होगा. वैवाहिक जीवन सुखमय व्यतीत होगा. कर्जदारों की अदायगी होने से खुशी होगी. किसी उत्सव में सम्मिलित होने का सुअवसर प्राप्त होगा. राजनैतिक कृत्यों की ओर संलग्नता रहेगी. नौकरी में पदोन्नति विषयक मसला सुलझेगा. मनोरंजन की ओर रुझान रहेगा. वैवाहिक जीवन संतोषजनक रहेगा. आहार-विहार में नवीनता रहेगी. मौजमस्ती के निमित्त व्यय होगा. उपाय राशि के अधिपति मंगल ग्रह के मंत्र 'ॐ अं अंगारकाय नम:' का जप करें. साथ ही लाल रंग की वस्तुओं दान करें. उपयोगी टिप्स खराब, टूटी हुई या रुकी हुई घड़ी घर में नहीं रखना चाहिए.

धनु-(ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढ़ा, ढ़े)

सप्ताह में 11 से 12 मई की रात्रि 7/25 बजे तक समय आशा के अनुरूप रहेगा. अधूरी या नवयोजना पर मित्रों से विचार-विमर्श होगा. नवीन उपलब्धि मिलेगी. 14 की रात्रि 10/34 बजे तक समय विपरीत गुजरेगा. जटिल समस्याओं से परेशान रहेंगे. स्वयं की प्रतिभा का सदुपयोग करने से वंचित रहेंगे. वरिष्ठजनों की सलाह अमान्य साबित होगी. धनागम में व्यवधान रहेगा. शेष 17 मई तक समय अच्छा रहेगा. आर्थिक-व्यावसायिक प्रगति होगा. व्यक्तित्व का विकास होगा. शत्रु हानि पहुँचाने की कोशिश में निष्फल होंगे. पुराने विवाद का समापन पक्ष में होगा. जनसम्पर्क का सुअवसर मिलेगा. राजकीय पक्ष से सहयोग मिलेगा. आपसीजनों में मधुरता रहेगी. कुछेक मसला हल होगा. धार्मिकक्रिया-कलापों की ओर अभिरुचि रहेगी. सुख के जरूरी साधन समय पर सुलभ होंगे. यात्रा सुखद रहेगी. उपाय श्रीबटुकभैरव की आराधना करें. शनिवार के दिन नजदीक के मंदिर में काला कम्बल एवं काला छाता दान करें. उपयोगी टिप्स किसी भी धातु से बनी घड़ी पूर्व दिशा की दिवाल पर नहीं लगाना चाहिए.

मकर-(भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी)

सप्ताह में 11 से 14 मई की रात्रि 10/34 बजे तक लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा. व्यावसायिक वातावरण मनोनुकूल रहेगा. शत्रु हानि पहुँचाने में असफल रहेंगे. अनुकूल घटनाएँ घटित होगी. जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा. धन संचय की ओर रुझान रहेगा. शुभसमाचार मिलने से खुशी होगी. सत्संग से शांति मिलेगी. वरिष्ठजनों की सलाह से कामयाबी मिलेगी. यशमान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. 16 की रात्रि 10/47 बजे तक मानसिक तौर पर परेशान रहेंगे. कार्यों के प्रति उदासीनता रहेगी. आर्थिक पक्ष से असंतोष रहेगा. घरेलू समस्याओं से मन अशांत रहेगा. अकेलेपन की अनुभूति महसूस होगी. दूसरों की सलाह अमान्य रहेगी. शेष 17 मई तक परिस्थितियाँ सुधार पर होगी. मनोभिलाषित योजना साकार होने को होगी. परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा. दर्शनीय स्थलों की यात्रा का मार्ग प्रशस्त होगा. उपाय श्री हनुमान जी का दर्शन पूजन करें. श्री हनुमान चालीसा का पाठ करें. उपयोगी टिप्स भोजन करने से पहले गाय, पशुपक्षी व निवासस्थान के अन्य जीव जन्तुओं को अन्न देना चाहिए.

कुम्भ-(गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

सप्ताह में 11 से 16 मई की रात्रि 10/47 बजे तक योजना साकार होने को होगी. कुछेक कार्यों में महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी. धन संपत्ति विषयक मसला सुलझेगा. घरेलू सुख के निमित्त अधिक खर्च होगा. पदोन्नति या स्थानान्तरण हेतु अधिकारियों से विचार-विमर्श होगा. रचनात्मक गतिविधियों में वृद्धि होगी. कर्ज की निवृत्ति का प्रयास सार्थक होगा. धनागम का सुअवसर प्राप्त होगा. भौतिक सुख शांति का वातावरण रहेगा. मौजमस्ती के निमित्त व्यय होगा. धार्मिक कृत्यों की ओर रुझान रहेगा. दाम्पत्य जीवन संतोषजनक रहेगा. जटिल समस्या का समाधान होगा. संभावित यात्रा सकुशल रहेगा. शेष 17 मई तक समय व्यवधानकारक रहेगा. आशा के विपरीत घटनाएँ घटित होगी. अभीष्ट सिद्धि का प्रयास निष्फल होगा. किसी बात को लेकर विवाद की आशंका रहेगी. महत्वपूर्ण सफलता में विलंब होगा. राजकीय पक्ष से कष्ट होगा. उपाय शनिवार के दिन श्री हनुमान जी की पूजा अर्चना करें. श्री हनुमानाष्टक का पाठ करें. उपयोगी टिप्स बैठक के कमरे के मध्य में झरोखा नहीं होना चाहिए.

मीन-(दी, दू, थ, झ, भ, दे, दो, चा, ची)

सप्ताह में 11 से 12 मई की रात्रि 7/25 बजे तक भाग्य साथ नहीं देगा. मनोबल में कमी का एहसास होगा. स्वयं की प्रतिभा कुंठित होगी. दाम्पत्य जीवन असंतोषजनक रहेगा. व्यर्थ भ्रमण से निष्प्रयोजन व्यय होगा. शेष 17 मई तक समय सफलताकारक रहेगा. विचारित कार्यों में प्रगति का सिलसिला रहेगा. अपने स्तर को बनाये रखने के लिए अधिक खर्च करना पड़ेगा. प्रतिष्ठित व्यक्तियों से सम्पर्क बनेगा. व्यावसायिक प्रगति हेतु नवप्रयास सार्थक होंगे. आपसी वैमनस्यता में कमी महसूस होगी. सामाजिक गतिविधियों में रुचि लेंगे. व्यक्तिगत समस्या का संतोषजनक समाधान होगा. राजकीय पक्ष से लाभान्वित होंगे. किसी के माध्यम से महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल होगी. बौद्धिक क्षमता में वृद्धि होगी. मान-सम्मान में वृद्धि होगा. यात्रा सुखद रहेगा. शुभ भावनाओं के उदय से आत्मिक शांति मिलेगी. उपाय भगवान विष्णु का तथा घर में तुलसी के पौधे की पूजा करें. विद्यार्थियों को पुस्तक उपहार-स्वरूप प्रदान करें. उपयोगी टिप्स अण्डा, मांस, शराब का सेवन कर शुभ कार्य न करें.

ब्रेड के बिना तैयार होगा चटपटा सैंडविच

NEETI SODHANI
from - A to Z Cooking

बच्चे से बड़े तक को पसंद आएगा क्रिस्पी-चीजी स्वाद नाश्ते में कुछ अच्छा और अलग खाना चाहते हैं तो बिना ब्रेड वाला सैंडविच बनाएं. इस सैंडविच को बनाने के लिए आपको एक स्टफिंग तैयार करनी होगी और एक बैटर. बैटर तैयार करने के लिए आप सूजी का इस्तेमाल कर सकते हैं या फिर डोसा बैटर भी इस्तेमाल कर सकते हैं. ये स्वाद में बहुत अच्छा लगता है. चाहे सुबह का नाश्ता हो, ऑफिस का लंच या शाम की छोटी भूख हो सैंडविच हर मौके के लिए फिट बैठता है. यहां सीखिए बिना ब्रेड वाले सैंडविच को बनाने का तरीका.

बिना ब्रेड के सैंडविच बनाने की सामग्री: बिना ब्रेड का सैंडविच बनाने के लिए कद्दूकस की हुई लौकी, गाजर, प्याज, पत्ता गोभी, ताजा हरा धनिया, कटी हरी मिर्ची, 3-4 बड़े चम्मच डोसा का घोल, घी.

बिना ब्रेड के सैंडविच बनाने की विधि: इस सैंडविच को बनाने के लिए कद्दूकस की हुई लौकी, गाजर, प्याज और पत्ता गोभी लें. इसमें थोड़ा नमक डालकर रख दें. कुछ ही देर में अब सारा पानी निचोड़कर एक कटोरी में डाल दें. सब्जियां निचोड़ने के बाद बचे हुए पानी का इस्तेमाल दाल या सब्जी में कर सकते हैं. अब इन सब्जियों में ताजा हरा धनिया, कटी हरी मिर्ची और 3-4 बड़े चम्मच डोसा का घोल और एक बड़ा चम्मच रागी का आटा डालें. अब एक गैस टोस्टर लें और उसमें थोड़ा घी लगाकर चिकना कर लें, साथ ही थोड़े तिल और करी पत्ते भी छिड़क दें. फिर टोस्टर पर मिश्रण को समान रूप से फैलाएं, ध्यान रखें कि ज्यादा मोटा न फैलाएं. अब उबले अंडे के टुकड़े रखें और फिर से मिक्स डालें. ढक्कन लगाकर मीडियम आंच पर दोनों तरफ से कुरकुरा होने तक पकाएं. इसे अपनी पसंद की किसी भी चटनी के साथ खाएं. अंडा नहीं डालना चाहते हैं तो आलू की या फिर पनीर की स्टफिंग डाल सकते हैं.

आलू की स्टफिंग कैसे बनाएं: आलू की स्टफिंग बनाने के लिए आपको जरूरत है उबले आलू, प्याज, हरी मिर्च, नमक, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, राई और काली मिर्च. इस स्टफिंग को बनाने के लिए तेल गर्म करें और इसमें राई और हरी मिर्ची चटकाएं. अब प्याज फ्राई करें.

फिर इसमें नमक, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर डालें. अच्छे से मिक्स करने के बाद उबले आलू मैश करके डालें. अब हरा धनिया डालें और अच्छे से मिक्स करें.

टिप: डोसा बैटर की जगह आप सूजी के घोल का इस्तेमाल भी कर सकते हैं. अच्छे टेस्ट के लिए बैटर में स्वीट कॉर्न मिला सकते हैं.

कपूर और नींबू से घर को बनाएं फ्रेश, मिनटों में दूर होगी बदबू

क्या आपके घर में भी कभी-कभी अजीब सी स्मेल आने लगती है. यह समस्या अक्सर किचन, बाथरूम या बंद कमरों में ज्यादा होती है. कई बार सफाई के बाद भी यह बदबू बनी रहती है और माहौल भारी लगने लगता है. ऐसे में लोग तुरंत एयर फ्रेशनर का सहारा लेते हैं, लेकिन हर बार केमिकल्स का इस्तेमाल सही नहीं होता. अगर आप आसान और नैचुरल उपाय ढूंढ रहे हैं, तो यह घरेलू तरीका आपके काम आ सकता है.

क्यों खास है यह घरेलू एयर फ्रेशनर?: कपूर में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो हवा में मौजूद बदबू पैदा करने वाले बैक्टीरिया (इरलींशीळर) को खत्म करने में मदद करते हैं. वहीं नींबू की ताजगी भरी खुशबू घर को तुरंत फ्रेश (त्रीशीह) बना देती है. दोनों का कॉम्बिनेशन नेचुरल और हेल्दी होता है.

किन चीजों की होगी जरूरत?: कपूर के 4-5 टुकड़े, 1 ताजा नींबू, एक छोटा कटोरा या बाउल, थोड़ा सा पानी

कैसे बनाएं एयर फ्रेशनर?: 1. सबसे पहले नींबू को दो हिस्सों में काट लें. 2. अब एक कटोरे में थोड़ा पानी डालें और उसमें कपूर के टुकड़े डाल दें. 3. इसके बाद नींबू के टुकड़े भी उसी कटोरे में रख दें. 4. अब इस कटोरे को कमरे के किसी कोने में रख दें. 5.कुछ ही देर में कमरे में नींबू और कपूर की खुशबू फैलने लगेगी.

कहां-कहां कर सकते हैं इस्तेमाल?: आप इसे लिविंग रूम, किचन, बाथरूम या बेडरूम में रख सकते हैं. यह खासतौर पर बंद कमरों और नमी वाली जगहों के लिए बहुत फायदेमंद है.

इन बातों का रखें ध्यान: 1. हर 2-3 दिन में नींबू बदल लें ताकि खुशबू बनी रहे. 2. अगर कपूर खत्म हो जाए तो नए टुकड़े डालें. 3. इसे बच्चों और पालतू जानवरों की पहुंच से दूर रखें.

क्यों ट्राई करें यह तरीका?: यह एयर फ्रेशनर पूरी तरह नेचुरल है और इसमें कोई हानिकारक केमिकल नहीं होता. इससे न सिर्फ घर की बदबू दूर होती है, बल्कि माहौल भी ताजा और पॉजिटिव महसूस होता है. अगर आप आसान और सस्ता तरीका ढूंढ रहे हैं, तो यह उपाय जरूर अपनाएं.

धर्म का आडंबर

‘आडंबर’ शब्द का अर्थ है -दिखावा, बनावट या बाहरी प्रदर्शन करना. यानी कि जब कोई व्यक्ति असलियत से ज़्यादा खुद को बड़ा या खास दिखाने की कोशिश करता है, तो उसे आडंबर कहते हैं.इसमें सच्चाई कम और दिखावा ज़्यादा होता है. धर्म में भी बहुत आडंबर हो गया है . आडंबर से यज्ञ, तप या दान करते हैं, वह सात्त्विक नहीं होता. जो यज्ञ केवल दिखावे या प्रतिष्ठा के लिए किया जाए, वह राजस नहीं तामस माना गया है. केवल पूजा-पाठ का प्रदर्शन करने से नहीं, बल्कि अंतरात्मा की सच्चाई से ईश्वर की प्राप्ति होती है. आडम्बर से किया गया धर्म कर्म फलदाई नहीं माना गया .धर्म का मूल्य इस बात से नहीं कि आप कितना दिखाते है , बल्कि इस बात से है कि आप भीतर से कितने सच्ची श्रद्धा रखते हैं . लेकिन शास्त्रों में लिखी हुई इन बातों को न अतीत में किसी ऋषि मुनि या साधु संतों ने माना और न वर्तमान में साधु संत इसे मान रहे हैं . इतिहास साक्षी है कि राजा महाराजा जब यज्ञ करवाते थे तो इतनी शान शौकत से करवाते थे और असीमित व्यय करते थे . वर्तमान में भी सुंदर कांड , भागवत आदि में बेशुमार व्यय किया जाता है . वर्तमान समय में ये अनुष्ठान धार्मिक भावना से कम और सामाजिक प्रतिष्ठा और आडंबर के लिए ज़्यादा आयोजित किए जाते है . इन अनुष्ठानों में ज़्यादा से ज़्यादा ख़र्च करने की होड़ सी लगी हुई है . सनातन धर्म में अधिकांश साधु संत आडंबर युक्त ज़िन्दगी जी रहे हैं . उनके पास सारे राजशाही ठाठ बाट हैं .. जैन धर्म में साधु संत बहुत ही दुर्गम जिंदगी जीते हैं . चिलचिलाती धूप में रोज मीलों पैदल चलना, भयंकर गर्मी और ठंड में भी कुछ न पहनना , कुछ भी खा लेना या उपवास कर लेना . किंतु इनके चातुर्मास आदि आयोजनों पर जो खर्च होता है , जो भव्यता होती है, जितना आडंबर होता है, उस पर जैन धर्म के सभी समुदाय के साधु संत चुप हैं . वे शादी विवाह आदि पर हुए खर्च को आडंबर मानते हैं किंतु चातुर्मास आदि अनुष्ठानों में हुए खर्चों को आडंबर नहीं मानते हैं . अतः चातुर्मास में भी खर्च करने की होड़ लगी रहती है . सारे साधु संत फिर जनता को आडंबर नहीं करने के लिये क्यों प्रेरित करते हैं ?

धार्मिक आडंबरों पर रोक नहीं लगने का प्रमुख कारण यह है कि हमारे समाज में दो ही श्रेणी के लोगों का आधिपत्य है- एक साधु संत और दूसरे धनी व्यक्ति . जब दोनों ही श्रेणी के लोग चाहते हैं कि धार्मिक आडंबर होने चाहिए तो फिर रोक कैसे लगेगी . बाक़ी लोगों की विचार धारा नगण्य मानी जाती है . किंतु आश्चर्य इस बात का है कि संख्या इन्ही लोगों की ज़्यादा है पर फिर भी ये लोग विरोध नहीं दर्ज करते हैं . यदि ये लोग विरोध स्वरूप ऐसे धार्मिक अनुष्ठानों में जाना बंद कर दें तो इस तरह के भव्य धार्मिक अनुष्ठान स्वतः बंद हो जायेंगें . यही रुपया गरीबों को दिया जाये और उनसे कहा जाये कि तुम्हें सहायता तभी देंगे जब तुम हनुमान चालीसा , गायत्री मंत्र या नवकार मंत्र आदि सुनाओगे या उपवास आदि करोगे तो धर्म का प्रसार और प्रदर्शन दोनों बढ़ेंगे .आज की इस व्यस्त जिंदगी में , चिंता और अवसाद से भरी जिंदगी में यदि घर घर जा कर धर्म की सही व्याख्या की जाये तो

पारस कोचर
एडवोकेट
pkincometaxparaskochar.com

युवा शक्ति
चुभती बात

धर्म में आडंबर इतना अधिक फ़ैल गया है कि अब आडंबर को धर्म से दूर करना ना मुमकिन है किंतु आडंबर कम तभी हो सकता है जब हमारे सामाजिक नेता, साधु संत और श्रावक वर्ग एक साथ मिल कर आडंबर कम करने का बीड़ा उठाये, अन्यथा यह आडंबर बढ़ता जायेगा .

आज का युवा वर्ग धर्म की तरफ़ ज़रूर आकर्षित होगा . किंतु साधु संत यही उपदेश देते हैं कि हमारे प्रवचन सुनने रोज़ आया करो . मंदिर रोज़ जाया करो . ऐसा करने से धर्म होगा . किंतु जो लोग साधु संतों के नहीं जाते वे क्या अधर्मी हैं या ऐसे लोग जो रोज़ मंदिर या साधु संतों के जाते हैं क्या वे अधर्मी नहीं होते है . शायद मंदिरों और साधु संतों के दर्शन कर वे अपना पुराना पाप धोते रहते है और नया पाप करते रहते हैं . किंतु यह ग़लत धारणा है . पुराना पाप कभी नहीं धुलता .साधु संतों को तो यह उपदेश देना चाहिए कि तुम अच्छे कर्म करो . अच्छा कर्म करना ही धर्म है . अच्छे कर्म करने के लिये मंदिर या साधु संतों के यहाँ जाने की कोई आवश्यकता नहीं है . लेकिन ऐसा उपदेश देने से धार्मिक आडंबरों स्वतः समाप्त हो जायेगा, पर कितने साधु संत ऐसा उपदेश देते है .बिना धार्मिक आडंबर किये हमारे लोग दूसरे धर्मों को अपना रहे है. हम इतने आडंबर युक्त धर्म के कारण हमारे धर्म भाइयों को धर्म परिवर्तन से बचा नहीं पा रहे हैं . फिर भी हम धर्म के आडंबर को कम नहीं वरन और वृद्धि कर रहे हैं . ऐसे ही चला तो वह दिन दूर नहीं जब हमारे धर्म का लोप हो जायेगा.

हम अंधी भक्ति और धार्मिक उन्माद और कट्टरता में जी रहे हैं . धर्म के मूल भाव को भूल कर आडंबर युक्त धर्म में अपने आपको गुमराह कर रहे हैं . जिस दिन हमारा धर्म जमीन से जुड़ जायेगा , लोगों की भावना से जुड़ जायेगा, उस दिन हम निःसंदेह हमारे धर्म के झंडे को बहुत ऊपर ले जाएँगे .मंदिर में कोई भी आदमी पास जाकर दर्शन कर सकता है . चाहे ग़रीब हो या अमीर . कुछ एक चुनिंदा मंदिरों को छोड़ कर . किंतु साधु संतों के प्रवचन में ऐसे साधारण व्यक्तियों को अवसर ही नहीं दिया जाता है कि वे भी निकट जाकर दर्शन कर सकें और वार्तालाप कर सकें . किंतु धनी वर्ग के लोग या कार्यकर्ता स्वयं नियम बनाते है और हरेक को मिलने नहीं देते . साधु संतों से मिलने में भी इतना आडंबर ,क्यों ?

भजन संध्या में सब लोग आते हैं किंतु भजन में रुचि बहुत कम लोग रखते हैं . ज़्यादकर लोग भजन सुनने इसलिए नहीं आते हैं कि धार्मिक अनुष्ठान है बल्कि इसलिए आते हैं कि किसी ने बुलाया है या रुचिकर भोजन है या लोगों से मेल मिलाप होगा . इन सब आडंबर से भगवान की भक्ति नहीं बढ़ी है फिर ऐसे आडंबर क्यों किये जाये . यदि भजन बिना भोजन के आयोजित किया जाये तो आधे लोग भी नहीं आयेंगें .धर्म में आडंबर इतना अधिक फ़ैल गया है कि अब आडंबर को धर्म से दूर करना ना मुमकिन है किंतु आडंबर कम तभी हो सकता है जब हमारे सामाजिक नेता, साधु संत और श्रावक वर्ग एक साथ मिल कर आडंबर कम करने का बीड़ा उठाये, अन्यथा यह आडंबर बढ़ता जायेगा . पुराने ऋषि मुनि जंगलों में रहते थे फिर भी धर्म का विस्तार हुआ . लोगों में धार्मिक भावनाएं बढ़ी . साधु संतों को आडंबर छोड़ कर धर्म के प्रसार के लिये घर घर जाना चाहिये . धर्म के बारे में लोगों के हृदय में भावना जागृत करनी चाहिये और स्वयं के लिये भी आडम्बरहीन आयोजन करना चाहिये .

घर पर बनाएं चावल और गुलाब का फेस पैक

स्किन पर आ सकता है नेचुरल ग्लो

गर्मियों में तेज धूप, पसीना और धूल-मिट्टी का असर चेहरे पर साफ नजर आने लगता है. कई बार स्किन बेजान और थकी हुई दिखने लगती है, जिसके कारण लोग महंगे फेस पैक और पार्लर ट्रीटमेंट का सहारा लेते हैं. हालांकि, घर में मौजूद कुछ आसानी से मिलने वाली चीजों से भी त्वचा की देखभाल की जा सकती है. चावल का आटा और गुलाबजल से बना फेस पैक इन्हीं घरेलू नुस्खों में से एक माना जाता है. यह फेस पैक स्किन को फ्रेश महसूस कराने के साथ हल्का नेचुरल ग्लो देने में मदद कर सकता है.

फेस पैक बनाने के लिए सामग्री: 2 चम्मच चावल का आटा, 2 से 3 चम्मच गुलाबजल, 1 चम्मच कच्चा दूध, आधा चम्मच शहद

ऐसे तैयार करें फेस पैक: सबसे पहले एक बाउल लें और उसमें चावल का आटा डालें. अब इसमें गुलाबजल मिलाएं. इसके बाद कच्चा दूध और शहद डालकर सभी चीजों को अच्छे से मिक्स करें. ध्यान रखें कि पेस्ट ज्यादा पतला या ज्यादा गाढ़ा न हो. स्मूद पेस्ट तैयार होने पर फेस पैक इस्तेमाल के लिए तैयार है.

लगाने का तरीका: चेहरे को पहले साफ पानी से धो लें ताकि धूल और ऑयल हट जाए. अब ब्रश या उंगलियों की मदद से फेस पैक को पूरे चेहरे और गर्दन पर लगाएं. इसे करीब 15 से 20 मिनट तक लगा रहने दें. जब फेस पैक हल्का सूखने लगे, तब हल्के हाथों से मसाज करते हुए धो लें.

इस फेस पैक को लगाने से स्किन को क्या फायदे मिलते हैं?: चावल का आटा स्किन को हल्के तरीके से एक्सफोलिएट करने में मदद कर सकता है. वहीं गुलाबजल चेहरे को ठंडक और ताजगी देने के लिए जाना जाता है. शहद त्वचा को मॉइस्चराइज रखने में मदद कर सकता है और दूध स्किन को सॉफ्ट महसूस करा सकता है.

किन लोगों के लिए अच्छा माना जाता है?: यह फेस पैक ऑयली, नॉर्मल और कॉम्बिनेशन स्किन वालों के लिए अच्छा ऑप्शन माना जाता है. ड्राई स्किन वाले लोग इसमें थोड़ा ज्यादा शहद मिला सकते हैं. अगर आपकी स्किन बहुत ज्यादा सेंसिटिव है, तो पहले पैच टेस्ट जरूर करें. किसी तरह की जलन होने पर इसका इस्तेमाल न करें. घर में आसानी से मिलने वाली चीजों से बना यह फेस पैक कम खर्च में स्किनकेयर रूटीन का हिस्सा बन सकता है.

गर्मी में बच्चों को भूलकर भी न खिलाएं ये 8 चीजें, वरना बिगड़ सकती है सेहत

गर्मी का मौसम बच्चों के लिए काफी चुनौती भरा होता है. इस दौरान उनका शरीर जल्दी डिहाइड्रेट होता है और पाचन तंत्र भी कमजोर पड़ जाता है. ऐसे में खानपान में छोटी सी लापरवाही भी बड़ी परेशानी बन सकती है. कई बार माता-पिता अनजाने में बच्चों को ऐसी चीजें खिला देते हैं जो गर्मी में उनके लिए नुकसानदायक साबित होती हैं. इसलिए जरूरी है कि इस मौसम में बच्चों की डाइट पर खास ध्यान दिया जाए और कुछ चीजों से उन्हें दूर रखा जाए.

1. आइसक्रीम और बहुत ठंडी चीजें: गर्मी में बच्चों को आइसक्रीम बहुत पसंद आती है, लेकिन ज्यादा ठंडी चीजें गले में इंफेक्शन और सर्दी-खांसी का कारण बन सकती हैं. इससे बच्चों की इम्युनिटी भी कमजोर हो सकती है.

2. कोल्ड ड्रिंक और सोडा: कोल्ड ड्रिंक में हाई शुगर और केमिकल्स होते हैं. ये शरीर को हाइड्रेट नहीं करते बल्कि डिहाइड्रेशन बढ़ा सकते हैं. बच्चों के लिए ये एक अनहेल्दी ऑप्शन है.

3. तला-भुना खाना: पकौड़े, चिप्स और समोसे जैसे तले-भुने फूड्स गर्मी में भारी पड़ते हैं. इन्हें पचाने में दिक्कत होती है और इससे पेट दर्द या गैस की समस्या हो सकती है.

4. ज्यादा मसालेदार खाना: स्पाइसी फूड्स शरीर में गर्मी बढ़ाते हैं. बच्चों को ज्यादा मिर्च-मसाले वाला खाना देने से उन्हें पेट में जलन और असहजता महसूस हो सकती है.

5. बासी खाना: गर्मी में खाना जल्दी खराब हो जाता है. बासी खाना खाने से फूड पॉइजनिंग का खतरा बढ़ जाता है, जो बच्चों के लिए गंभीर हो सकता है.

6. पैकेज्ड जूस: बाजार में मिलने वाले जूस में असली फलों की मात्रा कम और शुगर ज्यादा होती है. ये बच्चों की सेहत पर नकारात्मक असर डाल सकते हैं.

7. फास्ट फूड: बर्गर, पिज्जा और नूडल्स बच्चों को पसंद आते हैं, लेकिन इनमें पोषण की कमी होती है. गर्मी में ये शरीर को और ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते हैं.

8. ज्यादा मीठी चीजें: अधिक मिठाई और चॉकलेट खाने से बच्चों में सुस्ती और पानी की कमी बढ़ सकती है. इससे उनकी भूख भी कम हो जाती है.

क्या खिलाएं?: गर्मी में बच्चों को तरबूज, खीरा, दही, छाछ और नारियल पानी देना बेहतर रहता है. घर का ताजा और हल्का खाना उनके शरीर को ठंडा रखता है और उन्हें हेल्दी बनाए रखता है. गर्मी के मौसम में सही खानपान बच्चों को बीमारियों से बचाने का सबसे आसान तरीका है. इसलिए इन चीजों से दूरी बनाकर रखें और हेल्दी विकल्प अपनाएं.

सिल्क और बनारसी जैसी महंगी साड़ी को घर पर कैसे धोएं?

ड्राई क्लीन की नहीं पड़ेगी जरूरत बस इस बात का रखें ध्यान

सिल्क और बनारसी साड़ी हर महिला की पहली पसंद है. आपको हर महिला के वार्डरोब में एक ऐसी सिल्क या बनारसी साड़ी जरूर मिलेगी. दरअसल शादी हो या कोई बड़ा त्यौहार, इन भारी और महंगी साड़ियों का क्रेज कभी कम नहीं होता. लेकिन समस्या तब आती है जब इन्हें साफ करने की बारी आती है. डर लगा रहता है कि कहीं इनका रंग न निकल जाए या इनकी 'जरी' (गोल्डन-सिल्वर वर्क) काली न पड़ जाए. ज्यादातर लोग इन्हें सीधे ड्राई क्लीनिंग के लिए भेज देते हैं, जिसमें काफी पैसे खर्च होते हैं. लेकिन क्या आप जानती हैं कि आप अपनी इन बेशकीमती साड़ियों को घर पर भी धो सकती हैं? जी हां, बस आपको कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना है और आपकी साड़ी सालों-साल नई जैसी चमकती रहेगी. तो चलिए बिना किसी देरी के उन टिप्स के बारे में जानते हैं.

शुरुआत सही तैयारी से करें: सिल्क और बनारसी साड़ियों के लिए सबसे बड़ा दुश्मन है 'हार्ड डिटर्जेंट' या साधारण कपड़े धोने वाला साबुन. इसमें मौजूद केमिकल साड़ी के नाजुक धागों को सुखा देते हैं, जिससे साड़ी फटने लगती है. इसलिए जब भी साड़ी धोने का मन बनाएं, तो सबसे पहले बाजार से एक अच्छा माइल्ड शैम्पू या फिर सबसे अच्छा विकल्प रीठा खरीद लाएं. रीठा एक नेचुरल क्लींजर है जो कपड़े को नुकसान पहुंचाए बिना गंदगी साफ कर देता है.

धोने का सही स्टेप-बाय-स्टेप तरीका: 1. पानी का तापमान- सबसे पहले एक बड़े टब में ठंडा पानी भरें. याद रखें, सिल्क के लिए कभी भी गर्म या गुनगुने पानी का इस्तेमाल न करें. **2. घोल तैयार करें-** पानी में थोड़ा सा माइल्ड शैम्पू या रीठे का पानी मिला लें. इसे अच्छे से झाग बनने तक मिलाएं. **3.समय-** अब अपनी साड़ी को इस पानी में हल्के हाथों से डालें. ध्यान रखें, साड़ी को घंटों भिगोकर नहीं रखना है. बस 2 मिनट ही काफी हैं. **4.रगड़ना मना है-** हम अक्सर दाग साफ करने के लिए कपड़े को ब्रश से रगड़ते हैं, लेकिन सिल्क के साथ ऐसी गलती भूलकर भी न करें. इसे बिल्कुल न रगड़ें. बस पानी में ऊपर-नीचे करें ताकि धूल निकल जाए. **5.हल्के हाथों से निचोड़ें-** साड़ी को पानी से बाहर निकालें और उसे बहुत ज्यादा जोर लगाकर न निचोड़ें. बस हल्के हाथों से दबाकर एक्स्ट्रा पानी निकाल दें.

सुखाने का तरीका: साड़ी धो तो ली, लेकिन उसे सुखाने का तरीका ही उसकी उम्र तय करता है. सिल्क की साड़ियों को कभी भी सीधी धूप में न सुखाएं. धूप से साड़ी का रंग उड़ जाता है. हमेशा साड़ी को उल्टा करके छांव में ही फैलाएं. कोशिश करें कि इसे किसी सपाट जगह पर फैलाएं ताकि इसके धागे खिंचे नहीं. हल्की प्रेस से प्रेस करें.

सख्त या नरम, पेट की कौन सी चर्बी है ज्यादा खतरनाक?

बेली फैट यानी पेट पर चर्बी जमा होना आजकल एक कॉमन समस्या बन चुकी है. ये देखने में तो खराब लगता ही है लेकिन बता दें सारा मामला सिर्फ लुक्स का ही नहीं है, बल्कि ये बेली फैट आपकी हेल्थ के बारे में भी काफी कुछ बताता है. अगर आप अपने पेट को हल्का सा दबाकर देखें तो दो चीजें हो सकती है. या हो ये फैट छूने पर मुलायम लग सकता है या फिर हार्ड यानी कठोर. आमतौर पर लोग इसपर ज्यादा ध्यान नहीं देते और उन्हें ये दोनों एक जैसे ही लगते हैं. लेकिन एक्सपर्ट्स के मुताबिक सॉफ्ट बेली और हार्ड बेली दोनों में बड़ा फर्क होता है. फोर्टिस हॉस्पिटल के गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ शुभम वात्स्य ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इन दोनों के बारे में बताया है. साथ ही, दोनों में से कौन सा खतरनाक है ये भी बताया है.

सॉफ्ट बेली फैट क्या होता है?: अगर आपका पेट छूने पर काफी मुलायम महसूस होता है, तो इसे सॉफ्ट बेली कहा जाता है. डॉ शुभम बताते हैं कि सॉफ्ट बेली ज्यादातर डीललर्ीीरपर्शीी त्रीं होता है, जो स्किन के नीचे स्टोर होता है. ये आसानी से पिंच हो जाता है और इसका मेटाबॉलिक इंपैक्ट भी ज्यादा नहीं होता है. कुल मिलाकर ये नॉर्मल फैट होता है, जो हार्ड बेली की तुलना में कम खतरनाक माना जाता है.

क्या है हार्ड बेली फैट?: अगर आपको अपना पेट छूने पर सख्त महसूस होता है, तो ये हार्ड बेली फैट हो सकता है. ये विसरल फैट होता है, जो शरीर के अंदरूनी हिस्से जैसे लिवर, पैंक्रियाज और आंतों के आसपास जमा होता है. डॉ शुभम बताते हैं कि ये फैट इन्फ्लेमेटरी केमिकल और स्ट्रेस हार्मोन रिलीज करता है, जिसकी वजह से फैटी लिवर, इंसुलिन रेजिस्टेंस, हाई बीपी और हार्ट संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ता है.

क्या है खतरनाक?: कुल मिलाकर आसान शब्दों कहें तो अगर आपका पेट निकला हुआ है और छूने पर ये सॉफ्ट यानी मुलायम फील होता है तो ज्यादा चिंता वाली बात नहीं है. लेकिन वहीं अगर आपका पेट निकला हुआ है और टच करने पर सख्त लगता है, तो ये काफी खतरनाक हो सकता है.

सिर्फ वेट और बीएमआई चेक करना काफी नहीं: गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ शुभम वात्स्य कहते हैं कि सिर्फ सिर्फ वजन या इचख देखकर हेल्थ का सही अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है. कई लोग बाहर से ज्यादा मोटे नहीं दिखते लेकिन उनके पेट में विसरल फैट काफी मात्रा में जमा हो सकता है.

कैसे कम करें अपना बेली फैट?: बेली फैट कम करने के लिए अपने ओवरऑल लाइफस्टाइल पर ध्यान देना जरूरी है. डॉक्टर कुछ टिप्स साझा करते हुए बताते हैं कि अपनी डाइट में प्रोटीन की मात्रा ज्यादा रखें, डेली एक्सरसाइज या किसी भी तरह का मूवमेंट अपने रूटीन में शामिल करें. इसके साथ ही प्रॉपर नींद और कम स्ट्रेस लेना भी काफी मदद करेगा.

सुडोकू–42

6		4						3
	1		3		9	4		
8			1	2			6	
3		8		5	1		7	
		1	7		8	6		
	5		9	4		3		8
	6			7	5			4
		5	2		6		3	
2						7		6

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें.
उत्तर अगले अंक में

सूडोकू -41 का उत्तर

2	7	6	8	5	4	9	1	3
1	5	4	9	3	6	8	2	7
8	3	9	1	7	2	5	4	6
6	8	7	2	4	1	3	5	9
3	9	2	7	6	5	4	8	1
4	1	5	3	8	9	7	6	2
9	4	8	6	2	7	1	3	5
7	6	3	5	1	8	2	9	4
5	2	1	4	9	3	6	7	8

युवा शक्ति माथापच्ची- 63

1	■	2	3	4		5		■
6	7	■	8		■		■	9
■	10	11		■	12			
13	■		■	14	■	■	■	
15						16		
	■	■	■		■		■	
17		18		■	19		20	■
	■		■	21		■	22	23
■	24						■	

● बाएं से दाएं

2. गिरे हुए लोगो को उठाने वाला, ईश्वर, 6. धुआं खींचना, दम, चाबुक, 8. केश गुच्छ, 10. टीस, दर्द, अरमान, 12. हास्य प्रधान रुपक, 15. भोजन न पाना, बहुत कष्ट सहना, 17. रसिक, रसीला, 19. गिरना, अवनति, 21, मां की मां, 22. अंधेरा, 24. अनुसरण करना, टीपना.

● उपर से नीचे

1. चिट्ठी,-पत्री, 3. राज्याभिषेक, टीका, 4. तीर, किनारा, 5. शूकर, विष्णु का एक अवतार, 7. संदेह, 9. घोडे की तरह स्वर निकालना, 11. सदा, हमेशा, 13. वचन देना, 14. सिकुडन, लज्जा, शर्म, 16. चांदी, 18. प्रशंसक, भाट, वंदना करने वाला, 19. दूध फाडकर जमाया हुआ, 20. झुका हुआ, प्रणाम करता हुआ, 21. घ्राण इंद्री, 23. चित्त, इच्छा, अंत:करण,

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची- 62 का हल

ना	ना	■	ज	न	तं	त्र	वा	दी
■	गि	■	ले	■	ग	■	स	■
क	न	क	बी	ज	■	पि	■	ला
ल्या	■	■	■	ला	■	सु	ल	भ
ण	■	प	रि	व	ह	न	■	दा
का	म	ना	■	त	■	■	■	य
री	■	ह	■	न	त	म	स्त	क
■	प	■	सा	■	डा	■	री	■
ज	ल	प्र	दा	य	क	■	य	म

10MayP9_Page1.qxd 09-05-2026 23:13 Page 1

न्यूज कॉर्नर

मोथाबाड़ी कांड में तृणमूल के दो नेता गिरफ्तार

मालदा : मोथाबाड़ी कांड में केंद्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कालियाचक के दो तृणमूल कांग्रेस नेताओं को गिरफ्तार किया है. प्राप्त जानकारी के अनुसार कालियाचक एक नंबर ब्लॉक के तृणमूल ब्लॉक अध्यक्ष सरयूल शेख और सुजापुर क्षेत्र के पूर्व अध्यक्ष यूसुफ शेख को गिरफ्तार किया गया है. यह कार्रवाई शुक्रवार देर शाम की गई.जानकारी के अनुसार, मतगणना से एक दिन पहले कालियाचक के नौ तृणमूल नेताओं को पूछताछ के लिए नोटिस भेजा गया था. इनमें जिला परिषद की वन एवं भूमि कर्माध्यक्ष और सुजापुर विधानसभा की उम्मीदवार सबीना यासमीन के चुनाव एजेंट अब्दुर रहमान, ब्लॉक अध्यक्ष सरयूल शेख, पूर्व खाद्य कर्माध्यक्ष हाजी केताबुद्दीन शेख और यूसुफ शेख समेत अन्य शामिल थे.उन्हें रविवार को कालियाचक थाने में उपस्थित होने के लिए कहा गया था, लेकिन मतगणना में व्यस्तता के कारण वे उपस्थित नहीं हो सके. बाद में दोबारा बुलाया गया.एनआईए के समन पर बुधवार को कुछ नेता पेश हुए, जिनमें सरयूल शेख भी शामिल थे. उसी दिन उनके मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए.शुक्रवार को फिर से पूछताछ के लिए बुलाया गया और लंबी पूछताछ के बाद सरयूल और यूसुफ शेख को देर शाम गिरफ्तार कर लिया गया. बताया जा रहा है कि मोथाबाड़ी में जिस दिन न्यायाधीशों को घेरकर विरोध प्रदर्शन किया गया था, उस दिन सुजापुर विधानसभा क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई जगहों पर जाम और प्रदर्शन हुआ था.सूत्रों के मुताबिक, सुजापुर अस्पताल के पास सबसे बड़ा प्रदर्शन हुआ था. यूसुफ शेख का एक नर्सिंग होम भी वहीं स्थित है, जिसके सामने हुए बड़े विरोध प्रदर्शन के चलते उनकी गिरफ्तारी हुई मानी जा रही है. एनआईए सूत्रों के अनुसार, इस मामले में कांग्रेस और तृणमूल के कुछ अन्य लोगों की गिरफ्तारी भी बहुत जल्द हो सकती है.साहिबगंज उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने सदर अस्पताल के ओपीडी,आईपीडी, डेंटल, प्रसव वार्ड, एसएनसीयू वार्ड का सभी विभागों की बारी बारी से जायजा लिया.

उपायुक्त ने स्वास्थ सुविधा को लेकर मरीजो से ली जानकारी

साहिबगंज : शनिवार को उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने सदर अस्पताल में जाकर निरीक्षण किया. उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने जर्नल ओपीडी, आईपीडी, डेंटल, प्रसव वार्ड, एसएनसीयू वार्ड सभी विभागों की बारी बारी से जायजा लेते हुए सुविधाओ के बारे में जानकारी ली. बार बार अखबार में प्रकाशित होने के चलतेअभी डॉक्टर अपने ड्यूटी से नदारत रहने के चलते मरीज होते रहते थे परेशान शीर्षक पर उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने संज्ञान लेते हुए अस्पताल की हाल जानने के लिए सदर अस्पताल पहुंचे. उपायुक्त ने डेंटल विभाग में होने वाली काम व मरीजो को क्या क्या सुविधा दी जा रही है इस बारे में संबंधित डॉक्टर से पूछताछ की. इसके अलावा मरीजो से जानकारी ली. इस दौरान उपायुक्त ने मरीजो से मिलने वाली स्वास्थ सुविधा के बारे में पूछताछ करते हुए डॉक्टर के बारे में भी मरीजो से जानकारी हासिल की. इसके अलावा अल्ट्रासाउंड कक्ष का जायजा लेते हुए निर्देश दिए है. उपायुक्त ने साफ निर्देश देते हुए कहा कि ड्यूटी से किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी. अगर यहां सुविधा है तो मरीजो को इसका लाभ मिलना चाहिए. उपायुक्त ने कहा कि यहां जो भी कमी है उसे जल्द पूरा करने का प्रयास किया जाएगा. इसके अलावा मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, ब्लड बैंक, सेंट्रल लैब आदि का जायजा लेते हुए सुविधाओ की जानकारी ली है. इस मौके पर मौजूद सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, डीडीसी सतीश चंद्रा, एडीसी गौतम भगत,सदर एसडीओ अमर जॉन आइंदे,एवं बीडीओ बासुकीनाथ टुडू डीएस डॉ. दिवेश कुमार,क्लर्क प्रवीण सक्सैना,क्लर्क मुकेश कुमार,आदित्य कुमार,मैनेजर आदि मौजूद थे.

निर्वाचन कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित, लंबित कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

साहिबगंज : शनिवार को निर्वाचक निबंधक पदाधिकारी, 02-बोरिया (अजजा) विधानसभा क्षेत्र-सह-अनुमंडल पदाधिकारी, साहिबगंज अमर जॉन आईन्द की अध्यक्षता में बोरियो प्रखंड कार्यालय सभागार में निर्वाचन से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई. समीक्षा के दौरान मैपिंग एएसडीडी, डीएसई, प्रपत्र-6, 7 एवं 8 के निष्पादन तथा नेशनल हाउस नंबरिंग कार्यों की वर्तमान स्थिति पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया. निर्वाचक निबंधक पदाधिकारी, ने लंबित मैपिंग कार्यों पर गंभीरता व्यक्त करते हुए संबंधित बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को कार्य में अपेक्षित तेजी लाने तथा अधिकतम मतदाताओं का चिन्हीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए.उन्होंने निर्देशित किया कि एएसडीडी एवं डीएसई मामलों का पुनः सत्यापन कर निर्धारित समयसीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित किया जाए. साथ ही प्रवासी मतदाताओं से संबंधित मामलों में निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप नियमानुसार कार्रवाई करने पर बल दिया गया.

.डॉ प्रेम कुमार ने प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य का स्थल निरीक्षण किया

गया : बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने शनिवार को आमस से दरभंगा तक प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे (राष्ट्रीय राजमार्ग-119ऊ) के निर्माण कार्य का स्थल निरीक्षण किया.निरीक्षण के दौरान उन्होंने परियोजना की प्रगति, गुणवत्ता एवं कार्यान्वयन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी अधिकारियों से प्राप्त की.डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि यह बिहार का पहला ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे है, जो राज्य के बुनियादी ढांचे के विकास में मील का पत्थर साबित होगा.उन्होंने बताया कि यह चार लेन का एक्सेस कंट्रोल्ड राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 190 किलोमीटर है. यह परियोजना आमस से शिवरामपुर तक विकसित की जा रही है और भारतमाला परियोजना के अंतर्गत हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (हम) पर निर्माणाधीन है.उन्होंने बताया कि इस परियोजना की कुल लागत लगभग 1,157.5 करोड़ रुपये है तथा इसका निर्माण कार्य मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है.परियोजना का कार्यादेश 20 मई 2022 को दिया गया था तथा 31 मार्च 2023 से कार्य प्रारंभ हुआ. निर्धारित अवधि 24 माह की है.निरीक्षण के दौरान यह भी जानकारी दी गई कि कुल 55.002 किलोमीटर में से लगभग 50.549 किलोमीटर भूमि पर कार्य की भौतिक उपलब्धता हो चुकी है, जबकि शेष 4.453 किलोमीटर क्षेत्र में अभी कुछ बाधाएं बनी हुई हैं, जिन्हें दूर करने की प्रक्रिया जारी है.वर्तमान में परियोजना का लगभग 44.51 प्रतिशत वित्तीय कार्य पूर्ण हो चुका है.अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता के साथ कोई समझौता न किया जाए तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं.उन्होंने कहा कि इस एक्सप्रेसवे के निर्माण से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के बीच बेहतर संपर्क स्थापित होगा, जिससे व्यापार, उद्योग एवं कृषि को बढ़ावा मिलेगा और आम जनता को भी आवागमन में सुविधा होगी.इस अवसर पर परियोजना से जुड़े अधिकारी, अभियंता एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे.

झारखंड विधानसभा की प्राक्कलन समिति ने किया पाकुड़ का दौरा

महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता एवं ग्रामीण आजीविका मॉडल की विधायकों ने की सराहना

पाकुड़:झारखंड विधानसभा की प्राक्कलन समिति ने अपनी स्थल अध्ययन यात्रा के क्रम में शुक्रवार को पाकुड़ जिले का दौरा किया. इस दौरान समिति ने जिले में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं, विशेष रूप से ग्रामीण विकास एवं महिला सशक्तिकरण से जुड़े कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया.

समिति के सभापति सह लिट्टीपाड़ा के माननीय विधायक हेमलाल मुर्मू की अध्यक्षता में तथा समिति के सदस्य सह बगोदर के माननीय विधायक नागेन्द्र महतो, घाटशिला के माननीय विधायक सोमेश चंद्र सोरेन तथा टुंडी के माननीय विधायक मथुरा प्रसाद महतो शामिल रहे.
समिति ने लिट्टीपाड़ा प्रखंड में ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी द्वारा संचालित योजनाओं का अवलोकन किया. इसी क्रम में समिति के सदस्यों ने गुतू गलांग कल्याण ट्रस्ट का दौरा किया, जहाँ पहाड़िया समुदाय की महिलाओं द्वारा किए जा रहे आजीविका संवर्धन एवं आत्मनिर्भरता के कार्यों ने सभी को विशेष रूप से प्रभावित किया. समिति ने ट्रस्ट द्वारा संचालित बोरा सिलाई इकाई, कृषि उत्पाद प्रसंस्करण केंद्र एवं महिलाओं के स्वरोजगार गतिविधियों का निरीक्षण किया. पहाड़िया दीदियों द्वारा तैयार किए जा रहे बोरे झारखंड के सभी 24 जिलों में भेजे जा रहे हैं. वहीं बरबटी, अरहर एवं कुलथी जैसे स्थानीय उत्पादों से दाल निर्माण एवं विपणन का कार्य भी सफलतापूर्वक किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण महिलाओं को स्थायी रोजगार एवं आर्थिक मजबूती मिल रही है.
समिति के सभापति सह लिट्टीपाड़ा के माननीय विधायक श्री हेमलाल मुर्मु ने कहा कि गुतू गलांग ने पूरे झारखंड में अपनी अलग पहचान बनाई है. यह संस्था महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक परिवर्तन का प्रेरणादायी उदाहरण है.

रविंद्र जयंती पर कवि गुरु के आदर्शों को जीवन में उतारने का संकल्प

बहरागोड़ा : शनिवार को बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के मानुषमुड़िया मध्य विद्यालय परिसर में झारखंड बंगभासी समन्वय समिति के तत्वावधान में रविंद्र जयंती समारोह का भव्य आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता अश्वनी कुमार साधु ने की और मुख्य अतिथि के रूप में पंसस शुभ्रा महापात्र एवं प्लस टू स्कूल के एचएम छोटा भुजंग टुडू उपस्थित रहे. कार्यक्रम का शुभारंभ कवि गुरु की तस्वीर से सुसज्जित वाहन के साथ ग्राम भ्रमण कर किया गया, जिसके बाद विद्यालय में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में रोमा वाला, सावित्री भोल और सागरिका घटवारी ने सुमधुर रविंद्र संगीत की प्रस्तुति दी, जबकि गौरव भोल एवं उनकी टीम ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया.

जंगली जानवर का हमला, दो माह के मासूम की मौत एक बच्ची घायल

पाकुड़: पाकुड़ जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत तारानगर पंचायत के लखीनारायणपुर गांव में सुबह दिल दहला देने वाली घटना सामने आई. एक जंगली जानवर के हमले में दो माह के मासूम बच्चे की मौत हो गई, जबकि करीब चार वर्षीय एक बच्ची घायल हो गई. आशंका जताई जा रही है कि हमला सियार या लोमड़ी ने किया.
जानकारी के अनुसार, रामचंद्रपुर निवासी मुसफेरा बीबी अपने पति समरुल शेख और बच्चों के साथ मायके लखीनारायणपुर आई हुई थी. शुक्रवार देर रात पूरा परिवार घर में सो रहा था. इसी दौरान एक जंगली जानवर घर में घुस आया और सबसे पहले दो माह के मासूम बच्चे को उठा ले गया. जानवर ने बच्चे को बुरी तरह नोच डाला, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. इसके बाद जंगली जानवर ने घर में मौजूद करीब चार वर्षीय दूसरी बच्ची पर भी हमला करने की कोशिश की. बच्ची की चीख-पुकार सुनकर परिजन जाग गए और शोर मचाया, जिसके बाद जानवर वहां से भाग निकला. परिजनों की सतर्कता से दूसरी बच्ची की जान बच गई, हालांकि वह घायल हो गई. घायल बच्ची को तुरंत पाकुड़ सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई गई है.
घटना के बाद गांव में भय और दहशत का माहौल है. ग्रामीण रात में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित है और जंगली जानवर के दोबारा हमले की आशंका जता रहे है. ग्रामीणों ने वन विभाग और प्रशासन से इलाके में सुरक्षा बढ़ाने तथा जंगली जानवर को पकड़ने की मांग की है. घटना की सूचना मिलते ही मुफ्फसिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित परिवार से पूछताछ की. पुलिस ने मृत बच्चे के अवशेषों को कब्जे में लेकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है.

गया पहुंचे मंत्री डॉ. संतोष कुमार

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी :बिहार सरकार के कैबिनेट विस्तार के बाद पहली बार गया जी शनिवार को पहुंचे मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन का कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया.सर्किट हाउस पहुंचने पर समर्थकों ने उन्हें फूल-माला और अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया.प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंत्री ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि तेजस्वी जंगलराज पार्ट-2 के युवराज हैं न ही प्रशासनिक अनुभव है.संतोष सुमन ने आरोप लगाया कि तेजस्वी को राजनीति में अवसर सिर्फ नीतीश कुमार की वजह से मिला, लेकिन अब वही उन्हीं पर सवाल उठा रहे हैं.उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि दूसरों को नकलची कहने वाले पहले खुद को देखें. उन्होंने कहा कि वो नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार एक शांत और संस्कारी व्यक्ति हैं संतोष सुमन ने कहा कि बिहार की जनता ने एनडीए को विकास के लिए जनादेश दिया है.

तेघड़ा में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा है सरकारी कार्यालय

तेघड़ा/ बेगूसराय (युवा शक्ति ब्यूरो) : तेघड़ा प्रखंड अंतर्गत विभिन्न सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक प्रतिष्ठानों में आम जनता का एक भी काम दलाल का सहयोग और घूस दिये बगैर नहीं होता है. तेघड़ा थाना में दलालों का जमावड़ा लगा रहा है. थाना में कदम रखते ही हर काम का मूल्य बताया जाता है. रजिस्ट्री कार्यालय में जमीन खरीद - बिक्री करने वालों से विभिन्न प्रकार का अवैध शुल्क वसूली होती है. अनुमंडल अस्पताल केवल शोभा की वस्तु है, इस अस्पताल में नीचे से ऊपर तक सभी को हर काम में रूपये चाहिये. एसबीआई, यूको, सेन्ट्रल बैंक सहित अन्य बैंकों में दलाल का बोलबाला है. प्रखंड कार्यालय में विभिन्न योजनाओं और सरकारी सेवा के लाभ हेतु अवैध वसूली होती है. अंचल कार्यालय में तो भ्रष्टाचारियों का तांडव नृत्य देखने को मिलता है. सीडीपीओ कार्यालय में तो दिन रात आंगनबाड़ी सेविकाओं से अवैध वसूली कर राशि बिचौलियों द्वारा पहुंचाया जाता है. शिक्षा विभाग का बीआरसी भवन यह कार्यालय आदेशपाल के हवाले समर्पित है.

सरकारी स्कूलों में लूट की खुली छूट यहां चढ़ावा चढ़ाने पर मिलता है. प्रखंड कृषि कार्यालय में खाद और बीज माफिया का जमघट लगा रहता है. प्रखंड पशु अस्पताल में ताला लगा रहता है, यह अस्पताल नाइट गार्ड के हवाले समर्पित है. जनवितरण प्रणाली का कार्यालय डीलरों से अवैध वसूली करने का अड्डा बन गया है. मनरेगा कार्यालय तो सबसे बड़ा लूट का अड्डा है, जंगली वृक्ष लगाकर सरकारी राशि का बंदरबांट किया जाता है. अनुमंडल कार्यालय में राशनकार्ड बनाने, शपथ पत्र बनाने सहित विभिन्न प्रकार के कागजातों को प्राप्त करने हेतु जनता से अवैध राशि की वसूली की जाती है. नगर परिषद कार्यालय में भी अवैध वसूली का तांडव नृत्य देखने को मिलता है. तेघड़ा की जनता सरकारी कार्यालयों में फैले भ्रष्टाचार से त्रस्त है. बिहार सरकार जो सब्जबाग प्रचार प्रसार कर जनता को दिखाती है वह धरातल पर नजर नहीं आती है. धरातल पर केवल लूट-खसोट, बंदरबांट, कमिशनखोरी का कारोबार चल रहा है. जनता की सेवा में ड्यूटी पर तैनात भ्रष्ट पदाधिकारी अवैध धन अर्जित कर अपना खजाना भरने में दिन रात एक कर दिया है.

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

साहिबगंज : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के तत्वाधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज में और अनुमंडलीय विधिक सेवा समिति, राजमहल में शनिवार को व्यवहार न्यायालय परिसर में इस वर्ष कि दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया . जिसका ऑनलाइन उद्घाटन झारखंड के सभी जिलों में झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची, न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद, जज, झारखण्ड हाई कोर्ट -सह- कार्यकारी अध्यक्ष, झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची से किया . जिसका सीधा प्रसारण साहेबगंज और राजमहल के व्यवहार न्यायालय स्थित लोक अदालत कक्ष में स्क्रीन पर उपस्थित लोगों ने देखा . उद्घाटन के उपरान्त प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार ने विभिन्न लोक अदालत बेंचों का अवलोकन किया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत न्याय व्यवस्था को अधिक सरल, सुलभ एवं जनोन्मुख बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है. उन्होंने कहा कि आपसी सहमति के आधार पर मामलों के समाधान से न केवल न्यायिक प्रक्रिया में तेजी आती है, बल्कि पक्षकारों के बीच सौहार्दपूर्ण वातावरण भी कायम रहता है उन्होंने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से छोटे-बड़े विभिन्न प्रकार के मामलों का त्वरित निष्पादन संभव हो पाता है, जिससे लोगों को अनावश्यक भागदौड़ और खर्च से राहत मिलती है. उन्होंने उपस्थित पक्षकारों से अपील की कि वे लोक अदालत की उपयोगिता को समझते हुए अधिकाधिक संख्या में इसका लाभ उठाएं. उन्होंने संबंधित विभागों एवं अधिकारियों से भी समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक मामलों को लोक अदालत में लाने तथा उनके निष्पादन में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया, ताकि आमजन को शीघ्र एवं प्रभावी न्याय उपलब्ध कराया जा सके.इस लोक अदालत में प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय संजय कुमार उपाध्याय, जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रथम गुलामअनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी तुषार आनंद, रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी राहुल कुमार, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी रिचेश कुमार,है.

अवैध खनन पर प्रशासन सख्त

पाकुड़: समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई. बैठक में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान की समीक्षा की गई. जिला खनन पदाधिकारी ने बताया कि 1 अप्रैल से 8 मई तक अवैध खनन से जुड़े मामलों में 22 वाहनों को जब्त किया गया तथा 7 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं.उपायुक्त ने सभी अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारियों को खनन नियमों का गहन अध्ययन करने तथा इंटर-स्टेट बॉर्डर क्षेत्र में वाहनों एवं चालानों की सघन जांच करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि जिले में अवैध खनन के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी और किसी भी स्तर पर लापरवाही

परसुडीह के सरकारी स्कूल परिसर में किशोरी का शव मिलने से सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

जमशेदपुर : परसुडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत सोपोडेरा स्थित राजकीय मध्य विद्यालय परिसर में शनिवार सुबह एक नाबालिग किशोरी का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. किशोरी की स्थिति को देखते हुए स्थानीय लोगों ने दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जताई है. हालांकि पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने तक किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से इंकार किया है. जानकारी के अनुसार विद्यालय परिसर में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र की संचालिका सुलेखा शांडिल्य सुबह स्कूल पहुंचीं तो उन्होंने एक किशोरी को अचेत अवस्था में पड़ा देखा. नजदीक जाकर देखने पर उसकी मौत हो चुकी थी. उन्होंने तुरंत इसकी सूचना स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों और परसुडीह थाना पुलिस को दी. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम अस्पताल भेज दिया. घटना की सूचना मिलते ही स्कूल परिसर में भारी भीड़ जमा हो गई. स्थानीय ग्रामीणों ने शव की पहचान करने की कोशिश की, लेकिन समाचार लिखे जाने तक किशोरी की शिनाख्त नहीं हो सकी थी. पुलिस आसपास के थाना क्षेत्रों में दर्ज लापता किशोरियों की सूची खंगाल रही है. दोपहर में सिटी एसपी ललित मीणा फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) और डॉग स्क्वायड की टीम के साथ घटनास्थल पहुंचे. विशेषज्ञों ने घंटों तक जांच कर कई वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए. पुलिस ने स्कूल की चहारदीवारी, मुख्य गेट और अन्य प्रवेश मार्गों का निरीक्षण कर यह जानने का प्रयास किया कि अपराधी परिसर में किस रास्ते से दाखिल हुए. सिटी एसपी ने बताया कि पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच कर रही है. उन्होंने कहा कि फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती मृतका की पहचान करना है. दुष्कर्म की आशंका संबंधी सवाल पर उन्होंने कहा कि मेडिकल जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी. घटना के बाद पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश है. उन्होंने दोषियों की जल्द गिरफ्तारी और इलाके में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है. मौके पर विधि व्यवस्था डीएसपी तौकीर आलम, सिटी डीएसपी सुनील कुमार चौधरी और परसुडीह थाना प्रभारी समेत कई अधिकारी मौजूद थे.

विद्यालय में मातृ दिवस सह रविंद्र जयंती समारोह का आयोजन

पाकुड़: स्थानीय विद्यालय डी ए वी पब्लिक स्कूल के सभा भवन में मातृ दिवस (मदर्स डे) बड़े उत्साह, प्रेम और भावनात्मक माहौल में मनाया गया, जहां छोटे छोटे बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य, गीत और हस्तनिर्मित कार्डों के माध्यम से अपनी माताओं को विशेष महसूस कराया. कार्यक्रम में माताओं के लिए खेलों और रैंप वॉक का भी आयोजन किया गया जो मां बच्चे के अटूट बंधन को समर्पित था. इस विशेष अवसर पर छोटे छोटे बच्चों के माताओं को विद्यालय आमंत्रित किया गया जहां बच्चों ने अपने अपने माताओं के प्रति प्रेम एवं आभार प्रकट किया. विद्यालय के प्राचार्य डॉ विश्वदीप चक्रवर्ती ने मां के परिवार को धुरी बताते हुए कहा कि मां ही बच्चों की पहली गुरु होती है जो बच्चों को जीवनपर्यंत सही शिक्षा देती है.वहीं इस कार्यक्रम के मध्य में कविगुरु रवींद्रनाथ की 165वीं जयंती भी बहुत उल्लास पूर्वक मनाई गई. कार्यक्रम में प्राचार्य एवं शिक्षकों द्वारा रविन्द्र नाथ टैगोर जी के तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया गया. इस विशेष मौके पर बच्चों द्वारा बंगाली नृत्य एवं रवींद्र संगीत का कार्यक्रम सभी के मन को मंत्रमुग्ध कर दिया. प्राचार्य के अनुसार रविन्द्र नाथ टैगोर केवल साहित्यकार ही नहीं बल्कि एक सच्चे देशभक्त भी थे. वे एशिया के पहले व्यक्ति थे जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. उन्हीं के द्वारा रचित राष्ट्र गान जन गण मन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया.

पलासगाछी में एक युवक को कथित तौर पर फिरौती के लिए बनाया बंधक, पुलिस ने कराया मुक्त

उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के पलासगाछी दियारा में कथित तौर पर फिरौती के लिए एक युवक को बंधक बनाए जाने का मामला सामने आया है. राधानगर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल पर पहुंचकर युवक को सकुशल बरामद करा लिया है. पुलिस ने फिरौती के लिए इस्तेमाल की गई एक स्कार्पियो जेएच 18 डी 9741 व बाइक के साथ एक युवक को भी हिरासत में लिया है. सूत्रों के अनुसार शनिवार की अहले सुबह थाना क्षेत्र के दक्षिण पालसगाछी पंचायत के कोयस टोला गांव में एक युवक को स्थानीय कुछ लोग मिलकर एक युवक को बंधक बनाकर रखा गया था. युवक को बंधक बनाकर उनके परिजनों से फिरौती के तौर पर चार लाख रुपया का मांग कर रहा था. हालांकि इसकी सूचना मिलते ही राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज, एसआई गंगा प्रसाद यादव सहित अन्य पुलिस बल मौके पर पहुंचकर बंधक बनाए गए युवक को सुरक्षित थाना लाया. साथ ही एक अन्य युवक को भी हिरासत में लिया है. इस घटना में एक पक्ष का दावा है कि उक्त युवक कोयस टोला में किसी अज्ञात के घर में घुसने का प्रयास करने के दौरान पकड़कर बंधक बनाया गया था.बताया जा रहा है कि उक्त युवक थाना क्षेत्र के उत्तर पलासगाछी पंचायत का है. खबर लिखे जाने तक मामले में राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि मामले में किसी भी पक्ष से आवेदन नहीं दिया गया है.फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है.

पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास में एक नए युग की शुरूआत : भरत सिंह

जमशेदपुर : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भरत सिंह ने शुभेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल का मुख्यमंत्री बनने एवं पाँचों मंत्रियों को मंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई और मंगलकामनाएं प्रेषित की. इस ऐतिहासिक अवसर पर अपनी हर्षपूर्ण प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भरत सिंह ने कहा कि श्री अधिकारी का मुख्यमंत्री मनोनीत होना पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास में एक नए युग की शुरूआत है, जो राज्य को प्रगति और सुशासन की नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा. भरत सिंह ने इस गौरवमयी उपलब्धि को बंगाल की जनता के अटूट विश्वास की जीत बताते हुए स्पष्ट किया कि शुभेंदु अधिकारी के कुशल नेतृत्व में अब राज्य में भयमुक्त वातावरण और विकासपरक राजनीति का उदय होगा. उन्होंने विश्वास जताया कि नवनियुक्त मुख्यमंत्री के दूरदर्शी सोच और दृढ़ संकल्प से बंगाल में लोकतांत्रिक संस्थाएं मजबूत होंगी और समाज के हर वर्ग के लोगों के लिए कल्याण का मार्ग प्रशस्त होगा. भरत सिंह के अनुसार, श्री अधिकारी का जमीनी अनुभव और जनता से सीधा जुड़ाव राज्य की समस्याओं के समाधान में मील का पत्थर साबित होगा. इस पावन अवसर पर भरत सिंह ने यह भी कहा कि अब पश्चिम बंगाल विकास के राष्ट्रीय मुख्यधारा से पूरी शक्ति के साथ जुड़ेगा और केंद्र की लोक-हितकारी योजनाओं का लाभ सीधा जनता तक पहुँचेगा. श्री सिंह प्रदेश के सभी कार्यकर्ताओं की ओर से मुख्यमंत्री के यशस्वी कार्यकाल की कामना की और विश्वास व्यक्त किया कि उनके मार्गदर्शन में ''सोनार बांग्ला'' का संकल्प बहुत जल्द धरातल पर साकार होता दिखाई देगा.

प्लेऑफ की उम्मीद जीवंत रखने के लिए एलएसजी से भिड़ेगा सीएसके

चेन्नई: अंकतालिका में छठे स्थान पर काबिज चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए रविवार को यहां सबसे निचले पायदान पर मौजूद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी. अब जबकि टूर्नामेंट अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुका है तब सीएसके शीर्ष चार में जगह बनाने की दौड़ में शामिल है. उसके अभी तक के अभियान में निरंतरता का अभाव रहा है. उसने अपने घरेलू मैदान और विरोधी टीम के मैदान दोनों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं किया है. पांच बार का चैंपियन सीएसके अब चेपॉक में वापसी करेगा. उसके पास एलएसजी के खिलाफ लय हासिल करने का बेहतरीन मौका है. लखनऊ की टीम के लिए यह सत्र निराशाजनक रहा और वह प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी है. सीएसके का पूरा अभियान काफी हद तक संजू सैमसन के इर्द-गिर्द घूमता रहा है, जिनकी शीर्ष क्रम में अच्छी पारियों ने अक्सर टीम की किस्मत तय की है. जहां टीम के नए खिलाड़ी सैमसन बल्लेबाजी के आधार स्तंभ के रूप में उभरे हैं, वहीं कप्तान रुतुराज

मैच दोपहर 3:30 बजे से शुरू होगा

गायकवाड़ बल्लेबाजी में निरंतरता बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं. रुतुराज ने इस महीने की शुरुआत में 74 और 67 रन की महत्वपूर्ण पारियों के साथ फॉर्म में वापसी की है. वह हालांकि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में असफल रहे, जहां सैमसन ने 52 गेंदों में 87 रन की मैच विजेता पारी खेली. सीएसके की टीम को मध्य क्रम के बल्लेबाजों डेवाल्ड ब्रेविस, कार्तिक शर्मा, जेमी ओवरटन और शिवम दुबे से भी अच्छे योगदान की उम्मीद होगी. महेंद्र सिंह धोनी टूर्नामेंट शुरू होने से पहले लगी पिंडली की चोट के कारण अभी तक कोई मैच नहीं खेल पाए हैं. उन्होंने हालांकि नेट पर अभ्यास किया है, लेकिन उन्हें अभी तक अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली है. मौजूदा टूर्नामेंट के दौरान चेपॉक की पिचों के व्यवहार में बदलाव देखने को मिला. अब यह अपनी पारंपरिक रूप से बेहद धीमी और स्पिन गेंदबाजों की मददगार प्रकृति से बदलकर अधिक संतुलित और बल्लेबाजों के लिए अनुकूल हो गई हैं. इसके बावजूद यहां स्पिनरों को कुछ मदद मिल रही है. ऐसे में बीच के ओवरों में अकील हुसैन और नूर अहमद की जोड़ी सीएसके के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है. अगर एलएसजी की बात करें तो उसके लिए यह सत्र निराशाजनक रहा है. उसने 10 मैच में केवल तीन जीत हासिल की हैं और वह तालिका में सबसे नीचे (10वें स्थान पर) है. कप्तान ऋषभ पंत के लिए यह सत्र चुनौतीपूर्ण रहा है और अब तक वह बल्लेबाजी में अपने रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपये की कीमत को सही साबित करने में नाकाम रहे हैं. पंत ने गुरुवार को मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 10 गेंदों में 32 रन की शानदार पारी खेली लेकिन उनका समग्र प्रदर्शन निराशाजनक रहा है. एलएसजी की टीम इस सत्र में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभाग में एकजुट होकर प्रदर्शन नहीं कर पाई है. लेकिन आरसीबी के खिलाफ नौ रन की जीत में मिचेल मार्श की 56 गेंदों पर खेली गई 111 रन की पारी ने उसके अभियान को एक नई गति प्रदान की है. आरसीबी के खिलाफ जीत से एलएसजी ने लगातार छह मैचों की हार का सिलसिला तोड़ दिया. तालिका में निचले पायदान पर होने के बावजूद इस जीत ने एलएसजी की प्लेऑफ में पहुंचने की धुंधली उम्मीदों को जीवंत रखा. जहां तक एलएसजी के गेंदबाजी आक्रमण की बात है तो उसकी अगुवाई अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी कर रहे हैं. उन्हें प्रिंस यादव तथा स्पिनर शाहबाज अहमद और दिग्वेश सिंह राठी का उपयोगी सहयोग मिल रहा है. जोश इंग्लिस और मोहसिन खान के चोटिल होने से एलएसजी को नुकसान हुआ है.

डब्ल्यूएफआई ने विनेश को नोटिस जारी किया, 26 जून तक खेल नहीं सकती

नयी दिल्ली: भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने विनेश फोगाट पर अनुशासनहीनता और डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए शनिवार को कारण बताओ नोटिस जारी किया और यूडब्ल्यूडब्ल्यू के डोपिंग रोधी नियमों के तहत संन्यास से वापसी के लिये छह महीने का अनिवार्य नोटिस नहीं देने के कारण 26 जून 2026 तक घरेलू टूर्नामेंटों में उनके भाग लेने पर रोक लगा दी. पंद्रह पन्ने के नोटिस में डब्ल्यूएफआई ने आरोप लगाया कि विनेश के आचरण से देश को शर्मिंदगी झेलनी पड़ी है, भारतीय कुश्ती की छवि खराब हुई है, डब्ल्यूएफआई संविधान के प्रावधानों, यूडब्ल्यूडब्ल्यू अंतरराष्ट्रीय कुश्ती के नियमों और डोपिंग रोधी नियमों का उल्लंघन हुआ है. महासंघ ने उनसे चार प्रमुख आरोपों पर सफाई मांगी है जिसमें 2024 पेरिस ओलंपिक से अयोग्य करार दिये जाने, डोपिंग रोधी नियमों के तहत ठौर ठिकाना बताने में कथित तौर पर नाकाम रहने और आईओए द्वारा नियुक्त तत्कालीन तदर्थ समिति द्वारा मार्च 2024 में कराये गए ट्रायल में दो भार वर्गों में भाग लेना शामिल है. महासंघ ने साफ तौर पर कहा है कि वह इस साल 26 जून तक किसी घरेलू टूर्नामेंट में भाग नहीं ले सकती जिसमें गोंडा में 10 से 12 मई तक होने वाला राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट शामिल है.

मुंबई इंडियंस के खिलाफ आरसीबी के बल्लेबाजों को करना होगा दमदार प्रदर्शन

रायपुर: पिछले दो मैच में हार से वापसी के लिए बेताब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को अगर अपना अभियान पटरी पर लाना है तो मुंबई इंडियंस के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में उसके बल्लेबाजों को दमदार प्रदर्शन करना होगा. आरसीबी ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी और अपने पहले चार मैच जीते थे. तब उसके लिए प्लेऑफ में प्रवेश महज एक औपचारिकता लग रहा था. लेकिन अब स्थिति बदल गई है. मौजूदा चैंपियन टीम अपने पिछले पांच मैचों में से तीन मैच हार गई है जिससे उसके समीकरण बिगड़ गए हैं. आरसीबी अभी 10 मैचों में 12 अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर है और वह प्लेऑफ में पहुंचने का मजबूत दावेदार है. अब जबकि टूर्नामेंट अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुका है तब आरसीबी की लय गड़बड़ाना उसके लिए चिंता का विषय होगा. आरसीबी के बल्लेबाजों को अपनी पिछली असफलता को भूलकर नए सिरे से शुरुआत करनी होगी. गुजरात टाइटंस के खिलाफ अहमदाबाद में उसकी टीम केवल 155 रन ही बना पाई थी जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ उसे नौ रन से हार का सामना करना पड़ा था. आरसीबी को लखनऊ के खिलाफ

मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा

जीत के लिए आखिरी ओवर में 19 रन की जरूरत थी, लेकिन वह लक्ष्य के करीब भी नहीं पहुंच सका. आरसीबी के बल्लेबाजों को अब मुंबई इंडियंस के खिलाफ मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का सामना करना होगा. इन गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह, कॉर्बिन बॉश, एएम गजनफर और विल जैक्स शामिल हैं. रायपुर आरसीबी का घरेलू मैदान है, लेकिन उसे यहां की पिच के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है. आरसीबी के बल्लेबाजों में जैकब बेथेल को बड़ा स्कोर बनाना होगा क्योंकि अभी तक वह चार पारियों में 14, 20, पांच और चार रन ही बना पाए हैं. ऐसे में उनके सलामी जोड़ीदार विराट कोहली को अतिरिक्त जिम्मेदारी उठानी पड़ रही है. विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा का प्रदर्शन भी निराशाजनक है. इस सत्र में उनका उच्चतम स्कोर 23 है. जहां तक मुंबई इंडियंस की बात है तो लखनऊ के खिलाफ पिछले मैच में उसने 228 रन के लक्ष्य को आसानी से हासिल किया था. रोहित शर्मा ने चोट से उबरने के बाद वापसी करते हुए 44 गेंदों में 84 रन की तूफानी पारी खेली. रोहित और उनके सलामी जोड़ीदार रयान रिकेल्टन के सामने भुवनेश्वर कुमार और जोश हेज़लवुड की जोड़ी का डटकर सामना करने की चुनौती होगी. मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या पीठ दर्द के कारण लखनऊ के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाए थे और सूर्यकुमार यादव ने कप्तानी की थी. हार्दिक टीम से जुड़ गए हैं लेकिन उनकी फिटनेस का सही आकलन करने के बाद ही उन्हें अंतिम एकादश में शामिल किया जाएगा.

जाधव ने शंघाई विश्व कप में कांस्य पदक जीता

शंघाई: विश्व यूनिवर्सिटी खेलों के मौजूदा चैंपियन साहिल जाधव ने शनिवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में पुरुष कंपाउंड स्पर्धा में कांस्य पदक जीता. यह विश्व कप में उनका पहला पदक भी है. महाराष्ट्र के 25 वर्षीय तीरंदाज जाधव ने कांस्य पदक के प्लेऑफ मुकाबले में डेनमार्क के मार्टिन डैम्सबो को 147-144 से हराकर मौजूदा टूर्नामेंट में भारत का पहला पदक हासिल किया. भारत ने इस पदक के साथ कंपाउंड वर्ग में अपने अभियान का भी समापन किया. इस वर्ग में भारत के अन्य खिलाड़ी पदक जीतने में नाकाम रहे थे. भारत को कंपाउंड टीम स्पर्धाओं में मजबूत टीम माना जाता है लेकिन उसकी सभी टीम शुरुआती दौर में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गईं. भारत अब रविवार को प्रतियोगिता के समापन दिवस पर रिकर्व स्पर्धा में दो और पदक जीतने की कोशिश करेगा. भारतीय महिला टीम स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेगी. इसके अलावा सिमरनजीत कौर सेमीफाइनल से अपने अभियान की शुरुआत करेंगी. विश्व कप में अपना पहला पदक जीतने के लिए उन्हें एक जीत की जरूरत होगी. जाधव पहले सेट के बाद एक अंक से पीछे चल रहे थे क्योंकि 40 वर्षीय डैम्सबो ने तीन परफेक्ट 10 के साथ शुरुआत की थी. लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे सेट में परफेक्ट 30 का स्कोर बनाया जबकि डैम्सबो 27 का स्कोर ही बना पाए. इससे जाधव को कुल 59-57 की बढ़त हासिल करने में मदद मिली. इसके बाद जाधव ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और अपने अंतिम नौ तीरों में से केवल दो अंक गंवाकर तीन अंक की यादगार जीत हासिल की. जाधव ने पहले दौर में हमवतन अभिषेक वर्मा को, प्री-क्वार्टर फाइनल में जर्मनी के रूवेन फ्लुस को और क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रिया के 2022 के विश्व चैंपियन निको विएनर को शूट-ऑफ में हराया था. सेमीफाइनल में हालांकि उन्हें फ्रांस के मौजूदा विश्व चैंपियन निकोलस गिरार्ड से एक अंक से हार का सामना करना पड़ा था.

पुखराज गिल ने तीन खिलाड़ियों के रोमांचक प्लेऑफ में जीता पहला एडीटी खिताब

कुआलालंपुर: पुखराज सिंह गिल ने 'आर एंड ए' की एडीटी प्लेयर्स चैंपियनशिप के तीन खिलाड़ियों के रोमांचक प्ले-ऑफ में धैर्य बनाए रखते हुए शनिवार को यहां खिताब अपने नाम किया. गिल ने शुरुआती दौर से ही बढ़त कायम रखते हुए दबाव भरे पलों में मानसिक मजबूती दिखाई और पहली बार यह खिताब जीतने में सफल रहे. आईजीपीएल में खेलने वाले गिल ने अंतिम दौर में लय से भटकते हुए 72 का कार्ड खेलकर कुल 13-अंडर का स्कोर बनाया. उनके साथ थानाविन ली (68) और सीन रामोस (68) भी बराबरी पर रहे. गिल ने प्ले-ऑफ के दूसरे होल के बाद खिताब के साथ पुरस्कार के तौर पर 19,250 डॉलर की राशि भी अपने नाम की. इस जीत के साथ गिल ने एडीटी ऑर्डर ऑफ मेरिट की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है. चार प्रतियोगिताओं के बाद गिल फिलहाल ऑर्डर ऑफ मेरिट में तीसरे स्थान पर हैं. इस प्रतियोगिता के कट में प्रवेश करने वाले अन्य भारतीयों में कार्तिक सिंह ने दिन का सर्वश्रेष्ठ 65 का स्कोर बनाया और संयुक्त 30वें स्थान पर रहे. वहीं, खालिन जोशी 77 के स्कोर के साथ संयुक्त 46वें स्थान पर रहे. गिल ने दूसरे प्ले-ऑफ होल में छह फीट का पुट लगाकर जीत पक्की की. गेंद के होल में जाते ही उन्होंने दोनों हाथ ऊपर उठाकर जश्न मनाया. उनका खिताब पक्का होते ही अमन राज और आर्यन रूपा आनंद समेत अन्य भारतीय खिलाड़ियों ने उन्हें घेर लिया और एक साथ जीत का जश्न मनाया. गिल ने कहा, इस जीत का इंतजार काफी लंबा रहा. यह एहसास अविश्वसनीय है. मुझे लगता है कि इसे पूरी तरह महसूस करने में थोड़ा समय लगेगा, लेकिन फिलहाल मैं बेहद उत्साहित हूं. मलेशिया में यह सप्ताह शानदार रहा. पहली बार इस कोर्स पर खेलते हुए मुझे इसका डिजाइन बहुत पसंद आया. यह मेरे खेल के अनुकूल था और खुशी है कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सका. उन्होंने कहा, अंतिम क्षणों में मुकाबला मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा रोमांचक हो गया और मामला प्ले-ऑफ तक पहुंच गया. वहां जीत हासिल करने के बाद मैं खुद को सातवें आसमान पर महसूस कर रहा हूं. इस जीत का एहसास पूरी तरह दिल में उतरने में अभी थोड़ा समय लगेगा. भारतीय खिलाड़ियों में गिल से पहले करण कोचर ने मिस्र में एडीटी खिताब जीता था.

गुकेश जीत के साथ ब्लिट्ज वर्ग में पांचवें स्थान पर

वारसॉ (पोलैंड): विश्व चैंपियन डी गुकेश ने ब्लिट्ज वर्ग में खराब शुरुआत के बाद वापसी करते हुए सुपर रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट के नौवें दौर में पोलैंड के जान क्रिस्तोफ डुडा पर शानदार जीत दर्ज की. गुकेश ने रैपिड वर्ग में 18 में से नौ अंक जुटाए. उन्होंने शुरुआती नौ ब्लिट्ज दौर से चार और अंक हासिल किए जिससे टूर्नामेंट के आधे चरण में उनके 27 में से 13 अंक हो गए हैं. अमेरिका के हैंस मोके नीमन पहले दिन के खराब प्रदर्शन के बावजूद तालिका में शीर्ष पर बरकरार हैं. नीमन 16.5 अंक से हमवतन वेस्ली सो से आधा अंक आगे हैं. वहीं अमेरिका के तीसरे खिलाड़ी फैबियानो कारुआना स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव के साथ 15-15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं जबकि गुकेश दो अंक पीछे अगले स्थान पर हैं. फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा और मैक्सिम वाचियर लाग्रेव 12.5 अंक लेकर डुडा के साथ छठे स्थान पर हैं जबकि विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंडारोव 12 अंक से नौवें स्थान पर हैं. पोलैंड के राडोस्लाव वोज्तासक ने 10 अंक के साथ अंतिम स्थान पर हैं. गुकेश ने टूर्नामेंट के तीसरे दिन की शुरुआत वोज्तासक और अलीरेजा के खिलाफ दो हार के साथ की. इसके बाद वह कारुआना और सिंडारोव के खिलाफ भी दो बाजियां हार गए. गुकेश के लिए सबसे खास बात टूर्नामेंट में शीर्ष पर बने हुए नीमन पर शानदार जीत थी. इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने डुडा के खिलाफ शानदार जीत के साथ दिन का अंत किया. अभी ब्लिट्ज के नौ और दौर बाकी हैं. फिजिससे टूर्नामेंट का अंत रोमांचक होने वाला है.

अनीश ने सुरेंद्र सिंह स्मृति निशानेबाजी चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

नयी दिल्ली: रेलवे के ओलंपियन अनीश भानवाला ने शनिवार को यहां आयोजित 24वीं कुमार सुरेंद्र सिंह स्मृति निशानेबाजी चैम्पियनशिप में पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता. क्वालीफिकेशन में तीसरे स्थान पर रहने वाले अनीश ने फाइनल में 31 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया. मध्य प्रदेश के सूरज शर्मा ने 28 अंक के साथ रजत पदक अपने नाम किया, जबकि पंजाब के विजयवीर सिद्धू ने शूट-ऑफ के बाद 25 अंक के साथ कांस्य पदक जीता. जूनियर पुरुष वर्ग की स्पर्धा में मध्य प्रदेश के सूरज शर्मा ने 28 अंक के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया. हरियाणा के समीर गुलिया ने 27 अंक के साथ रजत पदक जीता, जबकि चंडीगढ़ के यूनिश होलिंडर ने 20 अंक के साथ कांस्य पदक जीता.

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा-प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट- सलप, थाना-डोमजूर, जिला-हावड़ा-711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई-मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन

बंगाल फिर बनेगा व्यापार, उद्योग और रोजगार का शक्तिशाली केंद्र

व्यापारी जगत को भाजपा सरकार में दिखी नई उम्मीद

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद तथा कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ़ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री श्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल का व्यापार एवं उद्योग जगत अब राज्य में भाजपा नेतृत्व वाली सरकार बनने की संभावना के साथ नई आशा और विश्वास से भरा हुआ है. पिछले 15 वर्षों में राज्य में उद्योग, व्यापार, एमएसएमई, पारंपरिक कारोबार और उद्यमिता को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा. नीति अस्थिरता, निवेशकों का घटता विश्वास, उद्योगों का पलायन, सिंडिकेट संस्कृति, प्रशासनिक दबाव और कमजोर औद्योगिक वातावरण ने बंगाल की ऐतिहासिक औद्योगिक पहचान को कमजोर किया.इसीलिए इस बार के चुनावों में डर और दहशत के माहौल से बाहर निकल कर बंगाल में व्यापारी वर्ग ने खुलकर भाजपा का समर्थन किया. श्री खंडेलवाल ने कहा की एक समय देश के प्रमुख औद्योगिक राज्यों में गिने जाने वाला पश्चिम बंगाल आज निवेश, रोजगार और औद्योगिक विकास की दौड़ में पीछे चला गया है. हजारों एमएसएमई इकाइयाँ बंद हुईं या अन्य राज्यों में स्थानांतरित हो गईं. व्यापारियों, छोटे उद्योगों, कारीगरों और पारंपरिक क्षेत्रों को पर्याप्त संरक्षण एवं प्रोत्साहन नहीं मिला. कैट के कार्यकारी चेयरमैन तथा बंगाल के प्रसिद्ध उद्योगपति श्री सुभाष अग्रवाला विशेष रूप से चाय, जूट, हैंडलूम, चमड़ा, मिठाई उद्योग और छोटे व्यापार से जुड़े लाखों लोगों को बढ़ती लागत, जटिल नियमों और कमजोर बुनियादी ढांचे का सामना करना पड़ा. छेना आधारित मिठाइयों पर जीएसटी ने भी पारंपरिक मिठाई उद्योग पर अतिरिक्त बोझ डाला. श्री अग्रवाला ने कहा की व्यापार जगत का मानना है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के वोकल फॉर लोकल, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के विजन के अनुरूप यदि पश्चिम बंगाल में पारदर्शी एवं उद्योग समर्थक शासन स्थापित होता है, तो राज्य पुनः पूर्वी भारत का सबसे बड़ा व्यापार एवं औद्योगिक केंद्र बन सकता है.उन्होंने बताया कि बंगाल के व्यापार एवं उद्योग जगत प्रमुख रूप से अब बंगाल में निवेशक अनुकूल औद्योगिक नीति, बिजली शुल्क एवं टैरिफ में राहत, एमएसएमई और स्टार्टअप को प्रोत्साहन, व्यापार एवं उद्योगों के लिए सरल नियम एवं सिंगल विंडो सिस्टम, लॉजिस्टिक्स, इंफ्रास्ट्रक्चर एवं औद्योगिक कॉरिडोर का विकास, पारंपरिक उद्योगों एवं कारीगरों को संरक्षण तथा छेना आधारित मिठाइयों पर जीएसटी राहत की उम्मीद कर रहा है. कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बी सी भरतिया ने कहा की बंगाल में व्यापारियों का विश्वास है कि मजबूत नेतृत्व, स्पष्ट नीतियों और विकासोन्मुखी शासन के माध्यम से पश्चिम बंगाल एक बार फिर व्यापार, उद्योग, निर्यात और रोजगार का बड़ा केंद्र बन सकता है. श्री खंडेलवाल ने कहा अब समय आ गया है कि बंगाल में विश्वास बहाल हो, उद्योगों को नई ऊर्जा मिले और राज्य फिर से विकास एवं समृद्धि की नई ऊंचाइयों को छुए.

प्रेम मिलन (कोलकाता) और खंडेलवाल वैश्य समाज की पहल

दिव्यांगों की सेवा के लिए कोलकाता से कोलाघाट पहुंचे चंद्रकांत सराफ, जरूरतमंदों में बांटी व्हीलचेयर और सहायक उपकरण

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: समाज सेवा के प्रति समर्पण और जरूरतमंदों की मदद का अनूठा उदाहरण शनिवार को पूर्व मेदिनीपुर के कोलाघाट क्षेत्र में देखने को मिला. प्रेम मिलन (कोलकाता) और खंडेलवाल वैश्य समाज की ओर से कोलगाछिया गांव में निःशुल्क व्हीलचेयर, ट्राई साइकिल और हैंड स्टिक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस सेवा कार्य में सबसे अधिक चर्चा प्रेम मिलन, कोलकाता के चेयरमैन चंद्रकांत चंद्रकांत सराफ की रही, जो अपनी शारीरिक कठिनाइयों की परवाह किए बिना सुदूर गांवों तक पहुंचकर दिव्यांग और जरूरतमंद लोगों की सहायता कर रहे हैं.करीब 80 किलोमीटर दूर ग्रामीण इलाके में आयोजित इस कार्यक्रम के तहत 33 जरूरतमंद लोगों को व्हीलचेयर और 25 लोगों को हैंड स्टिक वितरित की गई. कार्यक्रम के संयोजक सुरेश खंडेलवाल थे. गांव में प्रेम मिलन और खंडेलवाल वैश्य समाज के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का स्थानीय लोगों ने स्वागत किया. मंच पर पूर्व मत्स्य पालन मंत्री बिप्लब रॉय चौधरी, सुरेश खंडेलवाल, कमल खंडेलवाल, कृष्ण कुमार खंडेलवाल, श्याम अग्रवाल, उत्तम मायती और रेनू सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे. सभी अतिथियों को दुपट्टा और बुके देकर सम्मानित किया गया. इसी दौरान विप्लव राय चौधरी ने चंद्रकांत सराफ को कोलाघाट क्षेत्र में वर्षों से हजारों दिव्यांगों के बीच व्हीलचेयर और ट्राई साइकिल वितरित करने के लिए मोमेंटो देकर सम्मानित किया. उपस्थित लोगों ने कहा कि खुद शारीरिक चुनौतियों का सामना करने के बावजूद जिस तरह चंद्रकांत सराफ लगातार सेवा कार्यों में सक्रिय रहते हैं, वह समाज के लिए प्रेरणा है. कार्यक्रम में कई ऐसे बच्चे और बुजुर्ग पहुंचे, जो लंबे समय से चलने-फिरने में असमर्थ थे. जरूरतमंदों को सहायक उपकरण मिलने के बाद उनके चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी. चंद्रकांत सराफ ने कहा कि गांवों में अब भी ऐसे कई दिव्यांग लोग हैं, जो संसाधनों की कमी के कारण बेहद कठिन जीवन जीने को मजबूर हैं. बहुत से बच्चे ऐसे हैं, जो मां के पेट से ही अपाहिज हैं. उनको देखने पर मन में पीड़ा होती है. उन्होंने कहा कि समाज की संस्थाओं को आगे आकर ऐसे लोगों की मदद करनी चाहिए. उन्होंने कहा कि प्रेम मिलन, कोलकाता केवल व्हीलचेयर वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भी लगातार कार्य कर रहा है. कोलाघाट सलोनी में संस्था की ओर से प्रांशी आई केयर केंद्र संचालित किया जा रहा है, जहां हर महीने हजारों जरूरतमंद मरीजों का निःशुल्क इलाज किया जाता है. जरूरत पड़ने पर मरीजों को कोलकाता लाकर ऑपरेशन भी करवाए जाते हैं. कार्यक्रम के संयोजक और खंडेलवाल वैश्य समाज के वाइस प्रेसिडेंट सुरेश खंडेलवाल ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा से मन को शांति मिलती है और हर साल इसी तरह के सेवा कार्य किए जाते हैं. कमल खंडेलवाल ने कहा कि प्रेम मिलन जैसी संस्थाओं की वजह से गरीब और दिव्यांग लोगों तक निःशुल्क सहायता पहुंच रही है. उन्होंने संस्था द्वारा किए जा रहे चक्षु, हार्निया और हाइड्रोसील ऑपरेशन जैसे कार्यों की भी सराहना की.

आज के आयोजन में लायंस क्लब ऑफ चेतना का भी सहयोग रहा : कार्यक्रम को सफल बनाने में मनोज जायसवाल, नीतीश चौधरी, कल्याण घोष, सुरोजित मायती, डॉ. मलाय दास और विश्वनाथ पात्रा सहित कई लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रही. ग्रामीणों का कहना था कि शहर से इतनी दूर गांवों तक पहुंचकर दिव्यांगों की सेवा करना आसान नहीं है, लेकिन चंद्रकांत सराफ और उनकी टीम लगातार यह काम कर रही है. यही वजह है कि प्रेम मिलन का यह सेवा अभियान इलाके के जरूरतमंद लोगों के लिए बड़ी उम्मीद बन चुका है.

डॉ. मोहन यादव व राजेंद्र शुक्ला का कोलकाता पहुंचने पर व्यवसायियों ने किया स्वागत

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आशा जताई नए दौर में पहुँचेगा बंगाल

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के गठन के साथ राज्य के नए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी सहित उनके मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए शुक्रवार को कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला का व्यवसायी संगठनों और व्यापारियों ने भव्य स्वागत किया. दिनेश कुमार बिहानी, गोविंद रांधड़, राजेश तिवारी, महेश कुमार बिहानी, राजेश कुमार बिहानी, विकास नेवटिया, विजय दारुका, सुशील अग्रवाल, सिद्धांत बिहानी ने उनका स्वागत और सम्मान किया. इस अवसर पर संवाददाताओं से बात करते हुए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हम सबका सौभाग्य है, यशस्वी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में सुशासन की बयार चल रही है. उन्होंने कहा कि बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार का बनना बंगाल और देश दोनों के लिए हितकर हैं. मेरी ओर से तथा मध्य प्रदेश सरकार की ओर से राज्य के नए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी तथा उनके पूरे मंत्रीमंडल को बधाई देता हूँ. बंगाल की धरती एक बार फिर करवट ले रही है. बंगाल बहुत पिछड़ा हुआ था लेकिन अब बंगाल नए दौर में पहुँचेगा. मेरी ओर से बंगाल और पूरे देश को बधाई.

सही प्रश्न पूछने की कला

कानूनी प्रश्नों को पेशेवर कैसे हल करें ?

Mohan Lal Gupta
B.Com(Hons), FCA, IP

कानूनी पेशेवरों को हमेशा से जटिल कानूनी प्रश्नों से जूझना पड़ रहा है. एक-एक वाक्य और एक-एक शब्द का अर्थ भिन्न-भिन्न हो सकता है . हम पहले जटिल प्रश्नों के समाधान के लिये कई किताबों को पलटते थे, पढ़ते थे, धाराओं को बार-बार पढ़ते थे, अपने साथियों और वरिष्ठ पेशेवरों से सलाह कर उसका हल ढूंढ़ते थे. लेकिन आज स्थिति थोड़ी बदल गई है. अब अक्सर ऐसा होता है कि जैसे ही कोई प्रश्न आता है, हम उसे तुरंत Chatgpt आदि या Watshapp group में पूछ लेते हैं. कई बार हम स्वयं पहले उसे समझने या खोजने का प्रयास नहीं करते. यह सुविधा निश्चित रूप से हमारे लिए उपयोगी है, लेकिन स्वयं समझने का प्रयास न करना भी अनुचित है. यदि हम पहले स्वयं समाधान खोजने का प्रयास करें-चाहे किताबों से या डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से-तो काफी हद तक बात समझ में आ जाती है, यह प्रयास हमें विषय के करीब ले जाता है और हमारी सोच को ही मजबूत नहीं बनाता है बल्कि हमारे ज्ञान में असीमित वृद्धि करता है. इसके बाद यदि हम किसी वरिष्ठ पेशेवर से प्रश्न का समाधान करवाना चाहते हैं तो उसे थोड़ा विस्तार से और अपनी समझ के साथ रख सकते हैं . जैसे-यह समस्या है, यह संबंधित कानून या नियम है, और मैंने इसे इस तरह समझा है. क्या यह सही है या इससे बेहतर कोई दृष्टिकोण हो सकता है? इस प्रकार से पूछा गया प्रश्न पढ़ने वाले व्यक्ति को भी रुचिकर लगता है और वह गहराई से सोचकर उत्तर देने के लिए प्रेरित होता है. इससे चर्चा का स्तर भी बेहतर होता है और सभी को कुछ नया सीखने को मिलता है. एक पेशेवर तभी उच्च शिखर पर पहुँच सकता है जब उसमें निम्न प्रवृत्तियाँ हों-जिज्ञासा की प्रवृत्ति, जिज्ञासा का हल ढूँढने की प्रवृत्ति और उत्तर ढूँढ कर स्वयं मनन करने की प्रवृत्ति. लेकिन वर्तमान युग के नए संसाधनों जैसे Watshap, AI आदि उपकरणों के कारण स्वयं उत्तर ढूँढने की प्रवृत्ति धीरे-धीरे कम होती जा रही है, और हम तैयार उत्तर पाने की ओर अधिक प्रेरित होने लगे हैं. यह बात पूरी तरह स्वाभाविक है, क्योंकि आज समय की कमी और काम का दबाव भी एक बड़ा कारण है. फिर भी, यदि हम थोड़ा सा समय खुद समझने में लगाएँ और फिर उस प्रश्न का समाधान करें तो इससे न केवल हमें बेहतर उत्तर मिलेगा, बल्कि हमारी अपनी समझ भी विकसित होगी. मेरे विचार से यह एक बहुत ही स्वस्थ और सकारात्मक चर्चा का तरीका हो सकता है, जिससे सभी को लाभ मिलेगा. यह कोई नियम नहीं, बल्कि एक छोटा सा विचार है, जिसे मैंने विनम्रता के साथ साझा करने का प्रयास किया है. यदि हम सभी इसमें थोड़ा सा योगदान दें, तो हम अपने पेशेवर स्तर को और बेहतर बना सकते हैं. आज के Watshap, Chatgpt आदि का सहयोग अवश्य लें किंतु उनपर पूरी तरह आश्रित न हों. अन्यथा हमारी बुद्धि का विकास सीमित रह जाएगा.

हिन्दुत्व का आज लहराया है परचम

आंखों से बिग्रेड में मैंने देखा ये आलम

डा. (सीए) विनोद अग्रवाल
विनोद पोजिटिव फाउंडेशन
लेक डिस्ट्रिक्ट कोलकात

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: शपथग्रहण समारोह में शामिल होने, कार में बैठे अचानक मेरे जैहन में यह शेर आ गया- *हवाओं ने कोशिश बहुत की चिराग बुझाने की, मगर हौसलों ने ठान ली थी रोशनी फैलाने की.* सुबह 11 बजे के करीब बिग्रेड मैदान की वीआईपी गैलरी में प्रवेश करने के पूर्व, श्रीरामपुर से आयी हुई 8 साल की मिसिका दत्ता को मोदी जी को देखते हुए उल्लास से प्रफुल्लित होकर चिल्लाना मन को आनंदित कर गया. उसके पिता शंकर दत्ता को जब मैंने पुछा, इतनी गर्मी में इतनी छोटी बच्ची को क्यों लेकर आये....तो वह बोला साहब- हम इसे नही बल्कि ये हमारी बिटिया जबरदस्ती हमें, मोदी जी को देखने के लिए लेकर आयी है. ये हैं यह नरेंद्र मोदी का मैजिक....*चारों तरफ जश्न का माहौल..... हर इंसान मानो नयी आज़ाद फिंजा में सांस ले रहा हो...* लगभग डेढ़ दशक तक सत्ता पर काबिज तृणमूल कांग्रेस को पराजित करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने 294 सदस्यीय विधानसभा में 207 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया. यह विजय केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि बंगाल की राजनीतिक चेतना में आए व्यापक परिवर्तन का संकेत है. 2021 में 77 सीटों पर सिमटी भाजपा ने इस बार अभूतपूर्व बढ़त बनाते हुए नया इतिहास रचा. राज्य में रिकॉर्ड 92.93 प्रतिशत मतदान इस बात का प्रमाण है कि जनता परिवर्तन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध थी. इस ऐतिहासिक विजय के केंद्र में रहे भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी. नंदीग्राम से अपने राजनीतिक कौशल का परिचय दे चुके शुभेंदु अधिकारी ने इस चुनाव में संगठन क्षमता, जनसंपर्क और रणनीतिक नेतृत्व का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया. *सफर मुश्किल, मगर इरादे हमारे बुलंद थे. हिंदूत्व की जीत के परचम आज प्रचंड थे.* भाजपा की इस जीत के पीछे कई ठोस कारण रहे. पहला, राज्य में कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार और राजनीतिक हिंसा को लेकर जनता में गहरी असंतोष की भावना थी. दूसरा, केंद्र सरकार की योजनाओं (प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत तथा गरीब कल्याण योजनाओं) का सकारात्मक प्रभाव ग्रामीण और शहरी मतदाताओं पर स्पष्ट दिखाई दिया. तीसरा, प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय नेतृत्व द्वारा चलाया गया सघन चुनाव अभियान भाजपा के पक्ष में निर्णायक सिद्ध हुआ. शुभेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री बनने से बंगाल में विकास और प्रशासनिक पारदर्शिता की नई उम्मीद जगी है. उन्होंने अपने वक्तव्य में स्पष्ट कहा कि उनकी सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के सिद्धांत पर चलेगी और राजनीतिक प्रतिशोध के बजाय सुशासन को प्राथमिकता देगी. उद्योग, रोजगार, शिक्षा, महिला सुरक्षा और आधारभूत ढांचे के विकास को उनकी सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में रखा गया है. यह परिवर्तन केवल सरकार बदलने तक सीमित नहीं है; यह पश्चिम बंगाल की जनता की उस आकांक्षा का परिणाम है, जो स्थिर शासन, विकासोन्मुख नीतियों और भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन चाहती है. शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की है. यदि नयी सरकार अपने वादों को प्रभावी ढंग से लागू करती है, तो 2026 का यह जनादेश पश्चिम बंगाल ही नहीं पूरे देश के लिए एक नए स्वर्णिम युग की शुरुआत सिद्ध हो सकता है. मेरा मन तो यही कहता है- *बंगाल में बदलाव है, हर दिल में नयी आस है. हिन्दुत्व की इस जीत में सुनहरे कल का विश्वास है.*

रूबी पार्क पब्लिक स्कूल ने कवि 'रवींद्रनाथ टैगोर जी' की जयंती मनाई

कोलकाता : रूबी पार्क पब्लिक स्कूल ने नोबेल पुरस्कार से सम्मानित महान कवि 'रवींद्रनाथ टैगोर जी' की जयंती मनाई. इस कार्यक्रम की शुरुआत संगीत की एक मधुर 'जुगलबंदी' से हुई, जिसके बाद नृत्य और कविता पाठ प्रस्तुत किए गए. हर प्रस्तुति में कवि के गहन दर्शन और कलात्मक सौंदर्य की झलक दिखाई दे रही थी. रवींद्र संगीत की मधुर धुन सीधे दिल को छू गई, वहीं भावपूर्ण नृत्य-कला ने उनकी कविताओं को जीवंत कर दिया. युवा और अनुभवी कलाकारों ने सभी को पुरानी यादों और सांस्कृतिक गौरव से भरे माहौल में सराबोर कर दिया. विद्यार्थियों ने अपनी समर्पित प्रस्तुतियों के माध्यम से गुरुदेव को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी अमर विरासत को पुनर्जीवित किया तथा यह सिद्ध किया कि टैगोर जी के आदर्श आज भी जनमानस के हृदय में समान रूप से प्रेरणादायी और प्रासंगिक हैं. विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती मौसमी महापात्र जी ने कहा, रवींद्र जयंती के इस पवित्र अवसर पर, हम गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर जी की अमर प्रतिभा को नमन करते हैं. उनकी सोच हमारे मन को उन्नत और हमारी आत्मा को परिष्कृत करती है. यह हमें रचनात्मकता को सँजोने, मानवतावाद को बनाए रखने और उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने में सहायक है.

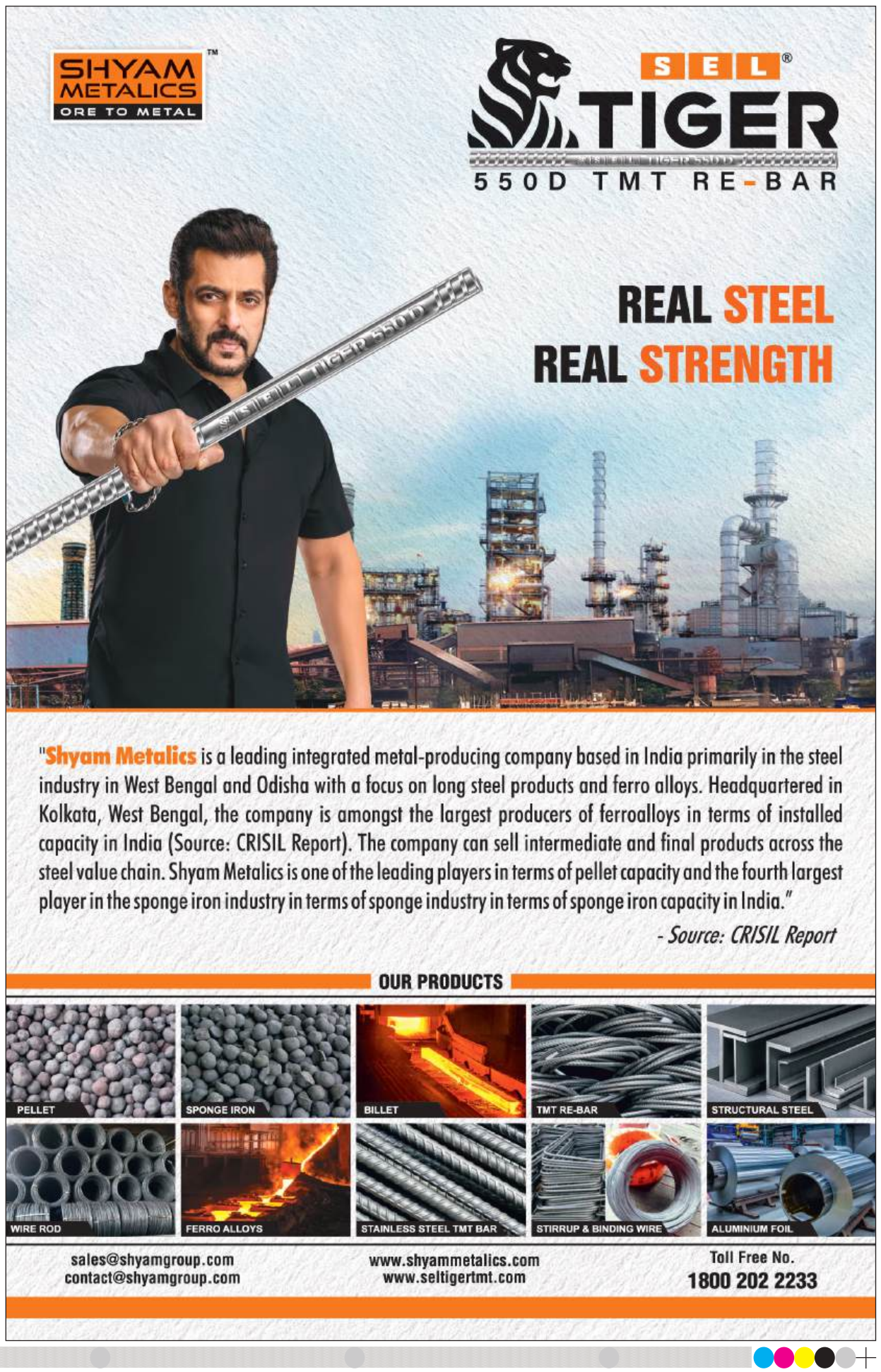

रिश्तों की मिठास

जहाँ हर दीवार कुछ कहती है
सुख शांति समृद्धि यहाँ बसती है

RED SQUARE

ORBIT SKY ROYALE	ORBIT HELIOS	ORBIT BELLA	ORBIT URBAN PARK	ORBIT TARANG	ORBIT DAKSHINI
BALLYGUNGE	LOUDON STREET	THEATRE ROAD	NEWTOWN	B.T. ROAD	DAKSHINESWAR
WBRERA/P/KOL/2024/001470	WBRERA/P/KOL/2025/002561	WBRERA/P/KOL/2023/000794	WBRERA/P/NOR/2023/000150	WBRERA/P/KOL/2023/000513	WBRERA/P/NOR/2025/002994

ORBIT GROUP
RISHTON KI MITHAAS

www.rera.wb.gov.in

7026 822 822

I ♥ KOL™
AN ORBIT GROUP INITIATIVE